नई दिल्ली । बुधवार, 22 जुलाई, 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :197 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एफआईएच हॉकी पुरुष वर्ल्ड कप में हरमनप्री...
@ विचार लोकतांत्रिक आंदोलन बनाम अराजगता...
@ व्यापार वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार...

PM आवास पर धरना, राहुल गांधी समेत विपक्ष हिरासत में

शिक्षा मंत्री प्रधान को हटाने की मांग को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की

प्रियंका गांधी हिरासत में

अखिलेश यादव भी हिरासत में

राहुल गांधी के नाक से दिखा बहता खुन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर धरना दे रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और कई सांसदों को पुलिस ने हटा दिया है। इसके बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, हर जोर आजमा लो, सारी ताकत लगा लो-छात्रों के इंसाफ की ये लड़ाई अब रोके न रुकेगी।

ये नेता जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में लोक कल्याण मार्ग की ओर मार्च कर रहे थे।

राहुल गांधी काफी देर तक सड़क पर ही डटे रहे और हटने से इनकार कर दिया। उन्हें कई पुलिसकर्मियों ने घेर लिया और फिर विपक्ष के दूसरे नेताओं के साथ पुलिस की गाड़ी में ले जाया गया।

यह विरोध प्रदर्शन संसद तक छात्रों के मार्च में पुलिस के दखल के एक दिन बाद हुआ।

इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने खड़गे के घर से प्रधानमंत्री के आवास तक पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के अभियान को तेज किया। हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल ने लोगों से धरने में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार पर छात्रों की चिंताओं का जवाब न देने का आरोप लगाया।

इससे पहले केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह राहुल गांधी से मिले। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बातचीत बेनतीजा रही क्योंकि पार्टी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा पेपर लीक पर संसद में चर्चा की मांग पर अड़ी रही।

कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन ने कहा कि पार्टी अपनी मांगें पूरी होने तक विरोध जारी रखेगी, हालांकि जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार थी और आरोप लगाया कि बाद में कांग्रेस ने मंत्री के इस्तीफे को शर्त बना दिया।

कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार के मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के लिए माफी मांगें या इस्तीफा दें।

इस विरोध प्रदर्शन को एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत अन्य नेताओं का समर्थन मिला है।

3 धंटे के धरने के बाद पुलिस कार्रवाई

- सरकार ने 3 धंटे में राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं माने।
- 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे, कांग्रेसियों ने घेरा बनाया।
- आधे धंटे तक धक्का-मुक्की, फिर लाठीचार्ज।
- 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी राहुल गांधी को उठाकर ले गए और बस में बैठाया।

पेपर लीक पर पीएम मोदी का बड़ा संदेश

पेपर लीक के आरोपियों को दिलाएं कठोर सजा : पीएम मोदी

- अब तक 13 आरोपी गिरयतार, जेल भेजे गए
- भविष्य में कोई हिम्मत न करे ऐसा कानून का डर जरूरी
- छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना सरकार की पहली प्राथमिकता
- NIET की दोबारा परीक्षा कराई, समय पर जारी हुआ परिणाम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेपर लीक का मुद्दा केवल किसी एक राज्य या केंद्र सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की चिंता का विषय है। जैसे ही सरकार को पेपर लीक की जानकारी मिली, तुरंत कार्रवाई की गई और अब तक इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एनडीए के 'मंगल मिलन' कार्यक्रम के बाद मीडिया को बैठक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि पेपर लीक जैसे गंभीर अपराध में शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए देश के वरिष्ठ वकीलों को भी आगे आना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे अपराध करने वालों के मन में कानून का डर पैदा हो।

रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार की पहली प्राथमिकता छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना है। इसी वजह से नीट की दोबारा परीक्षा जल्द कराई गई और उसका परिणाम भी बिना किसी देरी के घोषित किया गया, ताकि छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि पेपर लीक रैकेट में शामिल जिन लोगों की पहचान हुई है, उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दोषियों को इतनी सख्त सजा मिले कि भविष्य में कोई भी इस तरह का अपराध करने की हिम्मत न करे।

किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि पेपर लीक केवल किसी एक राज्य या केंद्र सरकार का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे देश और युवाओं के भविष्य से जुड़ा मामला है। इसलिए सभी राज्यों और सभी राजनीतिक दलों को इस अपराध के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी दलगत राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि देश और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा का सवाल है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि सरकार सिर्फ भविष्य में पेपर लीक रोकने का भरोसा ही नहीं दे रही, बल्कि देश के युवाओं को विश्व स्तर पर नेतृत्व करने के लिए भी तैयार कर रही है। उन्होंने कहा है कि भारत के युवा विभिन्न क्षेत्रों में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार का पूरा ध्यान उनके भविष्य को मजबूत बनाने पर है।

किरेन रिजिजू ने बताया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने स्काईरूट एयरोस्पेस की ओर से विक्रम-1 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारतीय युवा विज्ञान, तकनीक और नवाचार सहित कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इसलिए सरकार अपना समय, ऊर्जा और पूरा फोकस युवाओं और उनके भविष्य पर केंद्रित रखेगी।

किरेन रिजिजू ने बताया कि बैठक बेहद सकारात्मक रही। प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ महीनों में भारत की प्रमुख उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का जिक्र करते हुए कहा कि ये समझौते किसानों और देश, दोनों के हित में हैं।

मानसून सत्र को लेकर भी प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों को संदेश दिया। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि एनडीए संसद के मानसून सत्र में सकारात्मक भूमिका निभाएगा और सरकार की ओर से संसद में लाए जाने वाले सभी विधेयकों और महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को एकजुट होकर आगे बढ़ाएगा।

उन्होंने विपक्षी दलों से भी सहयोग की अपील की। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश था कि राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन संसद देश, उसके भविष्य और युवाओं के लिए काम करने का सर्वोच्च मंच है। इसलिए सभी सांसदों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने और देशहित में मिलकर काम करना चाहिए।

ईरान का आरोप: परमाणु संयंत्र पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

एजेंसी ■ लंदन

ईरान ने दारखोविन में निर्माणाधीन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर अमेरिकी हमले की निंदा की। ईरान के स्थायी मिशन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि सुरक्षा निगरानी (सेफगार्ड) के तहत चल रहे शांतिपूर्ण परमाणु केंद्रों पर होने वाले हमलों के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए।

ईरान की समाचार एजेंसी आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, 'दारखोविन परमाणु ऊर्जा

संयंत्र ईरान की बड़ी नागरिक परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य देश के बिजली ग्रिड के लिए बिजली पैदा करना है।' ईरान के अनुसार, 19 जुलाई रविवार को इस निर्माण स्थल पर अमेरिकी सेना ने हमला किया।

आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बताया कि 19 जुलाई की सुबह अमेरिका ने करुन (दारखोविन) परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण स्थल पर कई मिसाइलें दागीं। ईरान ने कहा कि यह स्थल देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों और तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

ट्रंप बोले- ईरान को मिलेगा करारा जवाब

एजेंसी ■ वाशिंगटन

'ऑपरेशन इनहेरेंट रिजॉल्व' में तैनात अमेरिकी सेना के दो सक्रिय सैनिकों की जॉर्डन में मौत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि ईरान की ओर से एक भी अमेरिकी सैनिक को नुकसान पहुंचा तो उनको कई गुना अंजाम भुगतना पड़ेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, ''ईरान किसी

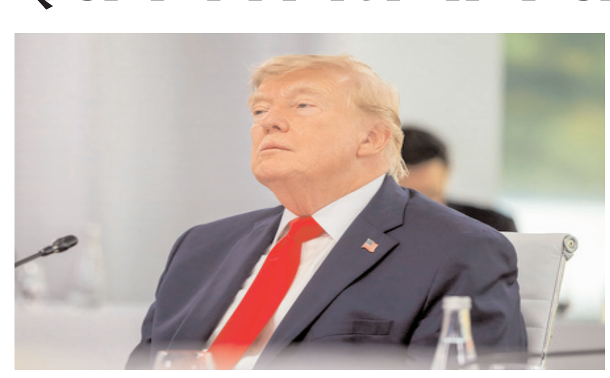

अमेरिकी सैनिक की जान लेगा, तो उसे उस हत्या की कीमत कई गुना ज्यादा चुकानी पड़ेगी। यह निर्देश युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैनियल केन और सेना के हर बड़े अधिकारी तक पहुंचा दिया गया है।

अमरिकी राष्ट्रपति का यह बयान मिडिल ईस्ट में तनाव को और बढ़ाने वाला लगता है, क्योंकि दोनों देशों की ओर से हमले के साथ-साथ तीखी बयानबाजी का सिलसिला लगातार बना हुआ है।

बढ़ती तल्खी के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी कह चुके हैं कि अमेरिका के साथ युद्ध तब तक नहीं रुकेगा, जब तक हमें लड़ाई में मजबूत बढ़त नहीं मिल जाती।

सुरक्षा और ऊर्जा सहयोग पर डोभाल की पहल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल मिडिल ईस्ट में बदलते घटनाक्रम के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सहयोग को सशक्त बनाने और ऊर्जा स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को उच्चस्तरीय वार्ता के लिए सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंचे।

रियाद में मौजूद भारतीय दूतावास ने मंगलवार को एक्स प्लेटफॉर्म पर इस दौरे से जुड़े अहम बिंदु का जिक्र किया। पोस्ट के साथ कुछ तस्वीरें भी साझा की गई। जिनमें देखा जा सकता है कि रियाद पहुंचने पर उनका स्वागत सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय में राजनीतिक मामलों के उपमंत्री डॉ. सऊद अल-साती और भारत में सऊदी अरब के राजदूत डॉ. सुहैल खान ने पूरी गर्मजोशी से किया।

दौरे के दौरान डोभाल ने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान, विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डॉ. मुसाएद अल-अइबान से अलग-अलग मुलाकात की।

बैठकों के दौरान भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने मौजूदा क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और आपसी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया।

सोनम वांगचुक मेदांता शिफ्ट, अनशन जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में मंगलवार शाम सफदरजंग अस्पताल से गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। वांगचुक पिछले 24 दिनों

सफदरजंग अस्पताल की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया कि सोनम वांगचुक को मंगलवार शाम 6:40 बजे अस्पताल से छुट्टी देकर मेदांता अस्पताल के चिकित्सकों की टीम को आगे के इलाज के लिए सौंप दिया गया। अस्पताल ने बताया कि डिस्चार्ज के समय उनके सभी वाइटल पैरामीटर स्थिर थे। हालांकि, बुलेटिन में कहा गया कि उन्हें अब भी पैनसाइटोपीनिया की समस्या है और उनके रक्त में सीरम पोटैशियम का स्तर 3.4 एमईक्यूएल दर्ज किया गया है। पैनसाइटोपीनिया ऐसी गंभीर चिकित्सीय स्थिति है, जिसमें अस्थि मज्जा (बोन मैरो) पर्याप्त मात्रा में लाल रक्त कोशिकाएं, श्वेत रक्त कोशिकाएं और प्लेटलेट्स नहीं बना पाती।

सिक्किम टनल हादसा: 10 मजदूरों की मौत, 17 फसे

एजेंसी ■ गंगटोक

सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए। कुछ बेहोश भी हो गए, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ।

बंगाल से स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई

जिला अधिकारी तमलिंग ने बताया कि दोपहर करीब 3:40 बजे प्रशासन को हादसे की खबर मिली। इसके बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

सुरंग में पटेल इंजीनियरिंग के 21 और एनएचपीसी के 6 समेत कुल 27 मजदूर फंसे होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल से भी गैस-रोधी उपकरणों के साथ एक स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई है।

एंबुलेंस को तैयार रखा गया है। बचाव दल गैस मास्क पहनकर मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

नए आपराधिक कानूनों से न्याय प्रक्रिया हुई तेज और पारदर्शी : गृह मंत्रालय

विश्व केसरी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि आपराधिक न्याय प्रणाली को आधुनिक बनाने और इसे तेज, सरल और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए पुराने कानूनों की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए), 2023 लागू किए गए।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि नए प्रावधानों ने मामलों का तेजी से और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया है, जिससे कानूनी प्रणाली में भरोसा बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गई है, ताकि सूचना दर्ज होने के दो महीने के भीतर जांच पूरी की जा सके। उन्होंने बताया कि मुकदमों की सुनवाई में अनावश्यक देरी रोकने के लिए अधिकतम दो बार ही स्थगन देने का प्रावधान किया गया है, जिससे समयबद्ध न्याय सुनिश्चित हो सके।

न्यायिक प्रक्रिया को अधिक तेज, प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए ई-साक्ष्य, ई-समन और न्याय-श्रुति (वीसी) जैसे डिजिटल अनुप्रयोग विकसित किए गए हैं।

जहां ई-साक्ष्य डिजिटल सबूतों को कानूनी, वैज्ञानिक और छेड़छाड़-रोधी तरीके से इकट्ठा करने, सुरक्षित रखने और इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा करने में मदद करता है। वहीं ई-समन समन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजने की सुविधा देता है, जिससे प्रक्रिया तेज, समय-सीमा के भीतर और आसानी से ट्रैक करने योग्य हो जाती है। न्याय-श्रुति (वीसी) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आरोपी व्यक्तियों, गवाहों, पुलिस अधिकारियों, सरकारी वकीलों, वैज्ञानिक विशेषज्ञों, कैदियों और अन्य संबंधित लोगों की वर्चुअल उपस्थिति की सुविधा देती है। मंत्री ने बताया कि ये खास बदलाव लॉ कमीशन और देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार का प्रस्ताव देने वाली विभिन्न समितियों की सिफारिशों के आधार पर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने भी अपनी 111वीं (2005), 128वीं (2006) और 146वीं (2010) रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि संबंधित कानूनों में टुकड़ों-टुकड़ों में बदलाव करने के बजाय संसद में कानून लाकर आपराधिक न्याय प्रणाली की व्यापक समीक्षा की जानी चाहिए। नए कानूनों से यह पक्का होता है कि जांच और मुकदमे के अहम चरण जैसे शुरुआती जांच, आगे की जांच, पीड़ित और आरोपी को दस्तावेज देना, फैसला सुनाना और दया याचिका दाखिल करना सुव्यवस्थित हों और तय समय-सीमा के भीतर पूरे हों। इन कानूनों को 25 दिसंबर, 2023 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। बीएनएस के कुछ हिस्सों को छोड़कर, इसके प्रावधान और बीएसए 1 जुलाई, 2024 से लागू हो गए। पुराने औपनिवेशिक दौर के कानूनों की जगह तकनीक-आधारित प्रक्रियाओं, तेज जांच, पीड़ित-केंद्रित व्यवस्थाओं और समयबद्ध न्याय को लाया गया है।

जीवन भर सीखते रहो, विकसित भारत के लिए नवाचार और सामाजिक सरोकार अपनाएं : राज्यपाल आनंदीबेन

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि जीवन भर सीखते रहना, समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाना और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। उन्होंने युवाओं से नई तकनीकों को अपनाने, नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ने तथा पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने वर्चुअल माध्यम से मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर कुल 22,315 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें 7,582 छात्र और 14,733 छात्राएं शामिल हैं। समारोह के दौरान सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली के लिए कुल 700 आंगनबाड़ी किट वितरित की गईं। साथ ही संबंधित जनपदों में कार्यरत पुलिसकर्मियों की बेटियों सहित 900 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण भी कराया गया।

आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि 'माई भारत' पोर्टल के माध्यम से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और समाज को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने नियमित योग, व्यायाम और संतुलित जीवनशैली अपनाने पर बल देते हुए टीबी मुक्त भारत अभियान, मासिक धर्म स्वच्छता और अन्य जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर, क्वांटम प्रौद्योगिकी, रक्षा और एयरोस्पेस जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में युवाओं को शोध, नवाचार और स्वदेशी तकनीक के विकास के माध्यम से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान देना चाहिए। उन्होंने हाल में युवाओं द्वारा अंतरिक्ष में स्थापित उपग्रह का उल्लेख करते हुए इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बताया।

उन्होंने मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय की सामाजिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का भी प्रभावी निर्वहन किया है। विश्वविद्यालय द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आंगनबाड़ी किट वितरण, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, रक्तदान, टीबी मुक्त भारत अभियान, नशा मुक्ति अभियान, महिला स्वास्थ्य जागरूकता, मासिक धर्म कप वितरण, वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन और जैव विविधता संरक्षण जैसे कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पहल पर प्रदेश में अब तक 67,643 आंगनबाड़ी किट वितरित की जा चुकी हैं। पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए राज्यपाल ने प्रत्येक नागरिक से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने, जल संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा स्वावलंबी बनने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगी करने वाले दो साइबर जालसाज गिरफ्तार

विश्व केसरी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की थाना साइबर क्राइम पुलिस ने बीमा पॉलिसी के नाम पर लोगों को झांसा देकर ठगी करने वाले एक साइबर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप, चार स्मार्टफोन और चार की-पैड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी खुद को नामी बीमा कंपनियों का एजेंट बताकर लोगों को अधिक मुनाफा और पॉलिसी से मिलने वाले आकर्षक लाभ का लालच देते थे। इसके बाद वे लोगों से अलग-अलग बहानों से पैसे अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। थाना साइबर क्राइम पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई को संकलित अभिसूचना और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई करते हुए नोएडा से दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमिरुद्दीन (34 वर्ष), पुत्र सिराजुद्दीन तथा मुशीर अंजुम (32 वर्ष), पुत्र नुरुल हसन के रूप में हुई है। दोनों आरोपी दिल्ली के शाहीन बाग क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी खुद को प्रतिष्ठित बीमा कंपनियों का अधिकृत एजेंट बताकर लोगों से संपर्क करते थे।

कुपवाड़ा पुलिस ने चरस और हेरोइन के साथ दो ड्रग तस्करों को पकड़ा, एफआईआर दर्ज

विश्व केसरी

श्रीनगर। ड्रग तस्करी के खिलाफ एक अहम कार्रवाई में कुपवाड़ा पुलिस ने मंगलवार को सोहीपोरा हयहामा में नाका चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध ड्रग तस्करों को पकड़ा। जांच के दौरान कुपवाड़ा पुलिस स्टेशन ने दो लोगों को रोका। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान गुलाम अहमद खान (65) और मोहम्मद इरफान खान (38) के तौर पर बताई। ये दोनों चलगुंड हयहामा कुपवाड़ा के रहने वाले हैं। तलाशी के दौरान पुलिस को उनके पास से लगभग 54.6 ग्राम चरस जैसा पदार्थ और 7.6 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ मिला। इसके बाद कुपवाड़ा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई और आगे की जांच चल रही है। इससे पहले, 13 जुलाई को भी जम्मू-कश्मीर की सांबा पुलिस ने ड्रग्स नेटवर्क के साथ अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं कारोबार पर करारा प्रहार करते हुए 20 ग्राम हेरोइन जैसा नशीले पदार्थ रखने के आरोप में एक महिला समेत दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने विजयपुर पुलिस स्टेशन के इलाके में एक महिला समेत दो अन्य ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से लगभग 20 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया था।

2026 में खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा 658 लाख हेक्टेयर के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा खरीफ सीजन में 17 जुलाई तक खरीफ फसलों की कुल बुवाई का रकबा 658.19 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 700.47 लाख हेक्टेयर था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अब तक धान की बुवाई 166.41 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 167.83 लाख हेक्टेयर थी। बुवाई क्षेत्र में आई इस कमी का मुख्य कारण इस वर्ष एल नीनो मौसमीय प्रभाव के कारण कमजोर मानसून को माना गया है।

इसी तरह, उड़द और मूंग जैसी दलहनी फसलों का बुवाई क्षेत्र भी घटकर 69.23 लाख हेक्टेयर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 81.52 लाख हेक्टेयर था।

ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाज (श्री अन्न/मिलेट्स) का बुवाई क्षेत्र भी मौजूदा सीजन में अब तक 98.69 लाख हेक्टेयर आंका गया है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के 127.30 लाख हेक्टेयर से कम है। पहले बोई जाने वाली वार्षिक फसल गन्ने का रकबा इस वर्ष अब तक 119.03 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 134.09 लाख हेक्टेयर था। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके।

खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में यह वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में की गई उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना निर्धारित करने की बात कही गई थी।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के पास घायल फिशिंग कैट को बचाया गया

विश्व केसरी

पटना। बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में मंगलवार को बगहा-नरकटियागंज रेल सेक्शन पर एक दुर्लभ फिशिंग कैट को सुरक्षित बचाया गया। इस घटना की वजह से कुछ समय के लिए ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ और वन विभाग तथा रेलवे अधिकारियों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया।

यह जानवर मुख्य तिरहुत नहर के पास बगहा और खैरपोखरा रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे पुल नंबर 349 पर देखा गया। शुरू में ग्रामीणों को लगा कि यह तेंदुए का बच्चा है, जिससे इलाके में चिंता फैल गई।

सूचना मिलने पर रेलवे अधिकारियों ने वन विभाग को सूचित किया। बगहा स्टेशन अधीक्षक संतोष पांडे ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान रेलवे अधिकारियों ने तुरंत निर्देश जारी किए कि ट्रेनें धीमी गति से चलें या जरूरत पड़ने पर रुक जाएं। पटरी से जानवर को सुरक्षित हटाए जाने के बाद ट्रेन सेवाएं सामान्य रूप से बहाल हो गईं। रेलवे पुलिस की मदद से बगहा वन रेंज की एक बचाव टीम मौके पर पहुंची और जानवर को घेरकर एक बड़े जाल की मदद से सावधानीपूर्वक पकड़ लिया।

बगहा वन रेंज अधिकारी के अनुसार, बचाई गई फिशिंग कैट घायल थी, संभवतः किसी गुजरती हुई ट्रेन की चपेट में आने से उसे चोट लगी थी। अधिकारी ने बताया कि जानवर की पीठ के निचले हिस्से में चोट लग गई थी, जिससे उसे चलने-फिरने में कठिनाई हो रही थी। बचाव के बाद, फिशिंग कैट को बगहा वन रेंज केंद्र ले जाया गया, जहां पशु चिकित्सक संजीव कुमार की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

किसानों की दो मांगों पर मिला सकारात्मक आश्वासनः सरवन सिंह पंढेर

विश्व केसरी

चंडीगढ़। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि हमें हरियाणा के एक मंत्री की ओर से यह आश्वासन दिया गया है कि वो आगामी दिनों में हमारी बातचीत केंद्रीय कृषि मंत्री से कराएंगे। 8-10 दिन के अंदर आपको इस संबंध में पत्र सौंपा जाएगा, जिसके बाद आपके लिए संवाद का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आगामी दिनों में होने वाली बातचीत में यह फैसला लिया जाएगा कि क्या कदम उठाने होंगे। इस संबंध में जो भी फैसले किए जाएंगे, उसके बारे में आपको जल्द ही सूचित कर दिया जाएगा।

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर के मुताबिक, हमने किसानों की रिहाई का मुद्दा भी उठाया है। अधिकारियों ने कहा कि इस संबंध में जल्द ही सीएम से बातचीत का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा, जिसमें प्रमुखता से किसानों की रिहाई का मुद्दा उठाया जाएगा। कुल मिलाकर, हमारी प्रमुख रूप से दो मांगें थीं। एक केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से संवाद और दूसरा किसानों की रिहाई की जाए। इन दोनों ही मुद्दों को लेकर शीर्ष नेतृत्व की ओर से सकारात्मक रुख का परिचय दिया गया है। इससे हमारी उम्मीदें बढ़ी हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि आगामी दिनों में जल्द ही बड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब सरकार की ओर से गुरनाम सिंह और डीएम सिंह को रिहा किया जाएगा। उसके बाद आगे क्या फैसला करना है, उस बारे में विस्तारपूर्वक रूपरेखा तैयार करके उसे जमीन पर उतारने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

10 लाख रुपए की स्मैक के साथ 19 वर्षीय युवती गिरफ्तार

विश्व केसरी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना फेस-1 पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 280 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक युवती को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस ने आरोपी युवती के कब्जे से स्मैक की बिक्री से प्राप्त 4,200 रुपए नकद भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 20 जुलाई को लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। थाना फेस-1 पुलिस टीम ने सेक्टर-8 क्षेत्र में घेराबंदी कर अफसाना उर्फ बेबी नामक युवती को गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार युवती पहले से वांछित चल रही आरोपी नूरी की भतीजी है और उसी के निर्देश पर नशे के कारोबार में शामिल होकर स्मैक की सप्लाई और बिक्री कर रही थी। पूछताछ के दौरान अफसाना उर्फ बेबी ने पुलिस को बताया कि उसकी बुआ नूरी उसे स्मैक उपलब्ध कराती थी। वह स्मैक की छोटी-छोटी पुड़ियां तैयार कर नोएडा के झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों और फैक्ट्री एरिया में जाकर बेचती थी। पुलिस का मानना है कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध धंधे में सक्रिय थी और स्थानीय स्तर पर नशे की सप्लाई का काम कर रही थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अफसाना उर्फ बेबी पुत्री सिकंदर, निवासी जेजे कॉलोनी, सेक्टर-9, थाना फेस-1, गौतमबुद्ध नगर के रूप में हुई है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव ने अनंतनाग स्थित उमा भगवती मंदिर में प्रतिष्ठान दिवस समारोह में लिया हिस्सा

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने मंगलवार को अनंतनाग जिले के शांगुस स्थित उमानगरी में माता उमा भगवती मंदिर का दौरा किया। उन्होंने यहां मूर्ति प्रतिष्ठान दिवस समारोह में भाग लिया, जो उमा भगवती अस्थापन ट्रस्ट द्वारा आयोजित दो दिवसीय यज्ञ और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के साथ श्रद्धा और भक्ति के माहौल में मनाया जा रहा है।

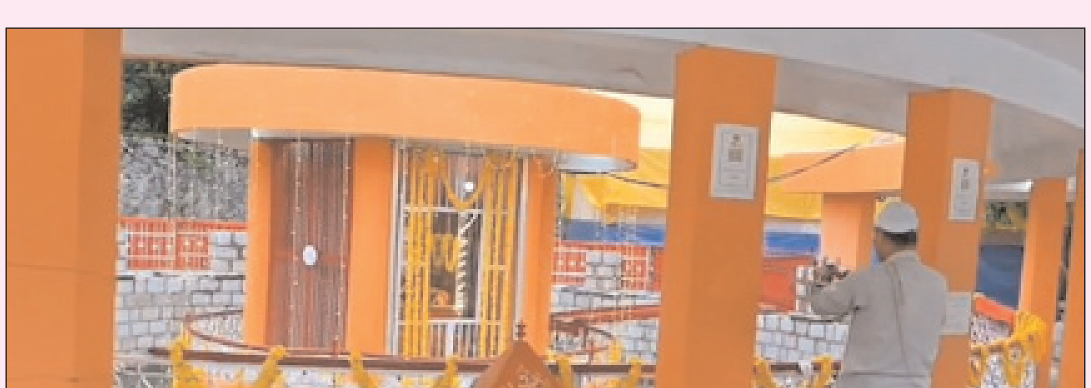

मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए मुख्य सचिव ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और जम्मू-कश्मीर के लोगों की शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए माता का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने 'कलश पूजा' और मूर्ति प्रतिष्ठान दिवस के अवसर पर आयोजित अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया। इस अवसर पर अनंतनाग के उपायुक्त (डीसी) डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ट्रस्ट के सदस्य भी मौजूद रहे। मंदिर में चल रहे विरासत संरक्षण कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व वाले ऐसे स्थलों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मंदिर के लिए चल रही विकास परियोजना में अतिरिक्त कार्यों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और मंदिर की पवित्रता को समग्र रूप से सुरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर उमा भगवती अस्थापन ट्रस्ट ने समारोह में शामिल होने और मंदिर के संरक्षण एवं विकास के लिए निरंतर सहयोग का आश्वासन देने पर मुख्य सचिव का आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट ने धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने में अनंतनाग के उपायुक्त की सक्रिय भूमिका की भी सराहना की।

उमा भगवती मंदिर अनंतनाग का एक प्राचीन हिंदू मंदिर है, जिसकी विशेषता यहां मौजूद पांच प्राकृतिक जल स्रोत (झरने) हैं। यह मंदिर जुलाई 2024 में 34 वर्षों तक बंद रहने के बाद फिर से श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था।

यह मंदिर कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। कश्मीरी पंडित समुदाय घाटी में अपने पैतृक धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार और संरक्षण का कार्य शांतिपूर्वक आगे बढ़ा रहा है। पुनर्वास की बजाय समुदाय फिलहाल मंदिरों और धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार पर ध्यान दे रहा है।

नसीम सिद्दीकी ने सीजेपी के प्रदर्शन को ठहराया जायज, बोले-युवाओं की आवाज दबाने की हो रही कोशिश

विश्व केसरी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के नेता नसीम सिद्दीकी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन को जायज बताया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है।

नसीम सिद्दीकी ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि दिल्ली में सीजेपी की मांगें बिल्कुल जायज और संवैधानिक है। प्रदर्शनकारी संविधान में दिए गए अधिकारों के अनुरूप काम कर रहे हैं, लेकिन यह सरकार उनका दमन कर रही है। सरकार युवाओं की आवाज को दबाना चाहती है। मेरा मानना है कि यह इस सरकार के जाने की शुरुआत का ट्रेलर है। जल्द ही छात्रों का यह आंदोलन देशव्यापी होगा।

उन्होंने कहा कि यह नेपाल और बांग्लादेश जैसे आंदोलन की कड़ी है। जेन-जी जब सड़कों पर उतरता है तो देश की सत्ता हिल जाती है। इस समय मोदी सरकार बहुत डरी हुई है। सरकार के गिरने का इंतजार करना चाहिए। देश का युवा परिवर्तन करने के बाद ही चुप बैठेगा।

मुख्य सचिव विकासशील ने सचिवों की ली उच्च स्तरीय बैठक, योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के समस्त विभागों के भार सादक सचिवों की बैठक ली। बैठक में विभागों के महत्वपूर्ण कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा है कि सेवा निवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विभिन्न प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया दो वर्ष से ही प्रारंभ कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सेवा निवृत्त होने वाले अधिकारी कर्मचारियों की सूची विभागावार अद्यतन कर ली जाए।

मुख्य सचिव ने विभागीय सचिवों को उनके विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है। बैठक में ई-ऑफिस, आधार बेस अटेंडेंस, लोक सेवा गारंटी, सूचना के अधिकार, सुघ्घर छत्तीसगढ़, नियद नेल्लानार योजना, पीएम प्रगति पोर्टल, ई-प्रगति, डी रेगुलेशन ई-गजट, सेवा सेतु, ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं, पीएम सूर्य घर बिजली सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश

दिए कि आई-गॉट के तहत विभागवार चिन्हित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग की जाये। अधिकारी-कर्मचारियों को आई-गॉट के तहत विभाग की आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण दिलाने कहा है। मुख्य सचिव ने कहा है कि सभी विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं को ऑनलाइन किया जाए।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, विधि एवं विधायी विभाग की प्रमुख सचिव सुषमा सावंत, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमख सचिव शहला निगार, मुख्यमंत्री एवं खनिज विभाग के सचिव पी.दयानंद, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, ऊर्जा विभाग के सचिव सारांश मित्तर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, सामान्य प्रशासन एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, परिवहन विभाग के सचिव एस.प्रकाश, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव सुआर.शंगीता, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के सचिव बसवराजु एस., राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव भुवनेश यादव, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के संयुक्त सचिव मयंक अग्रवाल सहित राज्य शासन के अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव व मंत्री रजवाड़े के पर्सनल स्टाफ में हुआ प्रशासनिक बदलाव

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने दो मंत्रियों की निजी स्थापना (पर्सनल स्टाफ) में महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने अलग-अलग आदेश जारी कर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और उप मुख्यमंत्री अरुण साव की टीम में नए अधिकारियों की पदस्थापना की है। इनमें एक नियुक्ति को विशेष प्रकरण मानते हुए पात्रता संबंधी शर्तों में भी छूट दी गई है, जिससे यह फैसला प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग में संयुक्त संचालक तथा वर्तमान में बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सचिव के रूप में कार्यरत प्रतीक खरे की सेवाएं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की निजी स्थापना के लिए ली गई हैं। उन्हें अस्थायी रूप से विशेष सहायक के पद पर पदस्थ किया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, मंत्री कार्यालय के कामकाज को अधिक प्रभावी और समन्वित बनाने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है। प्रतीक खरे

की नियुक्ति से जुड़ा आदेश इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि इसमें पात्रता संबंधी शर्तों को शिथिल करते हुए इसे विशेष प्रकरण के रूप में स्वीकृति दी गई है। सामान्य तौर पर निजी स्थापना में नियुक्तियों के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है, लेकिन इस मामले में विशेष अनुमति दिए जाने से प्रशासनिक हलकों में इसकी चर्चा हो रही है।

साय सरकार ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव के कार्यालय में भी नई पदस्थापना की है। जल संसाधन विभाग में कार्यरत सहायक अनुभाग अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ध्रुव को उनकी निजी स्थापना में सहायक ग्रेड-3 के पद के विरुद्ध अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है। अरुण साव के पास लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी है। ऐसे में उनकी निजी स्थापना में किया गया यह बदलाव प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि मंत्रियों के निजी स्टाफ में अनुभवी अधिकारियों की नियुक्ति से विभागीय समन्वय, फाइलों के निपटारे और योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है। विशेष रूप से बड़े विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे मंत्रियों के कार्यालयों में दक्ष अधिकारियों की तैनाती को प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

आयोग की ठोस मॉनिटरिंग और एसजेपीयू (पुलिस) की मेहनत से सकुशल लौटी 12 वर्षीय बालिका

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा की त्वरित पहल और लगातार मॉनिटरिंग के बाद बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र से लापता 12 वर्षीय बालिका को एसजेपीयू पुलिस ने सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

मामले में बिलासपुर पुलिस द्वारा आयोग को विस्तृत प्रतिवेदन भी भेजा गया है। गौरतलब है कि 3 जुलाई की सुबह बालिका की मां ने आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा से दूरभाष पर संपर्क कर अपनी 12 वर्षीय पुत्री के 27 जून से लापता होने की जानकारी दी थी। उन्होंने आशंका जताई थी कि बच्ची किसी असुरक्षित स्थिति में हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. वर्णिका शर्मा ने

तत्काल विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रश्मिता कौर से चर्चा कर जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद डॉ. वर्णिका शर्मा स्वयं 5 जुलाई को बिलासपुर पहुंचीं और सिरगिट्टी थाना में बालिका के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें भरोसा दिलाया था। उन्होंने पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक कर जांच की प्रगति और आगे की रणनीति पर चर्चा की। आयोग की पहल के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर संभावित स्थानों पर तकनीकी एवं मैदानी जांच तेज की।

पुलिस की सतत कार्रवाई के परिणामस्वरूप बालिका को 9 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से सकुशल दस्तयाब किया गया। महिला पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में बालिका का कथन दर्ज किया गया, जिसमें उसने बताया कि उसके साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई।

शिक्षा विभाग में सहायक ग्रेड-1 से भृत्य तक के कर्मचारियों का तबादला

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक आधार पर कर्मचारियों के तबादले किए हैं। विभाग द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों के तहत सहायक ग्रेड-1, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3 और भृत्य वर्ग के कर्मचारियों को नई पदस्थापना दी गई है। सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से प्रभावी होंगे। जारी आदेशों में विनीत डेविड (सहायक ग्रेड-1), उर्मिला त्रिपाठी, ऋतुराज कौशिक, अविनाश चंद्राकर, तोषण दास माणिकपुरी, घनश्याम पटेल, कमलेश कुमार साहू, तोमन लाल माहले, नीलकंठ साहू, रामायण लाल सेन, नेहा गंगवार, वासुदेव बंजारे तथा चाणक्य विश्वकर्मा (भृत्य) सहित अन्य कर्मचारियों के नाम शामिल हैं, जिन्हें नई पदस्थापना दी गई है। आदेश के अनुसार संबंधित कर्मचारियों को तत्काल नई पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा।

स्कूली बच्चों तक संदिग्ध दवाइयां पहुंचने की घटना की निष्पक्ष जांच हो : धीरज बाकलीवाल

विश्व केसरी

रायपुर। चंद्रशेखर आज़ाद स्कूल में विद्यार्थियों के कथित रूप से संदिग्ध दवाइयों/नशीले पदार्थ के संपर्क में आने से तबीयत बिगड़ने की घटना को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर ने जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से गंजपारा होते हुए कोतवाली थाना तक पैदल मार्च निकाला तथा पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच की मांग की।

इस अवसर पर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि हाल ही में 6-7 स्कूली विद्यार्थियों के एक साथ बीमार पड़ने की घटना ने पूरे शहर के अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र होता है, ऐसे में यदि किसी भी प्रकार की दवा या नशीला पदार्थ विद्यार्थियों तक पहुंचता है तो यह अत्यंत गंभीर विषय है और

इसकी हर पहलू से गहन जांच होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार संबंधित छात्र के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एम.आर.) भाई ने पुलिस के समक्ष यह जानकारी दी है कि वह अवसाद (डिप्रेशन) से पीड़ित है तथा चिकित्सकीय सलाह पर एंटी-साइकोटिक दवाइयों का सेवन करता है। उसका यह भी कहना है कि संबंधित दवा उसका छोटा भाई अनजाने में घर से स्कूल ले गया था। यदि ऐसा है तो इसकी वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। धीरज बाकलीवाल ने कहा कि प्रशासन केवल प्रारंभिक बयानों के आधार पर मामले का निष्कर्ष न निकाले। यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित दवा विद्यालय तक कैसे पहुंची, अन्य विद्यार्थियों तक किस परिस्थिति में पहुंची तथा कहीं इस पूरे घटनाक्रम में किसी प्रकार की लापरवाही या आपराधिक संलिप्तता तो नहीं है। यदि किसी भी स्तर पर दोष या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि जिले के सभी स्कूलों एवं उनके आसपास नियमित रूप से विशेष जांच अभियान चलाया जाए। साथ ही विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों एवं पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को नशे एवं प्रतिबंधित दवाइयों के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। बाकलीवाल ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी सरकार और प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। जिला कांग्रेस कमेटी इस विषय पर किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं करेगी। यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

राज्यपाल को प्रमुख लोकायुक्त ने सौंपा आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन

विश्व केसरी

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से मंगलवार को लोकभवन में प्रमुख लोकायुक्त इंदर सिंह उबोवेजा ने भेंट की।

उन्होंने राज्यपाल को छत्तीसगढ़ लोक आयोग के गतिविधियों की जानकारी दी और आयोग का वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ लोक आयोग के सचिव दीपक अग्रवाल, उप सचिव चित्रलेखा सोनवानी, कानूनी सलाहकार अजीत कुमार राजभानु एवं आयोग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लंबित परीक्षा शुल्क रिफंड वाले अभ्यर्थियों के लिए सीजी व्यापमं ने जारी किया नया ऑनलाइन लिंक

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल ने परीक्षा शुल्क रिफंड का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। जिन उम्मीदवारों की फीस तकनीकी कारणों से वापस नहीं हो सकी थी, उनके लिए प्रोफाइल में नया ऑनलाइन लिंक उपलब्ध कराया गया है। इस लिंक के माध्यम से अभ्यर्थी अपने बैंक खाते की सही जानकारी अपडेट कर सकते हैं। बैंक विवरण का सत्यापन होने के बाद लंबित रिफंड राशि संबंधित खाते में भेजी जाएगी। मंडल ने अभ्यर्थियों से जल्द से जल्द अपनी जानकारी अपडेट करने की अपील की है।

मंडल की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, परीक्षा शुल्क ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के माध्यम से लिया जाता है और रिफंड भी उसी प्रक्रिया से किया जाता है।

हालांकि, कई अभ्यर्थियों के मामलों में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की समय-सीमा समाप्त होने या बैंक संबंधी तकनीकी कारणों के चलते राशि उनके खातों तक नहीं पहुंच पाई। इसी समस्या को दूर करने के लिए अभ्यर्थियों के प्रोफाइल में बैंक विवरण अपडेट करने का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। जिन अभ्यर्थियों को अभी तक आवेदन शुल्क वापस नहीं मिला है, वे सीजी व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगिन कर अपने प्रोफाइल में उपलब्ध नए लिंक का उपयोग कर सकते हैं। यहां उन्हें अपना बैंक खाता नंबर, आईएफएससी कोड और अन्य आवश्यक जानकारियां सही-सही दर्ज करनी होंगी। मंडल का कहना है कि बैंक विवरण का सत्यापन होने के बाद संबंधित खाते में रिफंड राशि भेज दी जाएगी।

सीजी व्यापम ने अभ्यर्थियों को यह भी सलाह दी है कि यदि उन्होंने आवेदन किसी साइबर कैफे के माध्यम से किया है और भुगतान कैफे संचालक के बैंक खाते या यूपीआई से किया गया है, तो रिफंड की राशि भी उसी खाते में ट्रांसफर हो सकती है। ऐसे में अभ्यर्थियों को अपने बैंक विवरण अपडेट करते समय विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर रेलवे अधिकारियों की बैठक

विश्व केसरी

रायपुर। 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट मयंक सोनी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इसमें रायपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे पोस्ट प्रभारियों ने भाग लिया।

विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट मयंक सोनी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेलवे अधिनियम के अंतर्गत समझौतायोग्य प्रकरणों का अधिक से अधिक चिन्हांकन किया जाए और उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत में निराकरण हेतु प्रस्तुत किया जाए। इससे अधिक से अधिक पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय का लाभ मिल सकेगा। बैठक में जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) अधिनियम के अंतर्गत संशोधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पात्र प्रकरणों का समयबद्ध परीक्षण कर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उनके अधिकतम निराकरण का प्रयास सुनिश्चित करें। सोनी ने सभी पोस्ट प्रभारियों से समन्वित एवं सक्रिय प्रयास करने का आह्वान किया, ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके और आम नागरिकों को त्वरित, सुलभ एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराया जा सके।

अष्टान्हिका महापर्व देव-शास्त्र-गुरु की आराधना से गूंजा बड़ा मंदिर

विश्व केसरी

रायपुर। आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी के पावन अवसर पर मंगलवार को अष्टान्हिका महापर्व का हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ हुआ। इस पुनीत अवसर पर प्रात: 8 बजे बड़ा मंदिर में मूलनायक भगवान के समक्ष श्रीजी का अभिषेक और भव्य शांतिधारा का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उमंग और भक्ति-भाव के साथ सहभागिता की। मंत्रोच्चार और शांतिधारा का सौभाग्य मुनि आगम सागर महाराज के पावन सानिध्य एवं उनके मुखारविंद से शांतिधारा कर्ता परिवार के नाम का मंगल उच्चारण किया गया।

अष्टान्हिका पर्व के प्रथम दिन यह भव्य शांतिधारा करने का सौभाग्य विजय कुमार नायक, अजय कुमार नायक एवं संजय कुमार नायक जैन परिवार को प्राप्त हुआ। संतों की आहारचर्या व पुण्यार्जक परिवार कार्यक्रम के

पश्चात् नगर में विराजमान संतों को नवधा भक्ति पूर्वक आहार कराने का सौभाग्य विभिन्न परिवारों और मंडलों को प्राप्त हुआ। मुनि आगम सागर महाराज को आहार देने का सौभाग्य बंशीलाल जैन परिवार, मुनि पुनीत सागर महाराज को आहार देने का सौभाग्य आदिनाथ महिला मंडल, धैर्य सागर महाराज को आहार देने का सौभाग्य अनुराग जैन परिवार तथा स्वागत सागर महाराज को आहार देने का सौभाग्य विजय नायक, अजय नायक, संजय नायक जैन परिवार को प्राप्त हुआ। आहारचर्या और अनुष्ठानों के पश्चात आयोजित धर्मसभा में मुनिराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए 'सम्यक् दर्शन, सच्ची श्रद्धा और आहारदान के महात्म्य' पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुनि आगम सागर ने कहा कि जिनेंद्र भगवान और देव-शास्त्र-गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा ही सम्यक दर्शन है। श्रद्धा में कमी होने पर साधक को उसका पूरा फल नहीं मिलता, किंतु पूर्ण श्रद्धा होने पर मोक्ष और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। जिनेंद्र भगवान के प्रति सच्ची आस्था रखने वाला व्यक्ति मर्यादा का पालन करता है, सूर्योदय के बाद (दिन में) भोजन करता है और प्रतिदिन भगवान की पूजन-आराधना करता है।मुनिश्री ने बताया कि जो भक्त दरबार में किसी लालच या कामना के साथ आता है, उसे उसकी मांग के अनुसार मिलता है; किंतु जो बिना किसी स्वार्थ और याचना के केवल सच्ची भक्ति भाव से आता है, उसे उसकी कल्पना से भी कई गुना अधिक प्राप्त होता है।

महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर और मेनोपॉज के बारे में मिली जानकारी

विश्व केसरी

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की 'जय हरितिमा महिला समिति के तत्वावधान में विगत दिवस कृषि विज्ञान केंद्र, रायपुर के सभागार में 'महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता 'डॉ. शुचिता गौर', एम.डी. (माइक्रोबायोलॉजी), सीनियर रेजिडेंट, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर थीं। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर सरल एवं

वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। अपने व्याख्यान में उन्होंने 'पॉलीसिस्टिक ओवरी डिजीज , रजोनिवृत्ति, सर्वाइकल कैंसर, UTI तथा ''स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व'' पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं जागरूकता को महिलाओं के उत्तम स्वास्थ्य की आधारशिला बताया। कार्यक्रम का 'ड्रेस कोड नीला' रखा गया था। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में डॉ. सुनीता रॉय ने प्रथम तथा क्षमा अग्रवाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही आयोजित मनोरंजक खेल में ''समिति की अध्यक्षा ममता चंदेल'' एवं डॉ. सुनीता रॉय विजेता रहीं, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आनंदमय एवं उत्साहपूर्ण बन गया।

संपादकीय

जब तिरंगा बना भारत की पहचान

महेन्द्र तिवारी

राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस भारतीय इतिहास का एक ऐसा गौरवपूर्ण अवसर है, जो हमें स्वतंत्रता संग्राम की महान विरासत, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की याद दिलाता है। प्रत्येक वर्ष 22 जुलाई को मनाया जाने वाला यह दिवस उस ऐतिहासिक निर्णय का स्मरण कराता है, जब 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने भारत के वर्तमान तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में औपचारिक रूप से स्वीकार किया। यह निर्णय केवल एक ध्वज के चयन तक सीमित नहीं था, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र की सामूहिक चेतना, आत्मसम्मान और भविष्य की दिशा का उद्घोष था, जो सदियों की दासता के बाद स्वतंत्रता की दहलीज पर खड़ा था। इस अवसर पर संविधान सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इसके साथ ही भारत को ऐसा राष्ट्रीय प्रतीक मिला, जो आज भी करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं और राष्ट्रीय गौरव का प्रतिनिधित्व करता है।

किसी भी राष्ट्र का ध्वज केवल रंगों से बना हुआ वस्त्र नहीं होता। वह उस देश के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष, मूल्यों और भविष्य की आकांक्षाओं का जीवंत प्रतीक होता है। जब कोई नागरिक अपने राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक देखता है, तो उसके मन में स्वाभाविक रूप से अपने देश के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण का भाव जागृत होता है। भारत का तिरंगा भी इसी भावना का प्रतीक है। यह हमें बताता है कि हमारी पहचान केवल किसी क्षेत्र, भाषा, जाति या धर्म से नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्र के नागरिक होने से है।

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तीन समान क्षैतिज पट्टियों से बना है। सबसे ऊपर गहरा केसरिया रंग है, जो साहस, त्याग और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक माना जाता है। मध्य में सफेद रंग है, जो सत्य, शांति और पारदर्शिता का संदेश देता है। सबसे नीचे हरा रंग है, जो समृद्धि, प्रकृति, कृषि, विकास और जीवन की निरंतरता का प्रतीक है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र अंकित है, जिसमें चौबीस तीलियां हैं। यह चक्र सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ के धर्मचक्र से प्रेरित है। अशोक चक्र निरंतर गति, न्याय, धर्म, कर्तव्य और प्रगतिशील जीवन का संदेश देता है। इसका अर्थ यह है कि कोई भी राष्ट्र तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह निरंतर कर्म, नैतिकता और विकास के मार्ग पर चलता रहे।

तिरंगे का वर्तमान स्वरूप एक लंबी ऐतिहासिक यात्रा का परिणाम है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अनेक प्रकार के राष्ट्रीय ध्वज प्रस्तावित किए गए। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में कई क्रांतिकारियों और राष्ट्रवादियों ने ऐसे ध्वज तैयार किए, जो भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा को व्यक्त करते थे। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने महात्मा गांधी के समक्ष एक ध्वज का प्रारूप प्रस्तुत किया। समय के साथ उसमें परिवर्तन हुए। वर्ष 1931 में कांग्रेस ने एक तिरंगे ध्वज को स्वीकार किया, जिसमें मध्य में चरखा था। यही ध्वज आगे चलकर स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज का आधार बना। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने निर्णय लिया कि चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को स्थान दिया जाएगा, जिससे ध्वज राष्ट्रीय और सार्वभौमिक मूल्यों का अधिक व्यापक प्रतिनिधित्व कर सके।

राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण का निर्णय ऐसे समय लिया गया, जब भारत स्वतंत्रता प्राप्ति से कुछ ही सप्ताह दूर था। देश विभाजन की पीड़ा, सांप्रदायिक तनाव और अनिश्चित भविष्य जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा था। ऐसे समय में एक ऐसा राष्ट्रीय प्रतीक आवश्यक था, जो पूरे देश को एक सूत्र में बांध सके। तिरंगा इसी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनकर सामने आया। इसने भारतवासियों को यह विश्वास दिलाया कि विविधताओं से भरे इस विशाल देश की आत्मा एक है और उसका भविष्य भी साझा है।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। यहां सैकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं, अनेक धर्मों का पालन किया जाता है, अलग-अलग परंपराएं, पहनावे, भोजन और जीवन शैली देखने को मिलती हैं। फिर भी जब राष्ट्रीय ध्वज लहराता है, तब यह सभी भेदभाव स्वतः गौण हो जाते हैं। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हम सबसे पहले भारतीय हैं। यही भावना भारत की लोकतांत्रिक शक्ति और राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी आधारशिला है।

जब भी किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय खिलाड़ी पदक जीतते हैं और तिरंगा ऊंचा उठता है, तब करोड़ों भारतीयों की आंखें गर्व से भर जाती हैं। चाहे ओलंपिक हो, विश्व कप हो, अंतरिक्ष अभियान हो, वैज्ञानिक उपलब्धियां हों या वैश्विक मंचों पर भारत की सफलता, हर उपलब्धि के साथ तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की उपलब्धि का प्रतीक बन जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक भारतीय अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ महसूस करता है।

भारतीय सशस्त्र बलों के लिए तिरंगे का महत्व और भी अधिक है। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक इसी ध्वज की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। अनेक वीर सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया, लेकिन तिरंगे की शान को कभी झुकने नहीं दिया। जब किसी शहीद का पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर अपने घर पहुंचता है, तब वह दृश्य पूरे राष्ट्र को भावुक कर देता है।

लोकतांत्रिक आंदोलन बनाम अराजकता

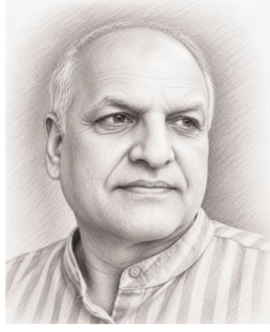
गिरीश पंकज

किसी भी जीवंत लोकतंत्र की आत्मा उसकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की शक्ति में निहित होती है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह नीतियों, व्यवस्थागत कमियों या प्रशासनिक विफलताओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर सके। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी 'नीट' जैसी बड़ी और देश के लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी परीक्षा में कथित अनियमितताओं या गड़बड़ियों पर देशव्यापी आक्रोश स्वाभाविक भी है और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से आवश्यक भी। यदि व्यवस्था में त्रुटि है, तो उस पर सवाल उठना, सुधार की मांग करना और जिम्मेदार मंत्रियों या अधिकारियों की जवाबदेही तय करना नागरिक सजगता का प्रमाण है। परंतु, समस्या तब उत्पन्न होती है जब असहमति की इस पवित्र भावना और न्याय की जायज मांग को कुछ अराजक तत्व अपने संकीर्ण राजनीतिक अथवा देश-विरोधी एजेंडे के लिए एक ढाल की तरह उपयोग करने लगते हैं। हाल के दिनों में विभिन्न आंदोलनों की आड़ में जो दृश्य, शब्दावली और हिंसक प्रवृत्तियां देखने को मिली हैं, वे न केवल चिंताजनक हैं बल्कि इस बात पर गंभीर चिंतन की मांग करती हैं कि 'विरोध के अधिकार' और 'अराजकता' के बीच की बारीक रेखा है, वह कहीं पूरी तरह मिट तो नहीं रही है। जैसे कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर मंतर का आंदोलन देखते-ही-देखते कितना अराजक और हिंसक हो गया।

?किसी भी विमर्श की गुणवत्ता उसमें प्रयोग की जाने वाली भाषा से तय होती है। जंतर मंतर के मंच से यह पूछा जाए कि 'भारत माता का बाप कौन है?' तो यह केवल एक अनर्गल बयान नहीं रह जाता, बल्कि यह उस देश की अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान पर एक सीधा और आघातकारी प्रहार है जिसने सदियों से अपनी भूमि को माता मानकर शीश नवाया है। 'भारत माता' कोई भौगोलिक सीमा मात्र नहीं है; यह इस देश के सामूहिक गौरव, इतिहास और करोड़ों नागरिकों की आस्था का प्रतीक है। ऐसी ओछी शब्दावली का प्रयोग राष्ट्र के प्रति किसी प्रेम या संवेदनशीलता को नहीं, बल्कि एक गहरे वैचारिक दिवालियापन और द्वेष को दर्शाता है।

?इसी प्रकार, भारत के सांस्कृतिक नायकों और प्रतीकों को नीचा दिखाने का प्रयास भी इसी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को मात्र 'सीता का पति' कहकर एक संकुचित दायरे में समेटने की कोशिश, उस गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को कमजोर करने का प्रयास है जो इस देश को एक सूत्र में पिरोता है। यह भाषा किसी परीक्षा सुधार या छात्रों के न्याय की लड़ाई से मेल नहीं खाती। यह शब्दावली यह संकेत देती है कि आंदोलन का मंच अब वास्तविक पीड़ितों के हाथ से निकलकर उन तत्वों के हाथ में जा चुका है जिनका उद्देश्य व्यवस्था सुधार नहीं, बल्कि देश के सांस्कृतिक ढाँचे को विखंडित करना है।

?जब आंदोलनों के मंचों से यह धमकी दी जाए कि 'भारत को नेपाल बना देंगे' या 'संसद में घुसकर प्रधानमंत्री को पीटेंगे', तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे से बहुत बाहर निकलकर देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए एक सीधी चुनौती बन जाती है। देश के प्रधानमंत्री किसी दल विशेष के नेता होने के साथ-साथ लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के प्रधान और राष्ट्र के प्रतिनिधि होते हैं। उनके खिलाफ ऐसी हिंसक भाषा का प्रयोग संसद, संविधान और उस जनता के विवेक का अपमान है जिसने उन्हें चुनकर भेजा है। भारत एक संप्रभु राष्ट्र है जिसकी अपनी एक अनूठी पहचान, विशालता और संवैधानिक गरिमा है। किसी अन्य देश की राजनीतिक उथल-पुथल की तर्ज पर भारत को बदलने की बात करना यह दिखाता है कि इन तत्वों को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर रत्ती भर भी भरोसा नहीं है। ?यह मानसिकता अंततः धरातल पर हिंसा के रूप में प्रकट होती है। पुलिस पर पथराव करना, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों जैसे कारों, ट्रेनों पर पथराव, बसों को तोड़ना-फोड़ना और आगजनी करना किसी भी तरह से 'रचनात्मक' या 'शांतिपूर्ण' आंदोलन का हिस्सा नहीं हो सकता। पुलिस बल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात होता है; उन पर हमला करना सीधे तौर पर राज्य की सत्ता और कानून को चुनौती देना है। जब टैक्सपेयर्स के पैसे से बनी सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट किया जाता है, तो नुकसान सरकार का नहीं बल्कि उस आम नागरिक का होता है जिसके अधिकारों की रक्षा का दावा यह आंदोलनकारी करते हैं।

नीट परीक्षा का मुद्दा पूरी तरह से छात्रों के भविष्य, पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था की शुचिता से जुड़ा हुआ है। जिन छात्रों ने दिन-रात एक करके पढ़ाई की, उनका आक्रोश और हताशा पूरी तरह से जायज है। वे चाहते हैं कि निष्पक्ष जांच हो, दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले और भविष्य में ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति न हो। ?परंतु, जब इस आंदोलन में देश-विरोधी नारे, हिंसक गतिविधियां और सांप्रदायिक या सांस्कृतिक आक्षेप शामिल हो जाते हैं, तो मूल मुद्दा पूरी तरह से पृष्ठभूमि में चला जाता है।

जब मीडिया और समाज का ध्यान पथराव, हिंसा और विवादित बयानों पर केंद्रित हो जाता है, तो छात्रों की वास्तविक मांगें दबा दी जाती हैं। आम जनता जो शुरुआत में छात्रों के साथ सहानुभूति रख रही थी, वह आंदोलन के उग्र और देश-विरोधी स्वरूप को देखकर पीछे हटने लगती है। इससे आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है। राजनीतिक और अराजक तत्व अपना एजेंडा साधकर निकल जाते हैं, लेकिन बदनामी और नुकसान अंततः उन मासूम छात्रों का होता है जिनका नाम इस प्रकार के हिंसक प्रदर्शनों से जुड़ जाता है। ?यदि हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ना है, तो हमें विरोध प्रदर्शनों के चरित्र और उसकी सीमाओं को पुनर्परिभाषित करना होगा।

रचनात्मक और सकारात्मक आंदोलन के निम्नलिखित बिंदु होने चाहिए, जैसे, भाषा में शालीनता और तर्कों में दम होना चाहिए। गालियों या देश-विरोधी नारों की जगह तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर सरकार को घेरा जाना चाहिए,महात्मा गांधी के देश में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। शांतिपूर्ण सत्याग्रह और धरना प्रदर्शन ही सबसे प्रभावी हथियार हैं। छात्रों और नागरिक समाज के आंदोलनों को राजनीतिक दलों और राष्ट्र-विरोधी एनजीओ के प्रभाव से मुक्त रहना चाहिए ताकि उनकी शुचिता बनी रहे। व्यवस्था में सुधार की मांग करते समय स्वयं कानून की सीमाओं का उल्लंघन न करना ही एक सच्चे नागरिक का कर्तव्य है।

राष्ट्रहित ही सर्वोपरि ?..

नीट परीक्षा की गड़बड़ियों पर सवाल उठाना हर नागरिक का अधिकार और कर्तव्य है। शिक्षा मंत्री या पूरी सरकार से जवाब मांगना लोकतंत्र की एक सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, नीतियां बदलती रहती हैं, परंतु राष्ट्र शाश्वत है। राष्ट्र की अखंडता, उसकी सांस्कृतिक धरोहर और उसकी संप्रभुता के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता। असंतोष लोकतंत्र का सुरक्षा कवच है, लेकिन यदि इसे अराजकता की आग में झोंक दिया जाए, तो यह उस पूरे तंत्र को जलाकर राख कर सकता है जिसे बनाने में सदियों का त्याग लगा है। समय आ गया है कि देश का प्रबुद्ध वर्ग, छात्र और आम नागरिक इन भेड़ियों की खाल में छिपे तत्वों को पहचानें जो छात्रों के दर्द को अपने देश-विरोधी एजेंडे की खाद बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विरोध अवश्य हो, पुरजोर हो, लेकिन उसकी मर्यादा भारत माता के सम्मान और देश के संविधान के भीतर ही सुरक्षित रहनी चाहिए। तभी हम एक मजबूत न्यायसंगत व्यवस्था और एक सशक्त भारत का निर्माण कर पाएंगे। लेकिन यह दुर्भाग्य की बात है कि दिनों दिन विदेशी देश विरोधी ताकतें बढ़ती जा रही हैं, इसे शक्ति के साथ निपटने की जरूरत है । लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि यह लोकतांत्रिक देश है। सबको विरोध करने का अधिकार है इसलिए विरोध को शांतिपूर्ण ढंग से रोकने की आवश्यकता है । भूलकर भी कभी गोली नहीं चलनी चाहिए । वर्ना यह सरकार का आत्मघाती कदम होगा और विरोधियों को सरकार के विरुद्ध वातावरण बनाने का सशक्त मौका मिल जाएगा।

girishpankajv@gmail.com

ब्लड रिलेशन में शादी: क्या कहता है विज्ञान?

(डॉ.) मनमोहन प्रकाश

भारत के विभिन्न राज्यों में विवाह को लेकर समाज में लंबे समय से अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कहीं रक्त संबंधियों के मध्य विवाह को परंपरा का हिस्सा माना जाता है, तो कहीं इसे उचित नहीं माना जाता है। वहीं प्रेम विवाह इन विषयों पर सोचने का अवसर ही नहीं देता है।आधुनिक आनुवंशिकी इस विषय को सामाजिक या धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से देखती है, और बचने की सलाह देती है। भारतीय संस्कृति भी समान गौत्र में शादी को ठीक नहीं मानती।

विज्ञान के अनुसार, जब निकट रक्त संबंधी-जैसे प्रथम चचेरे, ममेरे या फुफेरे भाई-बहन,विवाह करते हैं, तो उनमें कुछ समान जीन होने की संभावना अधिक रहती है। यदि दोनों में किसी दुर्लभ आनुवंशिक रोग से संबंधित दोषपूर्ण अप्रभावी जीन मौजूद हो, तो उनके बच्चों में उस रोग के प्रकट होने का जोखिम सामान्य जनसंख्या की तुलना में बढ़ जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य आनुवंशिकी विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य जनसंख्या में किसी बच्चे में गंभीर जन्मजात विकार या आनुवंशिक रोग का जोखिम लगभग 2-3 प्रतिशत होता है, जबकि प्रथम चचेरे भाई-बहनों के विवाह में यह बढ़कर लगभग 4-6 प्रतिशत तक हो सकता है,अर्थात जोखिम बढ़ता अवश्य है, लेकिन यह धारणा गलत है कि ऐसे सभी विवाहों से अस्वस्थ संतान ही जन्म लेती है।यद्यपि ऐसे विवाहों में थैलेसीमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी तथा कुछ दुर्लभ चयापचय और तंत्रिका संबंधी आनुवंशिक रोगों की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है।

यदि किसी समुदाय या परिवार में लगातार कई पीढ़ियों तक निकट संबंधियों में विवाह होते रहें, तो समान दोषपूर्ण जीनों के संचय के कारण यह जोखिम और बढ़ सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का जोर किसी परंपरा का विरोध करने पर नहीं, बल्कि वैज्ञानिक जागरूकता पर है। विशेषज्ञ विवाह-पूर्व आनुवंशिक परामर्श , पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास का मूल्यांकन, आवश्यक होने पर गर्भावस्था के दौरान आनुवंशिक जांच की सलाह देते हैं। विशेष रूप से जिन परिवारों में पहले से कोई आनुवंशिक रोग मौजूद हो, उनके लिए यह और भी महत्वपूर्ण है।

विवाह सामाजिक और व्यक्तिगत निर्णय है, किंतु स्वस्थ भविष्य के लिए वैज्ञानिक जानकारी भी उतनी ही आवश्यक है। इसलिए इस विषय पर भ्रांतियों या भय के बजाय प्रमाण-आधारित जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय परामर्श को प्राथमिकता देना ही समाज और आने वाली पीढ़ियों के हित में होगा।

मेरे अनुसार इस विषय पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यूसीसी में किये गये प्रावधान स्वस्थ भावी पीढ़ी की दृष्टि से उचित है एवं सम्मान देने योग्य है।

बोधकथा

हर बुराई में अच्छाई खोज सकते हैं...

एक शिष्य अपने गुरु से सप्ताह भर की छुट्टी लेकर अपने गांव जा रहा था। तब गांव पैदल ही जाना पड़ता था। जाते समय रास्ते में उसे एक कुआं दिखाई दिया। शिष्य प्यासा था, इसलिए उसने कुएं से पानी निकाला और अपना गला तर किया। शिष्य को अद्भुत तृप्ति मिली, क्योंकि कुएं का जल बेहद मीठा और ठंडा था। शिष्य ने सोचा - क्यों ना यहां का जल गुरुजी के लिए भी ले चलूं। उसने अपनी मशक भरी और वापस आश्रम की ओर चल पड़ा। वह आश्रम पहुंचा और गुरुजी को सारी बात बताई। गुरुजी ने शिष्य से मशक लेकर जल पिया और संतुष्टि महसूस की। उन्होंने शिष्य से कहा- वाकई जल तो गंगाजल के समान है। शिष्य को खुशी हुई। गुरुजी से इस तरह की प्रशंसा सुनकर शिष्य आज्ञा लेकर अपने गांव चला गया। कुछ ही देर में आश्रम में रहने वाला एक दूसरा शिष्य गुरुजी के पास पहुंचा और उसने भी वह जल पीने की इच्छा जताई। गुरुजी ने मशक शिष्य को दी। शिष्य ने जैसे ही घूंट भरा, उसने पानी बाहर कुल्ला कर दिया। शिष्य बोला- गुरुजी इस पानी में तो कड़वापन है और न ही यह जल शीतल है। आपने बेकार ही उस शिष्य की इतनी प्रशंसा की। गुरुजी बोले- बेटा, मिठास और शीतलता इस जल में नहीं है तो क्या हुआ। इसे लाने वाले के मन में तो है। जब उस शिष्य ने जल पिया होगा तो उसके मन में मेरे लिए प्रेम उमड़ा। यही बात महत्वपूर्ण है। मुझे भी इस मशक का जल तुम्हारी तरह ठीक नहीं लगा। पर मैं यह कहकर उसका मन दुखी करना नहीं चाहता था। हो सकता है जब जल मशक में भरा गया, तब वह शीतल हो और मशक के साफ न होने पर यहां तक आते-आते यह जल वैसा नहीं रहा, पर इससे लाने वाले के मन का प्रेम तो कम नहीं होता है न।

संदेश: दूसरों के मन को दुखी करने वाली बातों को टाला जा सकता है और हर बुराई में अच्छाई खोजी जा सकती है। जब हम बुराई में भी अच्छाई खोजने लगते हैं ।

तीर तेवर
सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

जब तक आदमजात रहेगी

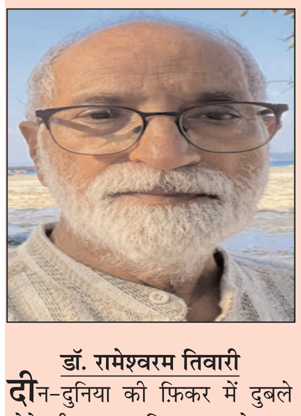
डॉ. रामेश्वरम तिवारी

दीन-दुनिया की फ़िक्र में दुबले होने की बजाय मुटियाए, जा रहे परम आदरणीय चिंतक जी को ख़्यालों में खोया हुआ देखकर उनके चरणस्पर्शी चेले ने चिंतक जी के अशांत हृदय सरोवर में कंकड़ फेंका और लहरें उठाते हुए पूछा- 'गुरुवर! आजकल आप दिन-रात किस चिंता में निमग्न रहते हैं। कहीं और किस जगह पर वज्रपात हुआ है जो आप चौबीसों घंटों इस तरह एकाकी सोफ़ा पर पैर पसारकर बगुला-मुद्रा में ध्यान लगाए बैठे रहते हैं।'

चिंतक जी ने अपनी उनींदी आँखों को खोला। एक बार चारों दिशाओं में विहंगम दृष्टि डाली। पूरी ताक़त से ज़ोर से भीतर तक लम्बी साँस खींची और गुरु गंभीर वाणी में बोले- ''प्रिय चेले! दरअसल बात ऐसी है कि आए दिन देश और दुनिया में यह जो रोज-रोज की मारामारी और ख़ूनख़राबे की घटनाएँ घट रही हैं, इन्होंने मेरे मन को बुरी तरह से गहरे तक जख़्मी कर रखा है। मेरी कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि आख़िर इस आदमजात को ऐसा हुआ है जो यह प्रेमपूर्वक परस्पर मिल-जुलकर रहने की बजाए हरदम विष उगलने और मरने-मारने पर उतारू नज़र आ रहा है। इस मसले पर मैं पिछले कई दिनों से मंथन कर रहा हूँ , पर मुझे समाधान का कोई रामबाण नुस्ख़ा नहीं सूझ रहा है।''

कलियुगी चेले ने चिंतक जी की चिंता का परिहार करते हुए कहा- 'गुरुवर! बस! इतनी सी बात है। जिसने आपको इतना परेशान कर रखा है। मुझे इसकी असली वजह मालूम है। दरअसल आए दिन होने वाले लड़ाई-झगड़ों की जड़ में हवा में तैरते हुए 'अल्लाहु-अकबर और जय श्रीराम' के नारे, तो मात्र सागर की ऊपरी सतह पर उठती हुई लहरें हैं। दरअसल विश्व का इतिहास इस बात का साक्षी है कि आदिम काल से लेकर आज तक जितनी भी लड़ाइयाँ लड़ी गई हैं उनके मूल में जर, जमीन और जोरू रही है। अगर आपको मेरी बात पर यक़ीन नहीं आए, तो एक बार फिर से पुराण-कथाओं और इतिहास की पन्नों को उलट-पलटकर देख लें।''

और अब रहा इस सदाबहार समस्या से मुक्ति पाने की कोई माक़ूल युक्ति, तो वह न कल किसी के पास थी, न आज किसी के पास है, न भविष्य में किसी के पास होगी। अतीत में अनेक अवतारी पुरुष आए। मसलन राम, कृष्ण, महावीर, गौतम, गाँधी, महर्षि अरविंद, स्वामी विवेकानंद वग़ैरह। ऋषि-मुनियों ने उपदेश दिए। नानाविध तरीक़ों से लोगों को समझाया-बुझाया, मार्गदर्शन किया, पर उनके ज़्यादातर प्रयास विफल सिद्ध हुए। चूँकि यह उजबक आदमी कभी सुधरा है, न आगे कभी सुधरने वाला है। अगर आप चाहें, तो मेरी बात को अपने ज़ेहन के कम्प्यूटर में अंकित कर लें। जब तक इस दुनिया में दीन-धर्म को लेकर नासमझी, अपने प्रभुत्व को दूसरों पर थोपने की मंशा और आदमजात की जेहादी मानसिकता रहेगी, तब तक यह मारामारी और ख़ूनख़राबों का सिलसिला चलता रहेगा। वहीं इसके बावजूद दूसरी ओर महामनाओं द्वारा विश्व में शाँति-स्थापना की दिशा में पूर्व काल से कोशिशें होती रही हैं, आज भी हो रही हैं, और आगे भी होती रहेंगी।

इतिहास

22 जुलाई का भारतीय इतिहास में अत्यधिक महत्व है क्योंकि इसी दिन 1947 में संविधान सभा द्वारा 'तिरंगे' को आधिकारिक तौर पर स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार किया गया था?आज की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1947: दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में संविधान सभा की बैठक के दौरान, पंडित जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्र भारत के लिए 'तिरंगे' को राष्ट्रीय ध्वज बनाने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया?1981: भारत के पहले भू-स्थिर उपग्रह (Geostationary Satellite) 'एप्पल' (APPLE) ने सफलतापूर्वक कार्य करना शुरू किया?1999: अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा 'समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक' की कार्ययोजना लागू की गई।

बीटीआई रोड की बदहाली पर पालिका अध्यक्ष ने लिया संज्ञान

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल बीटीआई रोड पर चौड़ीकरण कार्य के चलते लोगों को हो रही परेशानियों को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने मामले में पहल की है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता से चर्चा कर सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की तत्काल मरम्मत कराने को कहा है, ताकि बारिश के दौरान भी लोगों की आवाजाही सुचारु बनी रहे।

फिलहाल बीटीआई रोड पर सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। निर्माण के लिए सड़क की पुरानी सतह हटाकर गिट्टी बिछाने के साथ रोलर भी चलाया गया था। लेकिन शहर के इस अत्यधिक व्यस्त मार्ग पर लगातार वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क पर बिछाई गई गिट्टी जगह-जगह उखड़ गई है और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। मानसून के कारण निर्माण कार्य फिलहाल प्रभावित है, जिसके चलते प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क से कलेक्ट्रेट पहुंचने वाले नागरिकों, न्यायालय जाने वाले पक्षकारों और अधिवक्ताओं के साथ ही विभिन्न सरकारी कार्यालयों में आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। इसके अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पढ़ाई और इलाज के लिए महासमुंद आने वाले विद्यार्थी एवं ग्रामीण भी प्रभावित हैं। सड़क पर बने गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है। वहीं एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को भी आवागमन में दिक्कतें आ रही हैं। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से समस्या और गंभीर हो जाती है।

जनता की परेशानी को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष साहू ने पीडब्ल्यूडी के ईई से विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि शास्त्री चौक से कलेक्टर कार्यालय तक सड़क के जिन हिस्सों में अधिक गड्ढे हैं, वहां तत्काल पैचवर्क कर सड़क को आवागमन योग्य बनाया जाए। साथ ही मानसून समाप्त होने के बाद स्थायी चौड़ीकरण कार्य शुरू होने तक सड़क की नियमित निगरानी की जाए और जरूरत के अनुसार समय-समय पर मरम्मत कराई जाए। साहू ने कहा कि बीटीआई रोड शहर के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है और यह आम नागरिकों को प्रशासनिक कार्यालयों तक पहुंचाने का प्रमुख रास्ता भी है। ऐसे में इसे सुरक्षित और सुगम बनाए रखना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस महत्वपूर्ण सड़क पर नागरिकों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष से चर्चा के बाद लोक निर्माण विभाग ने जल्द ही क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत शुरू कराने का भरोसा दिलाया है। इस पहल के बाद क्षेत्रवासियों को बीटीआई रोड की बदहाल स्थिति में जल्द सुधार होने की उम्मीद जगी है।

मजदूरों से भरा ट्रैक्टर पलटने से 2 की मौत, 6 घायल

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। मंगलवार सुबह धान रोपाई के लिए जा रहे मजदूरों से भरा ट्रैक्टर ट्रॉली पलट जाने से 2 महिला मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना हिर्री थाना क्षेत्र की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुड़पार गांव के श्रमिक गांव के ही एक किसान के खेत में धान की रोपाई करने ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर जा रहे थे। सुबह कच्ची सड़क से गुजरते समय ट्रैक्टर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। संतुलन बिगड़ते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खेत में पलट गया। हादसे के दौरान ट्रॉली में सवार कई श्रमिक उसके नीचे दब गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण और अन्य मजदूर मौके पर पहुंचे। सभी ने मिलकर ट्रॉली उठाई और उसके नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। काफी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला गया, लेकिन दो श्रमिकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। सूचना मिलते ही हिर्री थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में सभी घायलों का उपचार जारी है, जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में कच्ची सड़क पर ट्रैक्टर का संतुलन बिगडने् से हादसा होना माना जा रहा है। पुलिस चालक, घायल श्रमिकों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

कोंडागांव में डीजल टैंकर पलटा, चालक-परिचालक सुरक्षित

विश्व केसरी

कोंडागांव। जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र अंर्तगत बेलगांव-आलोर मार्ग पर मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे डीजल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क से उतरते हुए खेत में पलट गया। हादसे में चालक और परिचालक सुरक्षित बच गए। मिली जानकारी के अनुसार, टैंकर बड़ेडोंगर की ओर जा रहा था। बेलगांव और आलोर गांव के बीच अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया। चालक ने टैंकर को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन वह सड़क से नीचे उतरकर खेत में पलट गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। टैंकर में डीजल भरा होने के कारण आग लगने या विस्फोट की आशंका बनी रही, एहतियात के तौर पर लोगों को वाहन से दूर रहने की सलाह दी गई। राहत की बात रही कि टैंकर में आग नहीं लगी और बड़ा रिसाव भी नहीं हुआ। घटना की सूचना मिलने पर संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन को जानकारी दी गई। प्रशासन ने मौके पर सुरक्षा इंतजाम किए हैं और टैंकर को सुरक्षित तरीके से निकालने की तैयारी की जा रही है। पुलिस प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने के कारणों की जांच कर रही है। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। चालक और परिचालक दोनों सुरक्षित हैं। स्थानीय लोगों ने समय रहते स्थिति नियंत्रण में आने पर राहत की सांस ली।

भिलाई निगम ने सेक्टर-6 ए मार्केट की दुकानों का किया सर्वे

विश्व केसरी

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में संपत्तिकर निर्धारण एवं आरोपण की प्रक्रिया को गति देते हुए बीएसपी क्षेत्र में निर्मित भवनों एवं भूमियों का परिमाप (माप) और सर्वे किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को सेक्टर-6 ए मार्केट स्थित दुकानों का विस्तृत माप एवं सर्वे किया गया। निगम द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य बीएसपी क्षेत्र में स्थित व्यावसायिक एवं अन्य परिसरों का वास्तविक क्षेत्रफल दर्ज कर संपत्तिकर का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी निर्धारण करना है। सर्वे के दौरान दुकानों के आयाम, निर्मित क्षेत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया, जिससे भविष्य में कर निर्धारण की प्रक्रिया अधिक सटीक और व्यवस्थित हो सके। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि संपत्तिकर सर्वे अभियान चरणबद्ध तरीके से पूरे निगम क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है।

बीजापुर कलेक्टोरेट के पास स्थित जर्जर यात्री प्रतीक्षालय के मरम्मत की मांग

विश्व केसरी

बीजापुर । जिला मुख्यालय में कलेक्टर कार्यालय एवं जिला पंचायत के समीप यात्रियों की सुविधा के लिए निर्मित यात्री प्रतीक्षालय आज रख-रखाव के अभाव में जर्जर हो चुका है। हालत यह है कि जहां लोगों को बारिश और तेज धूप से राहत मिलनी चाहिए, वहीं अब उन्हें खुले आसमान के नीचे बस का इंतजार करना पड़ रहा है।

इस प्रतीक्षालय में लोग बस और अन्य वाहनों का इंतजार करते हैं, लेकिन टूटी-फूटी संरचना और जर्जर छत के कारण अब लोगों की परेशानी का कारण बन गया है। कलेक्टोरेट एवं जिला पंचायत के पास स्थित यात्री प्रतीक्षालय पर किसी भी अधिकारी या संबधित विभाग ने इसकी सुध लेना अब तक उचित नही समझा। बीजापुर के घनश्याम यादव, राज प्रिंस, शैलेष, संतोष, सुनील ने मांग किया है, कि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग तत्काल यात्री प्रतीक्षालय की मरम्मत सुनिश्चित करे, ताकि आम लोगों को यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा पुन: मिल सके।

बसना के किसान ने 25 एकड़ में ढेंचा की खेती कर बढ़ाई मिट्टी की उर्वरता

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। विकासखंड बसना के ग्राम दूधीपाली निवासी किसान प्रफुल्ल साहू ने खरीफ सीजन शुरू होने से पहले अपने खेत में ढेंचा की फसल उगाकर हरी खाद के माध्यम से भूमि की उर्वरता बढ़ाने की सराहनीय पहल की है।

कृषि विभाग के मार्गदर्शन में साहू ने अपने 25 एकड़ खेत में ढेंचा की बुवाई की। करीब 45 से 50 दिनों बाद तैयार फसल को खेत में ही पलटकर हरी खाद के रूप में उपयोग किया गया। इससे मिट्टी में जैविक तत्वों और नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ी, भूमि की संरचना बेहतर हुई और आगामी फसल के लिए खेत की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि हुई। कृषक प्रफुल्ल साहू ने बताया कि खेत में हरी खाद का इस्तेमाल करने से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है। साथ ही मिट्टी की पानी सोखने और उसे लंबे समय तक बनाए रखने की क्षमता में सुधार होता है, जिससे फसलों की अच्छी वृद्धि में भी मदद मिलती है। उन्होंने क्षेत्र के अन्य किसानों से भी ढेंचा जैसी हरी खाद वाली फसलों को अपनाने की अपील की। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार हरी खाद का उपयोग प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धति को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। इसके प्रयोग से भूमि की उर्वराशक्ति लंबे समय तक कायम रहती है और खेती में होने वाली लागत को भी कम करने में सहायता मिलती है।

छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन कसडोल की टीम ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से की मुलाकात

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा वेलफेयर फाउंडेशन समाज के अंतिम व्यक्ति से लेकर बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा,सुरक्षा एवं संरक्षण के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में आज बलौदा बाजार जिला टीम ने जिले के माननीय कलेक्टर कुलदीप शर्मा जी, पुलिस अधीक्षक गौरव राय जी, समाज कल्याण विभाग की जिला उपसंचालक सिनीवाली गोयल जी एवं पशु चिकित्सालय के जिला उपसंचालक नरेंद्र सिंह जी से गुलदस्ता भेंट कर शिष्टाचार मुलाकात की तथा फाउंडेशन की सामाजिक गतिविधियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से महिला प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.चंद्रप्रभा ध्रुव, प्रदेश युवा कार्यकारिणी अध्यक्ष राकेश यादव, जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष नूतन यादव, जिला उपाध्यक्ष रूपेन्द्र विश्वकर्मा एवं जिला उपाध्यक्ष आयुष कैवर्त्य उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था पूरे जिले में सामाजिक सरोकारों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। फाउंडेशन विशेष रूप से बेजुबान पशुओं की सेवा, सुरक्षा एवं संरक्षण, नशा मुक्ति अभियान, नारी सम्मान, बाल मजदूरी उन्मूलन, घरेलू हिंसा की रोकथाम, यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जनजागरूकता तथा अन्य सामाजिक अपराधों की रोकथाम के लिए शासन एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य कर रही है। फाउंडेशन ने भविष्य में भी जनहित एवं समाज कल्याण से जुड़े सभी कार्यों में शासन-प्रशासन के साथ मिलकर सहयोगात्मक रूप से कार्य करने का संकल्प दोहराया।

नामांकित एल्डरमेन पार्षदों का हुआ सम्मान, नगर विकास में अनुभव का लाभ लेने की जताई उम्मीद

विश्व केसरी

महासमुंद (अनिल चौधरी)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नामांकित एल्डरमेन पार्षदों के शपथ ग्रहण के बाद नगर पालिका उपाध्यक्ष कक्ष में स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी एवं पार्षदों ने नव नियुक्त नामांकित पार्षद मोहन साहू, हनीश बग्गा, प्रभा साहू, लाल विजय सिंहदेव और मधु यादव का पुष्पगुच्छ एवं दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया।

समारोह में नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने सभी नव नियुक्त एल्डरमेन पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नामांकित पार्षदों की भूमिका केवल किसी एक वार्ड तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नगर के सभी 30 वार्डों के विकास कार्यों में उनका मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त होगा। नवनियुक्त एल्डरमेन पार्षदों ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए मुख्यमंत्री , नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, भाजपा जिलाध्यक्ष ऐतराम साहू, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, कृषि एवं बीज निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, राज्य स्काउट गाइड प्रमुख आयुक्त इंद्रजीत गोल्डी, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष महेंद्र शिका सहित स्थानीय भाजपा नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मान समारोह में विधायक प्रतिनिधि हफीज कुरैशी, पार्षद पियूष साहू, माखन पटेल, चंद्रशेखर बेलदार, धनेन्द्र चंद्राकर, राहुल आपड़े, रिंकू चंद्राकर सहित भाजपा नेता पवन साहू उपस्थित रहे।

मातागढ़ तुरतुरिया का संचालन अब तक रहस्यमय जिम्मेदारी के नाम पर सिर्फ गोल-माल

कभी ट्रस्ट, कभी जनपद, तो कभी पंचायत के बीच घूम रही फाइल

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। प्रसिद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल मातागढ़ तुरतुरिया के संचालन का मामला आज भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है। आखिर इस पवित्र धाम की जिम्मेदारी किसके सिर पर है, यह बताने वाला कोई नहीं है। संचालन व्यवस्था कभी ट्रस्ट, कभी जनपद पंचायत,कभी ग्राम पंचायत तो कभी किसी स्थानीय समिति के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है।विडंबना यह है कि जब व्यवस्था संभालने की बात आती है, तो कभी एसडीएम इसके अध्यक्ष बन जाते हैं, तो कभी ट्रस्ट के लोग खुद को सर्वेसर्वा बताने लगते हैं।इस प्रशासनिक खींचतान और जवाबदेही की कमी का खामियाजा इस पवित्र स्थल के विकास को भुगतना पड़ रहा है।

भूमिपूजन के बावजूद निर्माण कार्य अधर में लटका

प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी और आपसी खींचतान का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि मातागढ़ तुरतुरिया के विकास के लिए बड़े ही धूमधाम से भूमिपूजन तो कर दिया गया लेकिन वह पत्थर आज भी सिर्फ एक दिखावा बनकर रह गया है।भूमिपूजन होने के बावजूद आज तक धरातल पर एक ईंट भी नहीं रखी जा सकी है और न ही कोई निर्माण कार्य शुरू हो पाया है। नेताओं और अधिकारियों ने वाहवाही लूटने के लिए नारियल तो फोड़ दिया,लेकिन विकास की फाइल आज भी सरकारी दफ्तरों में धूल खा रही है।

दान पेटी से चोरी और गायब होने का सिलसिला

हर साल चैत्र नवरात्रि, कुंवार (शारदीय) नवरात्रि और अन्य विशेष पर्वों पर प्रदेश के कोने कोने से लाखों श्रद्धालु मातागढ़ तुरतुरिया पहुंचते हैं। भक्त अपनी श्रद्धा के अनुसार दान पेटी में लाखों रुपये की राशि अर्पित करते हैं।लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इन दान पेटियों की सुरक्षा राम

भरोसे है।आए दिन दान पेटी से रकम चोरी होने की खबरें सामने आती हैं,और हद तो तब हो जाती है जब पूरी की पूरी दान पेटी ही गायब कर दी जाती है। इन गंभीर मामलों पर न तो कोई ठोस जांच होती है और न ही दोषियों पर कार्रवाई।

फाइलें और मामले: जनपद से लेकर न्यायालय तक का चक्कर

जब भी कोई विवाद या चोरी की घटना सामने आती है, तो जिम्मेदार अधिकारी अपनी पीठ थपथपाने के लिए मामले को आगे बढ़ा देते हैं। कभी यह मामला जनपद पंचायत की फाइलों में दब जाता है, तो कभी एसडीएम साहब के दफ्तर में सुनवाई के नाम पर लटका रहता है। वर्तमान स्थिति यह है कि संचालन का यह पूरा विवाद अब माननीय न्यायालय के चौखट तक पहुंच चुका है। लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही है—समस्या जस की तस बनी हुई है और संचालन का मामला गोल-गोल घूम रहा है।

श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़ और विकास कार्य ठप

संचालन का कोई एक निश्चित ढांचा न होने के कारण मातागढ़ तुरतुरिया का विकास पूरी तरह से ठप पड़ गया है। श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे पेयजल,छांव, और सुरक्षा व्यवस्था की भारी कमी है।प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय रसूखदारों की इस 'नूराकुश्ती' के कारण न केवल सरकारी पैसों का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था को भी ठेस पहुंच रही है।

जनता की मांग स्थायी समाधान और पारदर्शी संचालन

स्थानीय ग्रामीणों और प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को तुरंत हस्तक्षेप कर मातागढ़ तुरतुरिया के संचालन के लिए एक स्थायी,वैध और पारदर्शी बोर्ड या समिति का गठन करना चाहिए। दान पेटी से होने वाली आय का पूरा ऑडिट होना चाहिए और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाने चाहिए, ताकि इस ऐतिहासिक धरोहर को राजनीति और भ्रष्टाचार का अखाड़ा बनने से बचाया जा सके।

वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद; सेंसेक्स 77,500 के नीचे फिसला

विश्व केसरी

मुंबई। वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 238.41 अंक या 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,470.11 और निफ्टी 50.80 अंक या 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,187.70 पर था।

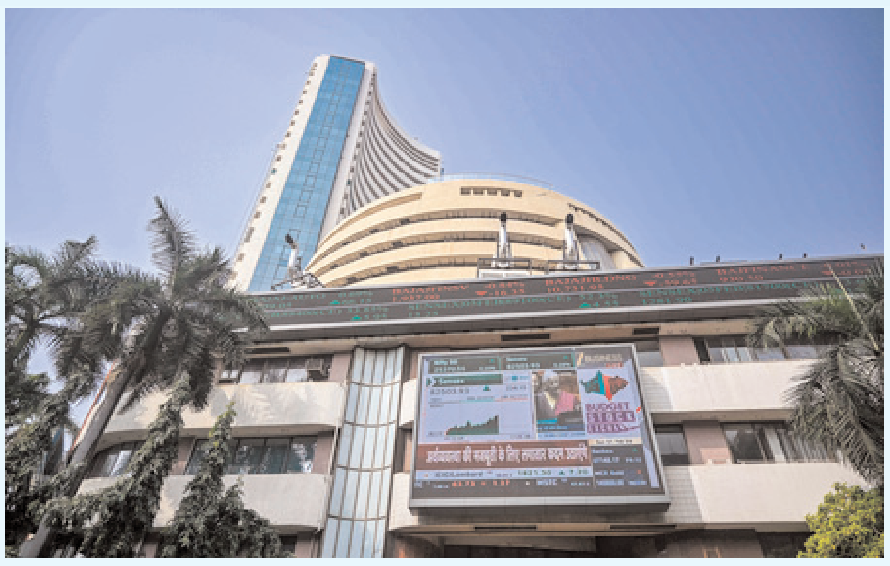

बाजार पर दबाव बनाने का दाम सरकारी बैंकिंग शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। इसके अलावा, निफ्टी आईटी (0.61 प्रतिशत), निफ्टी ऑयलएंडगैस (0.50 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.38 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (0.31 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.04 प्रतिशत) कमजोरी के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ, निफ्टी रियल्टी (1.07 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.93 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (0.63 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.35 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (0.34 प्रतिशत) बढ़त के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, एमएंडएम, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, बीईएल, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एनटीपीसी, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और एशियन पेंट्स गेनर्स थे। एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, आईटीसी और इटरनल लूजर्स थे।

लार्जकैप में बिकवाली रही, लेकिन व्यापक बाजार में खरीदारी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,428.05 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62,987.60 पर बंद हुआ।

बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, मजबूत कॉरपोरेट आय की उम्मीद और मांग-आधारित कारोबारी अपडेट के समर्थन से मिडकैप शेयर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

हालांकि, लार्जकैप शेयरों की तुलना में इस सेगमेंट के ऊंचे वैल्यूएशन के चलते निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में अप्रैल-जून अवधि में संस्थागत निवेश 16 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर रहा: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेशक 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में तिमाही आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में संस्थागत निवेशकों ने कुल 3.5 अरब डॉलर का निवेश किया, जो कि 2025 में समान अवधि में किए गए निवेश की तुलना में करीब 6 प्रतिशत अधिक है।

यह दिखाता है कि वैश्विक अनिश्चितता के बाद भी भारत में रियल एस्टेट आधार पर निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। फर्म ने अनुमान जताया, '2026 की दूसरी छमाही को देखते हुए, भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद और बुनियादी ढांचे पर आधारित निरंतर विकास के समर्थन से संस्थागत निवेश गतिविधियां स्थिर रहने की उम्मीद है।'

रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही में ऑफिस एसेट्स ने निवेश प्रवाह पर दबदबा बनाए रखा। इस श्रेणी में लगभग 1 अरब डॉलर का निवेश आया, जो कुल निवेश का 51 प्रतिशत रहा। यह लगातार चौथी तिमाही है जब ऑफिस एसेट्स निवेश के मामले में सबसे आगे रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि निवेशकों की यह लगातार बढ़ती प्राथमिकता ऑफिस सेक्टर की दीर्घकालिक मजबूत बुनियाद और स्थिर आय देने की इसकी क्षमता पर उनके भरोसे को दर्शाती है।

ऑफिस रियल एस्टेट में निवेशकों की रुचि को मुख्य रूप से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की मजबूत मांग, प्रमुख ऑफिस बाजारों में घटती वैकेंसी और प्रीमियम माइक्रो-मार्केट्स में लगातार बढ़ते किराये का समर्थन मिल रहा है।

डेटा सेंटर दूसरी तिमाही में पूंजी आकर्षित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बनकर उभरा, जिसने कुल निवेश का 40 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया।

इस क्षेत्र में बढ़ती हिस्सेदारी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर परिसंपत्तियों के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाती है।

मारुति सुजुकी का बड़ा ऐलान, गाड़ियों की कीमतों को 30,000 रुपए तक बढ़ाया

विश्व केसरी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को अपनी गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है।

कंपनी ने इस बढ़ोतरी की वजह लागत में इजाफे को बताया है और यह अगस्त, 2026 से लागू होगी।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में दायर की फाइलिंग में मारुति सुजुकी ने कहा कि लगातार बढ़ती लागत के चलते कीमतों में संशोधन आवश्यक हो गया है।

कंपनी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से वह विभिन्न लागत-कटौती उपायों के जरिए बढ़ी हुई लागत का बोझ अपने स्तर पर वहन करने का प्रयास कर रही थी। हालांकि, महंगाई का दबाव लगातार ऊंचा बना हुआ है और लागत का माहौल अभी भी प्रतिकूल है। ऐसे में कंपनी ने बढ़ी हुई लागत का एक हिस्सा ग्राहकों पर डालने का फैसला किया है।

कंपनी ने मॉडल्स के हिसाब संशोधन पर विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

मारुति सुजुकी का शेयर बीएसई पर कारोबारी सत्र में 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 13,593.30 रुपए पर बंद हुआ।

मारुति सुजुकी की ताजा कीमत बढ़ोतरी ऐसे समय में आई है, जब कई अन्य वाहन निर्माता कंपनियां भी अपने विभिन्न मॉडलों के दाम बढ़ा चुकी हैं। जून में टाटा मोटर्स ने भी अपनी यात्री वाहन श्रृंखला, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) भी शामिल हैं, की कीमतों में 1 जुलाई से प्रभावी अधिकतम 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी।

वहीं, हुंडई मोटर इंडिया और किया इंडिया ने भी हाल के महीनों में अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाई हैं।

हुंडई ने 1 जून से अपने विभिन्न मॉडलों के दाम में अधिकतम 12,800 रुपए तक की बढ़ोतरी की थी, जबकि किआ ने 1 जुलाई से वाहनों की कीमतों में अधिकतम 2 प्रतिशत तक इजाफा किया। दोनों कंपनियों ने इस मूल्य वृद्धि के पीछे बढ़ती इनपुट लागत, कमोडिटी कीमतों में उछाल और लगातार बने हुए महंगाई के दबाव को प्रमुख कारण बताया।

भारत-उत्तरी मैसेडोनिया आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमत

विश्व केसरी

स्कोप्जे । उत्तरी मैसेडोनिया के आधिकारिक दौरे पर पहुंची भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को अपनी समकक्ष के साथ संयुक्त रूप से प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने दोनों देशों के बीच स्थापित आर्थिक सहयोग को द्विपक्षीय संबंधों का 'अहम स्तंभ' करार दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत और उत्तर मैसेडोनिया ने व्यापार, निवेश और बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई है।

उत्तर मैसेडोनिया की राष्ट्रपति गोर्दाना सिलियानोव्स्का-दावकोवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने विश्वास जताया कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। उन्होंने राष्ट्रपति सिलियानोव्स्का-दावकोवा और उत्तर मैसेडोनिया की जनता का गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा, 'दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की उत्तर मैसेडोनिया की पहली यात्रा है। मुझे विश्वास है कि यह ऐतिहासिक यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। मेरी राष्ट्रपति सिलियानोव्स्का-दावकोवा के साथ सार्थक चर्चा हुई। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच वार्ता हुई। हमने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।'

उन्होंने बताया कि वार्ता के दौरान कृषि, औषधि, वस्त्र, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, आतिथ्य और फिल्म निर्माण सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा, 'हमने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और पारस्परिक सम्मान पर आधारित अपनी घनिष्ठ मित्रता की पुष्टि की। आर्थिक सहयोग भारत-उत्तर मैसेडोनिया संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हमने व्यापार, निवेश और बी2बी सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई है। साथ ही द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का भी निर्णय लिया है।'

उन्होंने कहा कि मंगलवार को आयोजित होने वाला बिजनेस फोरम इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और जन-से-जन संपर्कों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रचनात्मक उद्योग (क्रिएटिव इंडस्ट्री) के क्षेत्र में सहयोग सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि भारत ने सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए कई वैश्विक पहल शुरू की हैं, जिनमें इंटरनेशनल सोलर अलायंस, कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस शामिल हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने इन पहलों में शामिल होने की उत्तर मैसेडोनिया की इच्छा का स्वागत किया।

भारत औसत वैश्विक लागत के मुकाबले 40 प्रतिशत कम दाम पर ग्रीन जेट ईंधन का कर सकता है उत्पादन: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) के उत्पादन के लिए एक विशिष्ट स्थिति में है और मजबूत रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता के दम पर ग्लोबल बेंचमार्क के मुकाबले 40 प्रतिशत तक की कम लागत पर एसएफ का उत्पादन कर सकता है। यह जानकारी यूसी बर्कले के आईईसीसी और एनर्जी इनोवेशन के संयुक्त अध्ययन में दी गई।

ऑयलप्राइस डॉट कॉम पर दी गई इस रिपोर्ट में बताया गया कि भारत कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता की अपनी कमजोरी को पावर-एंड-बायोमास-टू-लिक्विड्स (पीबीटीएल) तकनीक के जरिए अरबों डॉलर के निर्यात के अवसर में बदल सकता है, जिसमें एसएएफ में 2030 तक 9 अरब डॉलर और 2040 तक 30 अरब डॉलर के निर्यात अवसर मौजूद होंगे।

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि भारत में हर साल बड़ी मात्रा में अतिरिक्त फसल अवशेष पैदा होता है, जिसे किसान अकसर जला देते हैं। यदि इस अतिरिक्त फसल अवशेष का सिर्फ 4 प्रतिशत एकत्र कर लिया जाए, तो उससे दुनिया की एसएएफ की कुल जरूरत का 25 प्रतिशत पूरा किया जा सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और स्थानीय समुदायों के लिए आय के नए स्रोत भी बनेंगे।

पीबीटीएल तकनीक खाद्यान्न फसलों के बजाय फसल अवशेष और वानिकी अपशिष्ट का उपयोग करती है। इससे पारंपरिक जैव ईंधनों (बायोफ्यूल) पर लगने वाली उस प्रमुख आलोचना से बचा जा सकता है कि वे खाद्य फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। यदि इस तकनीक को कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (सीसीएस) के साथ जोड़ा जाए, तो यह अपने पूरे जीवनचक्र में जितनी कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करती है, उससे अधिक मात्रा वातावरण से हटाने की क्षमता भी रख सकती है।

भारत सरकार ने 2030 तक विमान ईंधन में 5 प्रतिशत एसएएफ मिश्रण का लक्ष्य तय किया है। इससे देश में एसएएफ के लिए एक सुनिश्चित और विनियमित घरेलू बाजार तैयार होगा, साथ ही वैश्विक निर्यात की संभावनाओं को भी मजबूती मिलेगी। एसएएफ में निवेश का उद्देश्य भारत की जेट ईंधन की अस्थिर अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर निर्भरता को भी कम करना है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का मुनाफा वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में दोगुना हुआ, आय 42 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी

मुंबई। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए दमदार नतीजे पेश किए हैं। इस दौरान कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा दोगुने से अधिक हो गया है और आय में 42 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

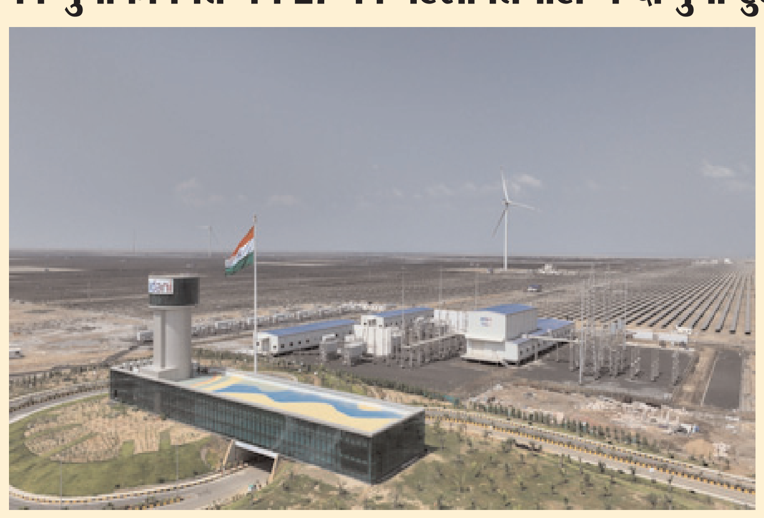

अदाणी ग्रुप की कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 124 प्रतिशत बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 513 करोड़ रुपए था। इस दौरान कंपनी की आय 42.4 प्रतिशत बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 6,819 करोड़ रुपए थी।

अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी के मजबूत प्रदर्शन की वजह ट्रांसमिशन कारोबार में वृद्धि होना है। इससे कंपनी का वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 2,314 करोड़ रुपए था। इस दौरान कंपनी ईबीआईटीडीए मार्जिन 31 प्रतिशत रहा है।

30 जून को समाप्त तिमाही में ट्रांसमिशन कारोबार से कंपनी की कंसोलिडेटेड आय 52.4 प्रतिशत बढ़कर 3,335.3 करोड़ रुपए हो गई, जबकि डिस्ट्रीब्यूशन कारोबार से आय 5 प्रतिशत बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए रही। इस दौरान स्मार्ट मीटरिंग कारोबार की आय में 200 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई और यह 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। वहीं, एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म से आय नौ गुना से अधिक बढ़कर 1,906.8 करोड़ रुपए हो गई।

एईएसएल ने जून में स्मार्टमीटर कंपनी इंटेलीस्मार्ट में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए सिक्योरिटी परचेस एंड सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट (एसपीएसए) साइन किया था। इस लेनदेन की वैल्यू 3,050 करोड़ रुपए थी।

कंपनी की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि यह प्रस्तावित अधिग्रहण एईएसएल की स्मार्ट मीटर सेंगमेंट में पॉजिशन को मजबूत करेगा और इससे कंपनी के कुल स्मार्ट मीटर पोर्टफोलियो का साइज बढ़कर 4.7 करोड़ मीटर्स से अधिक हो जाएगा। एईएसएल ने कहा कि इस डील में इंटेलीस्मार्ट की पूरी इक्विटी शेयर कैपिटल को खरीदना और एनआईआईएफ के पास मौजूद ऑप्शनली कन्वर्टिबल डिबेंचर का रिडेम्पशन (भुगतान) शामिल है।

यह डील रेगुलेटरी मंजूरी और क्लोजिंग से जुड़ी अन्य सामान्य शर्तों के पूरा होने पर निर्भर करती है।

तमिलनाडु: टीएएसएमएसी शराब खरीद नीति में बदलाव, सभी मैन्युफैक्चरर्स से बराबर मात्रा में खरीदने पर जोर

विश्व केसरी

चेन्नई । तमिलनाडु सरकार ने तमिलनाडु राज्य मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) की शराब खरीद नीति में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने राज्य के रिटेल एकाधिकार वाले इस निगम को निर्देश दिया है कि वह कुछ चुनिंदा कंपनियों पर ज्यादा निर्भर रहने के बजाय, सभी वैध निर्माताओं से शराब की खरीद समान रूप से करें।

तमिलनाडु राज्य मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) की ओर से पूरे तमिलनाडु में 4,000 से ज्यादा शराब की दुकानें चलाई जाती हैं। टीएएसएमएसी की ओर से अभी 11 मैन्युफैक्चरर्स से इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) और छह कंपनियों से बीयर खरीदा जाता है। खबरों के अनुसार, इनमें से कुछ मैन्युफैक्चरर्स को बड़ी राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोग प्रमोट करते हैं। अब तक, खरीद मुख्य रूप से ग्राहकों की मांग पर आधारित थी, जिसमें टीएएसएमएसी सबसे लोकप्रिय ब्रांडों से काफी ज्यादा मात्रा में शराब खरीदता था।

कई बार लगभग 60 से 70 प्रतिशत सप्लाई कुछ ही मैन्युफैक्चरर्स से आती थी, जिनके उत्पादों की बिक्री सबसे ज्यादा होती थी। टीवीके के नेतृत्व वाली नई सरकार के गठन के बाद, टीएएसएमएसी की ओर से पारदर्शिता बढ़ाने और कामकाज को बेहतर बनाने के लिए कई सुधार लागू किए जा रहे हैं।

टीएएसएमएसी बोर्ड ने 6 जुलाई को हुई अपनी बैठक में सभी वैध मैन्युफैक्चरर्स से लगभग बराबर मात्रा में शराब खरीदकर एक संतुलित खरीद रणनीति फैसला किया। इस फ़ैसले के अनुसार, टीएएसएमएसी ने सभी शराब कंपनियों को एक समान रूप से खरीद ऑर्डर जारी करना शुरू कर दिया है।

कॉरपोरेशन ने अपने प्रीमियम 'एलीट' शराब आउटलेट्स को यह भी निर्देश दिया है कि वे हर वैध मैन्युफैक्चरर से प्रीमियम और मीडियम-ग्रेड शराब का कम से कम एक केस स्टॉक में रखें, ताकि ग्राहकों के लिए ब्रांडों की एक बड़ी रेंज उपलब्ध हो सके। बदली हुई खरीद नीति पर टीएएसएमएसी कर्मचारियों की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है।

कर्मचारियों का कहना है कि बराबर खरीद से ग्राहकों की पसंद का सही अंदाजा नहीं लग सकता। वे चेतावनी देते हैं कि अगर हर मैन्युफैक्चरर से स्टैंडर्ड शराब की किस्में बराबर मात्रा में खरीदी जाती हैं, तो लोकप्रिय ब्रांडों का स्टॉक खत्म हो सकता है, जबकि कम बिकने वाले उत्पाद स्टोर की शेल्फ पर बिना बिके रह सकते हैं। कर्मचारियों के अनुसार, इससे ग्राहकों की पसंद वाले शराब ब्रांडों की कमी हो सकती है और साथ ही कम मांग वाले उत्पादों का इन्वेंट्री बढ़ सकता है। इस बीच, शराब पीने वालों ने सरकार से टीएएसएमएसी आउटलेट्स में उपलब्ध उत्पादों की रेंज को और बढ़ाने का आग्रह किया है।

बच्चे को स्मार्ट और कॉन्फिडेंट बनाना है तो खिलौने नहीं, दें 5 शानदार गिफ्ट, टॉयज से ज्यादा उनके विकास में आएंगे काम

बच्चों के लिए सबसे अच्छा गिफ्ट हमेशा महंगा खिलौना नहीं होता. किताबें, नए अनुभव, नई स्किल्स, बोर्ड गेम्स और माता-पिता का समय उनके मानसिक विकास, आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं.

बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए माता-पिता अक्सर नए-नए खिलौने खरीदते हैं. कुछ दिन तक बच्चा उन खिलौनों में खूब दिलचस्पी दिखाता है, लेकिन धीरे-धीरे वे एक कोने में पड़े रह जाते हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सिर्फ खिलौने ही बच्चे के विकास का सबसे अच्छा जरिया हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि इसका जवाब 'नहीं' है. बच्चे का असली विकास उन अनुभवों, आदतों और सीखने के अवसरों से होता है जो उसकी सोच, कल्पनाशक्ति और आत्मविश्वास को मजबूत बनाते हैं. मशहूर चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट श्वेता गांधी ने भी इसी बात पर जोर देते हुए ऐसे पांच गिफ्ट बताए हैं जो बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास में मदद कर सकते हैं.

उनका कहना है कि महंगे खिलौनों की जगह अगर सही चीजें और सही समय दिया जाए, तो बच्चा सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं बल्कि व्यवहार, फैसले लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में भी आगे बढ़ सकता है. आइए जानते हैं वे पांच गिफ्ट कौन से हैं जिन्हें हर माता-पिता अपने बच्चे की जिंदगी का हिस्सा बना सकते हैं.

क्यों हर बार खिलौना खरीदना सही फैसला नहीं होता?

खिलौने बच्चों का मनोरंजन जरूर करते हैं, लेकिन ज्यादातर खिलौनों का असर कुछ समय तक ही रहता है. कुछ दिनों बाद बच्चे का मन उनसे भर जाता है और वह नए खिलौने की मांग करने लगता है. इसके उलट अगर बच्चे को ऐसी चीजें दी जाएं जो उसकी जिज्ञासा बढ़ाएं और उसे खुद से सीखने का मौका दें, तो उसका विकास लंबे समय तक होता है. यही वजह है कि विशेषज्ञ अब अनुभव आधारित सीखने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं.

1. किताबें बन सकती हैं बच्चे की सबसे अच्छी दोस्त

पढ़ने की आदत से बढ़ती है सोचने की क्षमता चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट के अनुसार, किताबें बच्चों के लिए सबसे उपयोगी गिफ्ट में से एक हैं. कहानी की किताबें, चित्रों वाली किताबें या उम्र के हिसाब से ज्ञान बढ़ाने वाली पुस्तकें बच्चे की भाषा, कल्पनाशक्ति और समझ को बेहतर बनाती हैं. जो बच्चे नियमित रूप से पढ़ते हैं, वे सवाल पूछने में संकोच नहीं करते और नई चीजें सीखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं.

2. महंगे गिफ्ट नहीं, यादगार अनुभव दें

नई जगहें और नई एक्टिविटी सिखाती हैं बहुत कुछ बच्चे को चिड़ियाघर, म्यूजियम, पार्क, साइंस सेंटर या नेचर वॉक पर ले जाना उसके लिए किसी महंगे खिलौने से ज्यादा फायदेमंद हो सकता है. वहां वह अपने आसपास की दुनिया को करीब से देखता है और कई नई बातें सीखता है ।

ओमेगा-3 से भरपूर यह मछली दिल और ब्लड प्रेशर के लिए है फायदेमंद, जानिए कैसे

लंबे समय से मछली को भोजन का एक अहम हिस्सा माना जाता रहा है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि हेल्दी डाइट के तौर पर कुछ खास तरह की मछलियों का सीमित मात्रा में नियमित सेवन करने से दिल की बीमारी का खतरा कम हो सकता है.

स्वस्थ हृदय के लिए संतुलित आहार जरूरी है और इसमें मछली की अहम भूमिका होती है. कुछ मछलियां, खासकर ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मछलियां, हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं. कई कोरल रीफ (प्रवाल भित्ति) क्षेत्रों में पाई जाने वाली कुछ मछलियों में भी ओमेगा-3 फैटी एसिड अच्छी मात्रा में पाया जाता है. लेकिन सभी कोरल रीफ मछलियां समान रूप से सुरक्षित या पोषक नहीं होतीं. ऐसे में सही प्रजाति का चयन बेहद करना जरूरी है...

ओमेगा-3 क्यों जरूरी हैं?

ओमेगा-3 फैटी एसिड खासकर श्क्क और ष्ठ॥ शरीर के लिए बहुत जरूरी हैं. ये दिल की सेहत बनाए रखने, सूजन कम करने और रक्त वाहिकाओं की सेहत बेहतर बनाने में मदद करते हैं. इसी वजह से, इन्हें डाइट का एक अहम हिस्सा माना जाता है.

दिल की सेहत के लिए कैसे फायदेमंद?

यह दिल की सेहत बनाए रखने में मदद कर सकता है.

यह खून में ट्राइग्लिसराइड का लेवल कम करने में मदद कर सकता है.

हेल्दी लाइफ़स्टाइल के साथ मिलकर, यह नॉर्मल ब्लड प्रेशर बनाए रखने में मदद कर सकता है.

यह शरीर में सूजन से जुड़े शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है.

कोरल रीफ वाली मछलियों में सावधानी बरतें

कोरल रीफ़ में रहने वाली सभी मछलियां खाने के लिए सुरक्षित नहीं होती हैं. कुछ बड़ी शिकारी रीफ़ मछलियों में 'सिगुएटेरा पॉइज़निंग' का खतरा हो सकता है, जो समुद्री ज़हरीले पदार्थों (टॉक्सिन्स) के कारण होता है. इसलिए, केवल भरोसेमंद स्रोतों से मिली और सुरक्षित मानी जाने वाली मछलियों का ही सेवन करें.

मछली पकाने का सही तरीका

दिल की सेहत के लिए, मछली को डीप-फ्राई करने के बजाय ग्रिल, स्टीम या बेक करना बेहतर होता है. इससे शरीर में ज़्यादा तेल नहीं जाता और मछली के ज़्यादातर पोषक तत्व भी बने रहते हैं।

शेखर सुमन के सिक्स पैक ने शाहरुख खान को कर दिया था शॉक, 40 के बाद आप भी ऐसे बना सकते हैं कट-टू-कट मसल्स

शेखर सुमन 60 के हो चुके हैं लेकिन 40 की उम्र के बाद उन्होंने ऐसा 6 पैक्स बनाया था जिसे देख शाहरूख खान और हृतिक रोशन भी दंग रह गए थे. ये बात शेखर सुमन ने खुद बताई है. लेकिन क्या 40 के बाद 6 पैक्स बनाना संभव है. अगर सही वर्क आउट और सही लाइफस्टाइल हो तो 40 के बाद भी ऐसा संभव है. पर कैसे, आइए इसके बारे में जानते हैं.

शेखर सुमन 63 साल के हैं लेकिन उनकी कद-काठी को देखते हुए उनकी उम्र का अंदाजा शायद ही कोई लगा पाए. आज भी उनके 6 पैक युवाओं की तरह दिखते हैं. हाल में एक पॉडकास्टर के साथ इंटरव्यू में शेखर सुमन ने एक रहस्योदघाटन करते हुए बताया कि आज से 20 साल पहले जब शाहरूख खान ने उनके 6 पैक एब्स को देखा था तो वे दंग रह गए थे. यह वह समय था जब 6 पैक एब्स बहुत बड़ी चीज थी और युवाओं में इसके प्रति दीवानगी बढ़ती जा रही थी. लेकिन शेखर सुमन तब 40 साल की उम्र को क्रॉस कर चुके थे. मेडिकली देखें तो 40 के बाद शरीर में मसल्स का ग्रोथ बहुत मुश्किल हो जाता है. इसके बावजूद शेखर सुमन ने कठिन मेहनत कर 6 पैक एब्स से सबको हैरान कर दिया था. अब सवाल है कि क्या 40 के बाद 6 पैक एब्स बनाना सबके लिए आसान है.

इस तरह रहा शेखर सुमन के 6 पैक जर्नी

इससे पहले कि 40 के बाद मसल्स के ग्रोथ के बारे में जानें, शेखर सुमन के सिक्स पैक के बारे में थोड़ा जानते हैं. शेखर सुमन ने कर्ली टेल्स पॉडकास्ट में बताया कि उन्होंने साल 2010-11 में ही सिक्स-पैक एब्स बना लिए थे।

न पासपोर्ट का झंझट, न महंगा वीजा! सिर्फ 50 हजार में करें विदेश यात्रा, ये 7 देश हैं भारतीयों की पहली पसंद

विदेश घूमने का सपना अक्सर वीजा की लंबी प्रक्रिया और महंगे खर्च की वजह से अधूरा रह जाता है. लेकिन अगर आप सोचते हैं कि इंटरनेशनल ट्रिप का मतलब लाखों रुपये खर्च करना है, तो अब यह धारणा बदल सकती है. एशिया में कई ऐसे खूबसूरत देश हैं, जहां भारतीय नागरिक बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं. अच्छी बात यह है कि इन जगहों के राउंड-ट्रिप हवाई किराए भी 50,000 रुपये से कम में मिल सकते हैं. हाल के महीनों में कुछ देशों ने भारतीयों के लिए अपने एंट्री नियमों में बदलाव किए हैं. थाईलैंड ने वीजा-मुक्त रहने की अवधि कम की है, जबकि मलेशिया ने अपनी वीजा-मुक्त सुविधा को 2026 के आखिर तक बढ़ा दिया है.

भारतीय यात्रियों के लिए बजट फ्रेंडली वीजा-मुक्त देश विदेश यात्रा की योजना बनाते समय सबसे पहले वीजा और फ्लाइट का खर्च देखा जाता है, अगर दोनों में राहत मिल जाए तो ट्रिप और भी आसान हो जाती है. यही वजह है कि वीजा-मुक्त देशों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है

नेपाल: बिना वीजा, बिना समय सीमा नेपाल भारतीयों के लिए सबसे आसान विदेशी यात्रा वाले देशों में गिना जाता है. नई दिल्ली से काठमांडू की राउंड-ट्रिप फ्लाइट करीब 15,660 रुपये में मिल सकती है. यहां वीजा की जरूरत नहीं होती और ठहरने की कोई तय समय सीमा भी नहीं है. काठमांडू की सांस्कृतिक विरासत, पोखरा की झीलें और चितवन नेशनल पार्क हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं.

मलेशिया: 2026 तक वीजा-मुक्त सुविधा अगर आप स्वादिष्ट खाने, आधुनिक शहर और प्राकृतिक सुंदरता का मिश्रण चाहते हैं, तो मलेशिया आपके लिए अच्छा विकल्प है. भारतीय नागरिकों को 31 दिसंबर 2026 तक वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा मिलेगी. हैदराबाद से कुआलालंपुर का राउंड-ट्रिप किराया लगभग 22,374 रुपये तक मिल सकता है. यहां कैमरून हाइलैंड्स, लैंगकॉवी और बोर्नियो जैसे पर्यटन स्थल अलग-अलग अनुभव देते हैं.

थाईलैंड: छोटी छुट्टियों के लिए शानदार विकल्प थाईलैंड भारतीय पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में शामिल है।

अब भारतीय नागरिक यहां 30 दिनों तक बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं. चेन्नई से बैंकॉक का राउंड-ट्रिप किराया अक्सर बजट में मिल जाता है. बैंकॉक के मंदिर, स्ट्रीट मार्केट, चियांग माई के पहाड़ और फुकेत, क्राबी व कोह समुई जैसे द्वीप हर तरह के यात्रियों को पसंद आते हैं, अगर आपके पास एक सप्ताह की छुट्टी है, तो थाईलैंड बेहतरीन विकल्प हो सकता है.

भूटान: सुकून और प्राकृतिक सुंदरता का संगम भूटान उन देशों में है, जहां पर्यटन को सीमित और संतुलित रखा जाता है. भारतीय नागरिक बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं।

हालांकि आगमन पर एंट्री परमिट लेना होता है. कोलकाता से पारो की फ्लाइट लगभग 38,041 रुपये में उपलब्ध हो सकती है. शांत वातावरण, बौद्ध मठ और हरे-भरे पहाड़ इस देश को खास बनाते हैं.

फिलीपींस: समुद्र प्रेमियों के लिए स्वर्ग अगर आपको बीच, नीला समुद्र और एडवेंचर पसंद है, तो फिलीपींस बेहतरीन जगह है. भारतीय नागरिक 14 दिनों तक बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं. चेन्नई से एंजिल्स का राउंड-ट्रिप किराया लगभग 27,015 रुपये तक मिल सकता है. पलावन, बोहोल और सियारगाओ जैसे द्वीप दुनिया के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में गिने जाते हैं।

दुनिया का सबसे भारी फल कौन-सा है? बनती है टेस्टी सब्जी भी, सेहत के लिए तो बेहद फायदेमंद

कटहल सिर्फ स्वादिष्ट सब्जी ही नहीं, बल्कि पेड़ पर उगने वाला दुनिया का सबसे भारी फल भी माना जाता है. इसका वजन कई बार 40 से 50 किलोग्राम तक पहुंच सकता है. जानिए आखिर यह फल इतना खास क्यों है और इसे खाने से सेहत को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं.

दुनिया में फलों की हजारों किस्में पाई जाती हैं. कुछ अपने स्वाद के लिए मशहूर हैं, तो कुछ आकार और वजन की वजह से लोगों का ध्यान खींचते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि पेड़ पर लगने वाला दुनिया का सबसे भारी फल कौन-सा है? दिलचस्प बात यह है कि इस फल की सब्जी भी बड़े चाव से खाई जाती है और पोषण के मामले में भी इसे काफी अच्छा माना जाता है.

अगर आप सोच रहे हैं कि दुनिया का सबसे भारी फल तरबूज होगा, तो ऐसा नहीं है. पेड़ पर उगने वाले फलों में कटहल (Jackfruit) को दुनिया का सबसे भारी फल माना जाता है. इसका वैज्ञानिक नाम Artocarpus heterophyllus है. आमतौर पर एक कटहल का वजन 5 से 20 किलोग्राम के बीच होता है, लेकिन अनुकूल परिस्थितियों में यह 40 से 50 किलोग्राम या इससे भी अधिक वजन का हो सकता है. यही वजह है कि इसे दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे भारी ट्री-बोर्न फ्रूट (Tree-borne Fruit) कहा जाता है.

कटहल का पेड़ भी काफी मजबूत होता है. इसका फल अक्सर तने या मोटी शाखाओं से जुड़ा होता है।

क्या आकर्षक दिखने वाले लोग खुद को खूबसूरत नहीं मानते? विज्ञान में क्या है इसकी असली वजह

क्या आपने कभी सोचा है कि कई खूबसूरत दिखने वाले लोग खुद को उतना अच्छा क्यों नहीं मानते? इसकी वजह बचपन के अनुभव, आत्मविश्वास, सामाजिक तुलना और दिमाग में बनी अपनी छवि होती है. जानिए मनोविज्ञान इस दिलचस्प सवाल का क्या जवाब देते हैं.

क्या आपने कभी ऐसे लोगों को देखा है जिन्हें हर कोई उनकी पर्सनैलिटी और खूबसूरती पर कॉम्?ᑭ?लीमेंट देते हैं, लेकिन वे खुद को बिल्कुल साधारण समझते हैं? सुनने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन मनोविज्ञान कहता है कि ऐसा होना कोई बड़ी बात नहीं है. दरअसल, हम अपनी खूबसूरती सिर्फ आईने में दिखकर नहीं तय करते हैं, बल्कि बचपन के अनुभव, आत्मविश्वास, दूसरों से तुलना और मन में बनी अपनी छवि भी इसे प्रभावित करती है. यही वजह है कि कई बार दुनिया जिस इंसान को बेहद आकर्षक मानती है, वही खुद अपनी खूबसूरती पर भरोसा नहीं कर पाता. आखिर इसके पीछे विज्ञान क्या कहता है, आइए जानते हैं.

बचपन की बातों का असर

विशेषज्ञों के अनुसार, इंसान अपने बारे में जो राय बनाता है, उसकी शुरुआत बचपन से ही हो जाती है. अगर किसी को स्कूल के दिनों में उसके रंग, वजन, चेहरे या लुक्स को लेकर चिढ़ाया गया हो, तो उसका असर कई सालों तक बना रह सकता है. समय के साथ उसका लुक बदल जाए, फिटनेस बेहतर हो जाए या लोग उसकी तारीफ करने लगें, फिर भी वह खुद को उसी पुराने नजरिए से देखता रहता है. इसलिए कई आकर्षक लोगों को अपनी खूबसूरती पर भरोसा नहीं होता.

तारीफ सुनकर भी नहीं होता यकीन

हर किसी को तारीफ अच्छी लगती है, लेकिन जिन लोगों का आत्मविश्वास कमजोर होता है, वे तारीफ को भी आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते. अगर कोई कहे, 'आप बहुत अच्छे लग रहे हैं', तो ऐसे लोग सोचने लगते हैं कि सामने वाला सिर्फ शिष्टाचार निभा रहा है. कुछ लोग अपनी किसी एक कमी पर इतना ध्यान देते हैं कि बाकी सारी खूबियां उन्हें नजर ही नहीं आतीं. ।

जैसे किसी को लगता है कि उसकी नाक ठीक नहीं है, बाल अच्छे नहीं हैं या चेहरे पर दाग है. ऐसे में वह अपनी पूरी पर्सनैलिटी की बजाय सिर्फ उसी कमी को देखता रहता है.

सोशल मीडिया बढ़ा रहा है तुलना की आदत

आज के समय में सोशल मीडिया भी इस सोच को बढ़ाने का बड़ा कारण बन गया है. लोग अपनी तुलना फिल्मी सितारों, मॉडल्स और फिल्टर लगी तस्वीरों से करने लगते हैं. जबकि उन तस्वीरों में एडिटिंग, मेकअप और प्रोफेशनल लाइटिंग का बड़ा रोल होता है. जब कोई इंसान हर दिन ऐसी तस्वीरें देखता है, तो उसे अपनी असली तस्वीर साधारण लगने लगती है. यही वजह है कि आकर्षक लोग भी कई बार खुद को खास नहीं मानते।

महिलाओं का सम्मान उनके कपड़ों से नहीं, उनकी पहचान से होना चाहिए : निधि शेट्टी

मुंबई। टीवी शो 'अनुपमा' में प्रेरणा के किरदार में अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री निधि शेट्टी इन दिनों शो के मौजूदा ट्रैक को लेकर चर्चा में हैं। निधि का मानना है कि 'अनुपमा' सिर्फ मनोरंजन नहीं करता, बल्कि समाज में मौजूद कई ऐसी सोच पर भी सवाल उठाता है, जिनका सामना आज भी महिलाएं अपने रोजमर्रा के जीवन में करती हैं।

निधि शेट्टी ने कहा, 'अनुपमा दर्शकों के दिलों तक इसलिए पहुंचता है क्योंकि इसकी कहानी काल्पनिक कम और वास्तविक जीवन के ज्यादा करीब होती है। शो में दिखाई जाने वाली परिस्थितियां वही हैं, जिनका सामना आज भी देश के कई परिवारों में महिलाएं करती हैं। प्रेरणा के किरदार के जरिए ऐसे मुद्दों को सामने लाया जा रहा है, जिन पर समाज में खुलकर बात होना जरूरी है।'

उन्होंने आगे कहा, ''अगर इस शो को देखने के बाद कुछ लोग भी अपनी सोच बदलने की कोशिश करें या महिलाओं को लेकर बने पुराने नजरिए पर दोबारा विचार करें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी। एक कलाकार के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना हमेशा खुशी देता है, जो सिर्फ मनोरंजन न करे, बल्कि समाज को सोचने पर भी मजबूर करे।''

शो के हालिया एपिसोड में प्रेरणा एक सीन में परिवार के सामने अपनी बात मजबूती से रखती है। इस बारे में बात करते हुए निधि ने कहा, ''मैंने इस सीन में गुस्से से ज्यादा प्रेरणा की भावनाओं पर ध्यान दिया। वह अपने कपड़ों के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि इसलिए आवाज उठा रही है, क्योंकि वह बार-बार अपनी निजी पसंद को लेकर जज किए जाने से थक चुकी है। उसे सबसे ज्यादा इस दोहरे मापदंड ने तकलीफ पहुंचाई कि जो बातें एक बेटी के लिए सामान्य मानी जाती हैं, वही बहू के लिए सवाल बन जाती हैं।''

निधि ने बताया कि यह स्थिति केवल टीवी की कहानी नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन का भी हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''आज भी कई महिलाएं ऐसे दोहरे मापदंड का सामना करती हैं। किसी महिला का सम्मान इस बात से तय नहीं होना चाहिए कि वह क्या पहनती है या परिवार में उसकी क्या भूमिका है। हर महिला को अपनी पसंद से जीवन जीने और अपने फैसले लेने का अधिकार है। सम्मान उसके कपड़ों या रिश्तों के आधार पर नहीं, बल्कि एक इंसान होने के नाते मिलना चाहिए।''

अभिनेत्री ने कहा, ''यह मुद्दा मेरे निजी जीवन से भी जुड़ा रहा है। एक अभिनेत्री और कंटेंट क्रिएटर होने के कारण मुझे भी कई बार सिर्फ तस्वीरों या सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर जज किया गया। लोग अक्सर आपको जाने बिना ही आपके बारे में राय बना लेते हैं। कई बार मुझे भी मेरे पहनावे की वजह से आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन समय के साथ मैंने समझ लिया कि हर किसी को खुश करना संभव नहीं है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान खुद के साथ सहज और आत्मविश्वासी रहे।''

इन दिनों 'अनुपमा' की कहानी में प्रेरणा अपने परिवार की संपत्ति में अपना हिस्सा मांगती नजर आ रही है। इस ट्रैक को लेकर भी सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हालांकि निधि का कहना है, ''इस कहानी को गलत तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए। प्रेरणा अब ऐसी स्थिति में पहुंच चुकी है, जहां वह सम्मान के साथ जीना चाहती है। संपत्ति में अपना हिस्सा मांगने का उद्देश्य लालच नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षित भविष्य है।

'हसल 5' में बादशाह की धमाकेदार वापसी, बोले- सिर्फ एआई प्रॉम्प्ट से असली हुनर नहीं मिलता

विश्व केसरी

मुंबई। मशहूर रैपर बादशाह लोकप्रिय रैप शो हसल के पांचवें सीजन में वापसी करने के लिए तैयार हैं। इस सीजन में वे रैप सुप्रीमो के रूप में नजर आएंगे। 'हसल 5' के मेकर्स ने वीडियो के जरिए बादशाह की वापसी का ऐलान किया है।

जारी किए गए वीडियो में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बना बादशाह का एक वर्जन खुद को सबसे बेहतरीन रैप सुप्रीमो बताता है। लेकिन तभी असली बादशाह आते हैं और दमदार अंदाज में कहते हैं, 'सिर्फ प्रॉम्प्ट से यह नहीं हो पाएगा!' 'हसल 5' गाइज, चलो इसे असली ही रहने देते हैं। बादशाह ने बताया कि वे 'हसल' स्टेज के जरिए आने वाली पीढ़ी की निडर आवाजों की खोज में हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आने वाली पीढ़ी की निडर, कल्चरल रूप से सच्ची आवाजों को खोजने के लिए 'हसल 5' स्टेज पर वापसी करके काफी खुश हूं। मैं आपको 'हसल 5' के स्टेज पर मिलूंगा।

रैपर का मानना है कि टेक्नोलॉजी से हर चीज में बदलाव आ सकता है लेकिन एक कलाकार की नकल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, 'इमोशन, हिम्मत और सच्चाई एक कलाकार की असली पहचान है, जिसे न तो कोई बदल सकता है और न ही कॉपी कर सकता है। यही 'हसल' की जान है।

'हसल 5', 8 अगस्त से जियो हॉटस्टार और एमटीवी इंडिया पर स्ट्रीम किया जाएगा। बता दें कि 'एमटीवी हसल' भारत का पहला और सबसे लोकप्रिय रैप/हिप-हॉप रियलिटी शो है। यह बाकी डांस और सिंगिंग शो से अलग है।

इस शो में पूरे देश से चुने गए उभरते हुए रैपर्स आपस में मुकाबला करते हैं। जजेस और मेंटर्स (स्क्वाड बॉस) की निगरानी में प्रतियोगियों को हर हफ्ते नए विषय दिए जाते हैं, जिन पर उन्हें अपना ओरिजिनल रैप लिखकर परफॉर्म करना होता है। उनके लिखे बोल, फ्लो और स्टेज परफॉर्मेंस के आधार पर उन्हें अंक मिलते हैं। 2019 में अपनी शुरुआत के बाद से, इस शो ने देश के अंडरग्राउंड रैप कल्चर को मुख्यधारा में लाने और कई बेहतरीन देसी रैपरों को इंडस्ट्री को सौंपने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है।

फैशन डिजाइनर रश्मि आर्या ने 'शिव शंभु शंकरा' से किया सिंगिंग डेब्यू

मुंबई। पवित्र श्रावण मास की शुरुआत से पहले टी-सीरीज ने भगवान शिव को समर्पित नया भक्ति गीत 'शिव शंभु शंकरा' रिलीज किया है। इस गीत के जरिए फैशन डिजाइनर रश्मि आर्या ने गायिका के रूप में अपना डेब्यू किया है।

गीत का संगीत गुरु शर्मा ने तैयार किया है और इसका निर्देशन भी उन्होंने ही किया है। गीत के सह-निर्माता गुरप्रीत चड्ढा और निवेश हैं। गीत के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान सह-निर्माता गुरप्रीत चड्ढा ने रश्मि के डेब्यू के पीछे की कहानी बताई।

उन्होंने कहा, 'कुछ महीने पहले रश्मि और मैं जिम में ट्रेडमिल पर वर्कआउट कर रहे थे। उसी दौरान रश्मि ने मुझसे कहा कि उन्हें गाना गाना बहुत पसंद है और वह एक गीत रिकॉर्ड करना चाहती हैं। जब मैंने उनसे कुछ गाकर सुनाने को कहा तो उनकी एक लाइन सुनकर मैं हैरान रह गया। उनकी आवाज में अलग ही मिठास थी। मुझे हमेशा नए कलाकारों और प्रतिभाओं को अवसर देने में खुशी मिलती है, इसलिए मैंने उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने की सलाह दी। गुरप्रीत चड्ढा ने बताया कि इसके बाद उन्होंने रश्मि की मुलाकात निर्देशक गुरु शर्मा से कराई। पूरी टीम ने मिलकर तय किया कि रश्मि का पहला गीत भगवान शिव को समर्पित भजन होगा, ताकि उनकी नई यात्रा की शुरुआत ईश्वर के आशीर्वाद के साथ हो सके। उन्होंने ऋषिकेश की दुर्गम पहाड़ियों और नदी तटों पर हुई शूटिंग के दौरान रश्मि के समर्पण और मेहनत की भी सराहना की।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुई यामी गौतम, कहा- 'सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा'

विश्व केसरी

मुंबई । अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया।

दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया।

अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।'

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।

बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।

फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है।

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए।

'मुझे लगा, अब यह मेरी जगह नहीं रही', रियलिटी शो से दूरी बनाने की सुनिधि चौहान ने बताई वजह

मुंबई। अपनी दमदार आवाज और शानदार गायिकी से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली मशहूर सिंगर सुनिधि चौहान ने फिल्मों में एक से बढ़कर एक हिट गाने दिए। उन्होंने कई सिंगिंग रियलिटी शोज में जज की भूमिका भी निभाई। हालांकि, पिछले कुछ सालों से उन्होंने ऐसे शोज से दूरी बनाई हुई है। ऐसे में उनके फैंस सोशल मीडिया पर इसकी वजह लगातार पूछ रहे है, लेकिन अब सुनिधि ने खुद इस सवाल का जवाब दिया है।

अभिनेता शेखर सुमन के चैट शो 'शेखर टुनाइट' में उन्होंने खुलकर बताया कि आखिर किस वजह से उन्होंने जज की कुर्सी छोड़ने का फैसला किया।

बातचीत के दौरान शो को होस्ट शेखर सुमन ने बताया कि सुनिधि चौहान हमेशा विवादों से दूर रही हैं। पहले वह कई सिंगिंग रियलिटी शोज में बतौर जज नजर आती थीं, लेकिन अब काफी समय से उन्होंने ऐसे शोज से दूरी बना ली है। इस पर सुनिधि ने कहा कि यह फैसला किसी और का नहीं, बल्कि पूरी तरह उनका अपना था।

सुनिधि ने कहा, ''मैं बहुत लंबे समय तक रियलिटी शोज का हिस्सा रही, लेकिन फिर मुझे लगा कि अब यह मेरी जगह नहीं है। इसलिए मैंने खुद ही ऐसे शोज करना बंद कर दिया।

'लॉक अपः सच या सजा' में धीरज धूपर पर लगा नियम तोड़ने का आरोप, रितेश देशमुख ने दी आखिरी चेतावनी

विश्व केसरी

मुंबई । रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' के लोकप्रिय कंटेस्टेंट और अभिनेता धीरज धूपर उस वक्त चर्चा में आ गए, जब होस्ट रितेश देशमुख ने उनके परिवार पर शो के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। रितेश ने खुलासा किया कि धीरज के परिवार की ओर से कथित तौर पर शो के अंदर गेम से जुड़ी स्ट्रैटेजी वाली चिट भेजने की कोशिश की गई थी। उन्होंने इसे शो के नियमों के खिलाफ बताया और धीरज को सख्त चेतावनी भी दी।

हालिया एपिसोड में रितेश देशमुख ने इस मामले को लेकर धीरज धूपर से सीधे सवाल किए। उन्होंने बताया कि शो के मेकर्स को कई बार इस बात की जानकारी मिली कि धीरज के परिवार की तरफ से हाथ से लिखे हुए छोटे नोट्स भेजने की कोशिश की जा रही थी। इन नोट्स में गेम को बेहतर तरीके से खेलने और जीतने की रणनीतियों से जुड़ी बातें लिखी हुई थीं। रितेश ने साफ किया कि 'लॉक अपः सच या सजा' जैसे रियलिटी शो में हर प्रतियोगी को अपना खेल खुद खेलना होता है और बाहर से किसी भी तरह की मदद लेना नियमों के खिलाफ है।

धीरज से बात करते हुए रितेश ने कहा, 'हम किसी भी परिवार के सदस्य को कंटेस्टेंट्स से मिलने की अनुमति नहीं देते। हालांकि, मानवीय आधार पर हमने आपके बेटे को आपसे मिलने की इजाजत दी थी। उस दिन भी आपके परिवार की तरफ से शो के अंदर चिट पहुंचाने की कोशिश की गई थी। हमने उस समय इस बात को ज्यादा तूल नहीं दिया और जाने दिया। लेकिन एक बार फिर आपके सामान के साथ आपके परिवार ने जीतने की स्ट्रैटेजी वाली चिट भेजने की कोशिश की।'

रितेश ने धीरज को समझाते हुए कहा, 'शो में सभी कंटेस्टेंट्स को अपनी समझ, सोच और क्षमता के आधार पर गेम खुद खेलना होता है। किसी भी तरह की बाहरी मदद शो की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है। यह आपको आखिरी चेतावनी है, अगर भविष्य में इस तरह की कोई गलती दोहराई गई तो आपके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद धीरज धूपर काफी शर्मिंदा नजर आए। उन्होंने रितेश देशमुख से माफी मांगी और कहा कि उन्हें इस घटना की कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कभी भी अपने परिवार से बाहर से मदद मांगने के लिए नहीं कहा और वह खुद अपने दम पर गेम खेलना चाहते हैं।

नूरिस्तान में भीषण बाढ़ से 20 लोगों की मौत और 80 घायल, 100 लापता

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत स्थित पारून शहर में आई भीषण बाढ़ से 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से अधिक लोग घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

तालिबान अधिकारियों के एक बयान का हवाला देते हुए अफगानिस्तान की समाचार एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि पारून और आसपास के इलाकों में आई बाढ़ के बाद अभी भी 100 से अधिक लोग लापता हैं।

तालिबान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि नूरिस्तान के पारून और कई अन्य क्षेत्रों में भारी बाढ़ ने व्यापक नुकसान पहुंचाया है। इस आपदा की जद में बड़ी संख्या में लोग आए और संपत्ति की भारी हानि हुई है।

प्राधिकरण के सूचना एवं प्रकाशन प्रमुख और प्रवक्ता हाफिज मोहम्मद यूसुफ हमद ने बताया कि स्थिति का आकलन करने, लापता लोगों की तलाश करने और नुकसान का पता लगाने के लिए विशेष टीमें प्रभावित इलाकों में भेजी गई हैं।

बाढ़ के कारण कई आवासीय घर, कृषि भूमि और दुकानें क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। हमद ने कहा कि बचाव और खोज अभियान जारी रहने के कारण मृतकों और घायलों की संख्या में बदलाव हो सकता है।

खामा प्रेस के अनुसार, 100 से अधिक लोगों के लापता होने की सूचना के बाद अधिकारियों को आशंका है कि बचाव अभियान आगे बढ़ने के साथ मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। बचाव दल बाढ़ में बह गए लोगों और जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं।

नूरिस्तान में भारी बारिश के बाद यह बाढ़ आई। क्षेत्र का पहाड़ी भूभाग और सीमित सड़क संपर्क बचाव कार्यों में बड़ी चुनौती पैदा कर रहे हैं। अफगानिस्तान पहले से ही भूस्खलन, सूखा और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं के प्रति बेहद संवेदनशील देश है। कमजोर बुनियादी ढांचे और राहत कार्यों में कठिनाइयों के कारण प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव यहां अधिक गंभीर हो जाता है। इससे पहले मई महीने में भी अफगानिस्तान के कंधार, हेरात, घोर और तखार प्रांतों में तेज हवाओं और आंधी-तूफान के कारण छह लोगों की मौत हो गई थी और 11 अन्य घायल हुए थे।

अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएनडीएमए) के अनुसार, उस दौरान तेज हवाओं और तूफान के कारण सड़कें, कुएं, कृषि भूमि, पेड़ और सैकड़ों सौर पैनल नष्ट हो गए थे।

जापान में पहली बार दर्ज हुआ 'कोकुशोबी' दिन, तीन शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान में मंगलवार को भीषण गर्मी का नया रिकॉर्ड दर्ज किया गया। देश के मध्य हिस्से के तीन शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसके साथ ही जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) की ओर से इस साल की शुरुआत में पेश किए गए नए शब्द 'कोकुशोबी' के तहत देश का पहला 'अत्यंत गर्म दिन' आधिकारिक रूप से दर्ज हुआ।

क्योडो न्यूज एजेंसी ने जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से बताया कि एक हाई-प्रेशर सिस्टम के कारण पूरे जापानी द्वीपसमूह के बड़े हिस्से में गर्म हवा का प्रभाव बढ़ गया। इसके चलते गिफू प्रांत के ताजिमी शहर में तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस, गुजो शहर में 40.0 डिग्री सेल्सियस और आइची प्रांत के टोयोदा शहर में 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम एजेंसी ने अप्रैल में 'कोकुशोबी' शब्द को शामिल किया था। इसका इस्तेमाल उन दिनों के लिए किया जाता है जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक पहुंच जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को अत्यधिक गर्मी के खतरों के प्रति पहले से अधिक प्रभावी तरीके से सचेत करना है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बुधवार से देश के कई हिस्सों में तापमान ऊंचा बना रह सकता है। एजेंसी ने लोगों से हीट स्ट्रोक और गर्मी से जुड़ी अन्य बीमारियों से बचने के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। जापान के कुल 914 मौसम निगरानी केंद्रों में से मंगलवार दोपहर 3 बजे तक 731 केंद्रों पर अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। इनमें से 272 स्थानों पर तापमान इतना अधिक रहा कि उन्हें 'मोशोबी ', यानी 'अत्यधिक गर्म दिन' की श्रेणी में रखा गया।

हालांकि, अलग से वर्गीकृत किए गए 'कोकुशोबी' दिनों को इसमें शामिल नहीं किया गया। मौसम एजेंसी के अनुसार, रविवार के आसपास से उच्च दबाव प्रणाली ने जापान के बड़े हिस्से को प्रभावित करना शुरू किया।

संक्षिप्त खबर

भारतवंशी कनिष्क नारायण बने ब्रिटेन के एआई मंत्री

विश्व केसरी

लंदन। भारतीय मूल के ब्रिटिश सांसद कनिष्क नारायण को ब्रिटेन सरकार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई मंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें कैबिनेट ऑफिस और डिपार्टमेंट फॉर बिजनेस, इनोवेशन, साइंस एंड ट्रेड में संयुक्त रूप से राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वह अब ब्रिटिश कैबिनेट की बैठकों में भी हिस्सा लेंगे। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के एक्स अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी गई। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने बिहार नारायण को कैबिनेट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह नियुक्ति सरकार की एआई नीति और इस तकनीक के महत्व को लेकर उसकी प्राथमिकताओं को दर्शाती है। नियुक्ति के बाद कनिष्क नारायण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कहा कि एआई मानव इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक हो सकती है और इसका प्रभाव अन्य सभी तकनीकी बदलावों से कहीं अधिक व्यापक होगा। उन्होंने कहा, 'एआई का सकारात्मक प्रभाव बेहद व्यापक हो सकता है, जिसमें ब्रिटेन का पुन: औद्योगिकीकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती और सार्वजनिक सेवाओं में बड़ा बदलाव शामिल है।' हालांकि, उन्होंने एआई से जुड़े जोखिमों को भी स्वीकार किया। नारायण ने कहा कि नौकरियों, बदलाव की गति और समाज पर इसके प्रभाव को लेकर ब्रिटिश जनता की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

ट्रंप के नए 50 प्रतिशत टैरिफ पर कनाडा के पीएम कार्नी ने जताई बातचीत की इच्छा

विश्व केसरी

कनाडा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कनाडा के कई सामानों पर 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। अमेरिकी सरकार की ओर से की गई इस कार्रवाई को लेकर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि कनाडा के लोगों के फायदे के लिए अमेरिका के साथ इन मुद्दों पर बातचीत करने को तैयार हैं। पीएम कार्नी की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया, अमेरिकी सरकार ने आज कई कनाडाई सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का अपना इरादा जाहिर किया है। यह अमेरिका के एकतरफा व्यापारिक कार्रवाई की कड़ी का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत अमेरिका द्वारा कनाडा-यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको एग्रीमेंट (सीयूएसएमए) का सीधा उल्लंघन करते हुए कई टैरिफ लगाने से हुई थी, जो कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको के बीच मुक्त व्यापार समझौता है। उन्होंने कहा कि इनमें सीयूएसएमए का उल्लंघन करते हुए कनाडाई ऑटो सेक्टर पर टैरिफ लगाना शामिल है। कनाडा ने, जैसा कि उसका अधिकार है, बस उन उपायों का पालन किया है। इन उपायों और कनाडाई संप्रभुता के लिए खतरों के जवाब में, प्रांत, क्षेत्र और तट से तट तक के कनाडाई एक साथ खड़े हुए हैं और हमारी अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और हमारे मजदूरों, किसानों, व्यवसायों और परिवारों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के आसमान में दिखेगा राफेल का दम, आईएएफ की टीम ने पीएम अल्बनीज से की मुलाकात

विश्व केसरी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के आसमान में भारत के राफेल का दम देखने को मिलेगा। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की टुकड़ी ने डार्विन में एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 के उद्घाटन समारोह के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की।

एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 एक मल्टीनेशनल एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज है जो हर दो साल में होती है और इसमें 19 देशों की वायुसेना एक साथ आती हैं। यह इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने और ऑपरेशनल सहयोग को मजबूत करने का एक खास मौका देती है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'समुद्र तल से आसमान तक, भारत ऑस्ट्रेलिया रक्षा संबंध शान से आसमान छूने के लिए तैयार हैं! हमारी भारतीय वायु सेना की टीम को डार्विन में एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 की ओपनिंग सेरेमनी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से बातचीत करने का मौका मिला। इसमें आगे कहा गया, आईएएफ के करीब 100 वायु सैनिकों के साथ चार राफेल एयरक्राफ्ट, ऑस्ट्रेलिया में हो रही एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 में 20 दूसरे देशों के पार्टिसिपेंट्स के साथ अपनी एयर कॉम्बैट स्किल्स को बेहतर बना रहे हैं, जो दक्षिणी गोलार्ध में सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज है।इससे पहले 17 जुलाई को, आईएएफ की टुकड़ी एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची। भारतीय वायु सेना की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह एक्सरसाइज ऑपरेशनल तालमेल को बेहतर बनाएगी और बेस्ट प्रैक्टिस के लेन-देन को आसान बनाएगी। रविवार को रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '20 जुलाई 2026 से 07 अगस्त 2026 तक होने वाली एक्सरसाइज पिच ब्लैक, आरएएएफ की सबसे अच्छी, हर दो साल में होने वाली मल्टीनेशनल एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज है। इस एक्सरसाइज का नाम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के बड़े, कम आबादी वाले इलाकों में रात में उड़ान भरने पर जोर देने से पड़ा है।' इसमें आगे कहा गया, 'इस एक्सरसाइज के 45 साल के लंबे इतिहास में, इस एडिशन में बड़ी संख्या में सेनाएं हिस्सा ले रही हैं, जो मुश्किल लार्ज फोर्स एम्प्लॉयमेंट और मल्टीनेशनल एयर कॉम्बैट ऑपरेशन के लिए मिलिट्री के लोगों को एक साथ ला रही हैं।

सीडीएस राजा सुब्रमणि और फ्रांसीसी समकक्ष के बीच रणनीतिक वार्ता, रक्षा संबंधों को मिलेगी नई मजबूती

विश्व केसरी

नई दिल्ली/पेरिस। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), जनरल एन. एस राजा सुब्रमणि ने मंगलवार को नई दिल्ली में अपने फ्रांसीसी समकक्ष जनरल (एयर) फैबियन मैंडन के साथ रणनीतिक वार्ता की, क्योंकि भारत और फ्रांस प्रमुख क्षेत्रों में रक्षा संबंधों को मजबूत करना जारी रखे हुए हैं।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) के हेडक्वार्टर के मुताबिक, नेशनल वॉर मेमोरियल पर सेरेमोनियल गार्ड ऑफ ऑनर और श्रद्धांजलि के बाद दोनों जनरलों ने कई जरूरी सेक्टर में भारत-फ्रांस डिफेंस रिश्तों को और मजबूत करने के लिए रणनीतिक बातचीत की।

फ्रांस के सुरक्षा बलों के प्रमुख डिफेंस स्टाफ ने दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग पर जोर दिया और सीडीएस सुब्रमणि को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद भी दिया।

फ्रेंच सीडीएस के ऑफिस ने एक्स पर पोस्ट किया, भारतीय सुरक्षा बलों के प्रमुख जनरल राजा सुब्रमणि से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। फ्रांस और भारतीय सेना इस इलाके में एक्सरसाइज के हिस्से के तौर पर नियमित प्रशिक्षण करती हैं, जिससे हमारे बीच भरोसे का संबंध और मजबूत होता है। बयान में आगे कहा गया, हम रणनीतिक नजदीकी पर आधारित एक खास तौर पर करीबी, डायनैमिक सहयोग बनाए रखते हैं, जिसे हाल ही में वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया है। यह बदलाव हमारे दोनों देशों के बीच साझा महत्वाकांक्षा के स्तर का सबूत है। भारत के अपने मौजूदा आधिकारिक दौरे के हिस्से के तौर पर जनरल मैंडन ने सोमवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की थी।

पीओके में प्रदर्शनकारियों की मौतों के बाद तनाव बढ़ा, जेएसीसी ने 23 जुलाई को बताया निर्णायक दिन

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने मंगलवार को कहा कि स्वैच्छिक बंद और चक्का जाम हड़ताल जारी है। संगठन ने 23 जुलाई को बेहद महत्वपूर्ण दिन बताते हुए लोगों से बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने की अपील की है।

जेएएसी ने लोगों से अपनी मांगों के कार्यान्वयन की मांग को लेकर पूरी ताकत के साथ प्रदर्शन में शामिल होने और आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। संगठन ने अधिकारियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग उन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने पर मारा गया। जेएएसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 45 दिनों से जारी उत्पीड़न और क्रूरता, बड़े पैमाने पर हत्याओं और शासकों द्वारा बुनियादी मानवाधिकारों के उल्लंघन के बावजूद हम कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को सलाम करते हैं। शासक उन लोगों के हत्यारे हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने के बदले में मार दिया गया। दर्जनों लोगों की हत्या की गई, लेकिन शासकों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। इसका कारण उनकी सत्ता की लालसा है। हम अपने शहीदों के खून से कोई समझौता किए बिना शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रखेंगे। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे इन चालाक और धोखेबाज शासकों के झूठे वादों में न आएं। जेएएसी ने मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील करते हुए एक्स पर लिखा, 'मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोग 23 जुलाई को पूरी ताकत के साथ विरोध प्रदर्शन करें।

नेपाल के विराटनगर इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट पर पहली कंटेनर मालगाड़ी पहुंची

विश्व केसरी

काठमांडू। पूर्वी नेपाल के विराटनगर में इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) पर सोमवार को तीसरे देशों से इंपोर्ट किया गया औद्योगिक कच्चा माल ले जाने वाली पहली मालगाड़ी (कार्गो ट्रेन) पहुंची।

चूंकि पिछले साल नेपाल-भारत ट्रांजिट संधि के प्रोटोकॉल में संशोधन किया गया था, ताकि नेपाल को विराटनगर आईसीपी पर थोक और कंटेनर कार्गो रेल सेवाओं का उपयोग करने की अनुमति मिल सके, यह पहली बार है कि भारतीय सहायता से निर्मित आईसीपी को सीधी कार्गो ट्रेन मिली है। पिछले वर्ष नेपाल-भारत पारगमन संधि के प्रोटोकॉल में संशोधन के बाद नेपाल को बिराटनगर एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) के माध्यम से बल्क और कंटेनर दोनों प्रकार की रेल माल ढुलाई सेवाओं का उपयोग करने की अनुमति मिली थी। इसके बाद भारतीय सहयोग से निर्मित बिराटनगर आईसीपी पर पहली बार सीधे मालगाड़ी पहुंची है।

बिराटनगर कस्टम्स कार्यालय के मुख्य सीमा शुल्क अधिकारी उमेश श्रेष्ठ ने आईएएनएस से कहा, 'स्वस्तिक ऑयल इंडस्ट्रीज के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाले कैनोला अनाज से भरे 40 कंटेनरों वाली मालगाड़ी सोमवार को आईसीपी पहुंची। भारतीय बंदरगाह से सीधे रेल माल सेवा की शुरुआत के उपलक्ष्य में मंगलवार दोपहर आईसीपी में एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।' यह खेप कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीओएनसीओआर) द्वारा संचालित मालगाड़ी से लाई गई। सभी कंटेनरों में इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम (ईसीटीएस) लगाया गया था, जिससे पूरे मार्ग के दौरान माल की निगरानी की जा सकी।

गुयाना नाव हादसे में अब तक 27 शव बरामद, 83 लोग लापता, 69 को किया गया रेस्क्यू

विश्व केसरी

जॉर्ज टाउन। गुयाना में नाव पलटने की एक भयावह घटना सामने आई है, जिसमें करीब 27 लोगों की मौत हो गई है। गुयाना सरकार की ओर से सोमवार (स्थानीय समय) को दी गई जानकारी के अनुसार, हफ्ते के अंत में तट के पास पलटी हुई एक नाव से 27 शव बरामद किए गए हैं। घटना के दौरान नाव पर 179 लोग सवार थे।

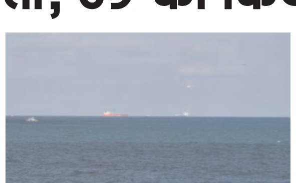

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय समयानुसार शनिवार देर रात नाव पलटने के बाद दर्जनों लोगों के मारे जाने की आशंका है। अधिकारियों ने कहा कि गलत पैसेंजर लिस्ट और क्रू के ड्रग्स लेने की वजह से यह स्थिति हुई होगी। गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स ने सोमवार को कहा कि कम से कम 69 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन 83 अभी नहीं मिले हैं। गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडगिल ने रविवार देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कैप्टन और क्रू के दूसरे सदस्य अब पुलिस कस्टडी में हैं। एडगिल ने कहा, 'सर्च और रेस्क्यू अभी जारी है। जो परिवार अपने प्रियजनों के लिए हमारे पास आए हैं, हम उन्हें ढूंढने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं।' अधिकारियों ने बताया कि एमवी बारिमा राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतुमा गांव जाते समय नॉर्थ अटलांटिक तट से लगभग सात मील दूर पलट गई। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि नाव में 133 लोग थे, लेकिन बोर्डिंग प्रक्रिया की फुटेज देखने के बाद उन्होंने पता लगाया कि उसमें 179 लोग थे। एयर ट्रैफिक कंट्रोल को शनिवार रात करीब 11 बजे घटना को लेकर एक फोन आया, जिसके बाद सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। एडगिल ने बताया कि अंधेरा होने और ऐसे जहाजों की कमी, जिनमें स्कैनर लगे हों और जो पानी में बचे लोगों की तलाश कर सकें, के कारण शुरुआती राहत एवं बचाव अभियान प्रभावित हुआ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तरी मैसेडोनिया की समकक्ष संग की अहम वार्ता

विश्व केसरी

स्कोप्जे। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तरी मैसेडोनिया की राष्ट्रपति गोर्दाना सिलियानोव्स्का-दावकोवा के साथ राजधानी स्कोप्जे स्थित विला वोड्नो में व्यापक द्विपक्षीय चर्चा की।

भारत के विदेश मंत्रालय ने एक्स प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। बताया कि दोनों ने भारत और उत्तरी मैसेडोनिया के बीच संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। राष्ट्रपति मुर्मु की यह मुलाकात भारत और उत्तरी मैसेडोनिया के बीच राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। दोनों देशों ने आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई। राष्ट्रपति मुर्मु तीन देशों के दौरे के दूसरे चरण में मोल्दोवा का दौरा सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद भारतीय समयानुसार मंगलवार को उत्तरी मैसेडोनिया पहुंची। वहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि स्कोप्जे एयरपोर्ट पर पहुंचने पर, राष्ट्रपति मुर्मु का स्वागत नॉर्थ मैसेडोनिया के विदेश मामले और विदेशी व्यापार मंत्री टिमचो मुकुंस्की ने किया। भारत के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी दी, 'यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का उत्तरी मैसेडोनिया का पहला दौरा है, जो दोनों देशों के संबंधों में बढ़ती गर्मजोशी को दिखाता है। इस दौरे से भारत-उत्तरी मैसेडोनिया के संबंध और गहरे होंगे और अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। राष्ट्रपति गोरडाना सिलजानोव्स्का-दावकोवा के निमंत्रण पर राष्ट्रपति मुर्मु 22 जुलाई तक उत्तरी मैसेडोनिया में रहेंगी। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के अलावा उनका असेंबली के अध्यक्ष से मिलने, असेंबली को संबोधित करने और भारत-नॉर्थ मैसेडोनिया बिजनेस फोरम में भाषण देने का भी शेड्यूल है।

दोनों देशों के बीच कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, विज्ञान और तकनीक, सूचना तकनीक और आईटी-इनेबल्ड सेवाओं में ज्यादा सहयोग की उम्मीद है। दौरे के आखिरी हिस्से में राष्ट्रपति निकुसोर डैन के निमंत्रण पर राष्ट्रपति मुर्मु 23 से 25 जुलाई तक रोमानिया जाएंगी।

दक्षिण दिल्ली की एक इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के लोधी रोड इलाके में एक घर में आग लगने से एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, लोधी रोड थाना क्षेत्र के बी.के. दत्त कॉलोनी स्थित बी-ब्लॉक (चावला स्वीट्स के सामने) में मंगलवार सुबह करीब 10:21 बजे आग लगने की सूचना मिली।

इसके बाद दिल्ली फायर सर्विस को सूचना दी गई और तुरंत एक वाटर टेंडर, एक वाटर बाउजर और एक बड़ा फायर टेंडर घटनास्थल पर भेजा गया। स्टेशन ऑफिसर मनोज ने सुबह करीब 10:50 बजे कंट्रोल रूम को सूचना दी कि इमारत की तीसरी मंजिल पर दो बच्चों और एक महिला का शव मिला। सुबह करीब 10:55 बजे स्टेशन ऑफिसर ने बताया कि आग लगने वाली

जगह पर एक वरिष्ठ अधिकारी की जरूरत है। इसके बाद, असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर (एडीओ) राजेश शुक्ला को घटनास्थल पर भेजा गया। जब तक बचाव और राहत कार्य शुरू किए गए, तब तक आग पूरे घर में फैल चुकी थी। इमारत से निकल रहे घने धुएं के कारण इलाके में अफरातफरी मच गई। काफी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने घर में प्रवेश करने के लिए बंद दरवाजा तोड़ा। अंदर महिला और उसके दो बच्चे गंभीर रूप से जली हुई हालत में मिले। अधिकारियों ने बताया कि तीनों की मौत मौके पर ही हो चुकी थी।

आग पर काबू पा लिया गया और स्टेशन ऑफिसर मनोज ने सुबह 11:10 बजे कंट्रोल रूम को 'स्टॉप' मैसेज जारी किया। हालांकि, घटनास्थल पर अभी भी ठंडा करने (कूलिंग) का काम जारी है।

जून में हुई एक ऐसी ही दुखद घटना में दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक बी एंड बी में लगी भीषण आग में 22 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस हादसे में मारे गए और घायल लोगों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख पए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

लाल डोरा की संपत्तियों का बन रहा डिजिटल रिकॉर्ड, सीएम रेखा गुप्ता ने की समीक्षा बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी के लाल डोरा और आबादी गांवों के निवासियों को उनकी संपत्तियों का आधुनिक, पारदर्शी और सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में 'स्वामित्व' (सर्वे ऑफ विलेज एंड मैपिंग विद इंप्रोवाज्ड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरिया) योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस योजना के तहत व्यापक सर्वेक्षण, डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से लाल डोरा क्षेत्रों में संपत्तियों का व्यवस्थित और प्रमाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण लोगों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब दिल्ली सरकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रत्येक संपत्ति की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित कर रही है, जिससे भविष्य में रिकॉर्ड अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित होगा। दिल्ली सरकार जल्द ही पात्र लोगों को स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने जा रही है। इसको लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड ग्रामीण क्षेत्रों के हित और भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में 48 गांवों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग के साथ हुए समझौते के तहत योजना में शामिल किया गया है। इनमें से 30 गांवों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और उनके अंतिम प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। अब इन कार्डों में डिजिटल हस्ताक्षर जोड़ने और स्मार्ट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि अब तक 12,232 संपत्तियों (पॉलीगॉन) का सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें से 8,423 संपत्तियां विवाद-मुक्त हैं, जो कुल सर्वेक्षित संपत्तियों का लगभग 69 प्रतिशत हैं और इनके स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

संक्षिप्त खबर

तेलंगाना में सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना में सड़क दुर्घटनाओं की दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी साझा की।

संगारेड्डी जिले में एक कार के सड़क डिवाइडर से टकराने से चार साल की बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सुबह-सुबह कल्हेर मंडल के बचुपल्ली के पास हुए इस हादसे में पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महाराष्ट्र के नांदेड़ के एक ही परिवार के थे। वे विदेश से लौट रहे रिश्तेदारों को लेने हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जा रहे थे।

कार ड्राइवर ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया और वह डिवाइडर से टकरा गई। गाड़ी पलट गई और सड़क से नीचे गिर गई, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों में से एक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पांच घायलों को नारायणखेड़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए नारायणखेड़ अस्पताल की मोर्चरी में भेजा गया। कल्हेर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, खम्मम जिले में हुए एक अन्य हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

इंदौर में बिजली इंजीनियर की करोड़ों की संपत्ति का खुलासा, केस दर्ज

विश्व केसरी

इंदौर। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगर इंदौर में पदस्थ बिजली विभाग के अधीक्षण यंत्री के नौ ठिकानों पर लोकायुक्त ने दबिश दी तो करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है, उनकी यह संपत्ति आय से 258 प्रतिशत से अधिक है । लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार शिवराम सेमिल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जानकारी मिली थी। वे अधीक्षण यंत्री मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर में कार्यरत हैं। इनके द्वारा अपने 33 वर्ष के सेवाकाल में अपनी वैध आय की तुलना में बहुत अधिक संपत्ति अवैध रूप से प्राप्त की है। बताया गया है कि लोकायुक्त तक जो सूचनायें आई थी इसका परीक्षण किया गया और जब सही पाई गई तो उनके नौ ठिकानों इंदौर के चार ठिकानों, पीथमपुर के 2 ठिकानों, धार के 2 ठिकानों और मुरैना के 1 ठिकाने पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया गया । इस अभियान में इंदौर के सिलिकॉन सिटी में सी 44 स्थित भूखंड पर तीनमंजिला भव्य आवास निर्मित पाया गया जिसकी अनुमानित लागत एक करोड़ 20 लाख रुपए आंकी गई है। इसके अलावा लोकायुक्त को इंजीनियर सेमिल के पुत्र शुभम के नाम से पीथमपुर सेक्टर 3 में प्लॉट क्रमांक 749 पर 'शुभम इलेक्ट्रिकल' नाम से फैक्ट्री पाई गई है जहां ट्रांसफार्मर बनाए जाते हैं। यह फैक्ट्री 880 वर्गमीटर एरिया में बनाई गई है।

एनएचएआई ने जयपुर हाईवे पर टोल रेट बढ़ाए, जयपुर-दिल्ली का सफर महंगा हुआ

विश्व केसरी

जयपुर। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने मुख्य टोल प्लाजा पर शुल्क में बदलाव किया है। इसके बाद जयपुर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा करना महंगा हो गया है।

सोमवार आधी रात से टोल की नई दरें लागू हो गईं। वाहनों की श्रेणी के अनुसार टोल शुल्क में 5 से लेकर 30 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है।

नई टोल दरें जयपुर-दिल्ली (पुराना एनएच-48) मार्ग के मनोहरपुर टोल प्लाजा, अजमेर-आगरा रिंग रोड के सीतारामपुरा टोल प्लाजा और जयपुर-सीकर बाईपास के टटियावास टोल प्लाजा पर लागू होंगी।

जयपुर और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले निजी वाहन चालकों को अब अधिक टोल शुल्क देना होगा।

मनोहरपुर टोल प्लाजा पर कार, जीप और वैन के लिए टोल शुल्क में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, हल्के व्यावसायिक वाहनों, बसों और भारी व्यावसायिक वाहनों के लिए वाहन की श्रेणी के अनुसार 5 से 30 रुपए तक शुल्क बढ़ाया गया है।

जयपुर-दिल्ली मार्ग के एक अन्य प्रमुख टोल पॉइंट, शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर कार, जीप और वैन का टोल शुल्क 195 रुपये से बढ़ाकर 215 रुपए कर दिया गया है। इससे वाहन चालकों को अब 20 रुपए अतिरिक्त देने होंगे।

दोनों टोल प्लाजा पर नई दरें लागू होने के बाद जयपुर से दिल्ली के बीच एक तरफ की यात्रा करने वाले निजी वाहन मालिकों को अब 25 रुपए अतिरिक्त टोल देना होगा। जयपुर-सीकर बाईपास के टटियावास टोल प्लाजा और अजमेर-आगरा रिंग रोड के सीतारामपुरा टोल प्लाजा पर भी नई टोल दरें लागू कर दी गई हैं। हालांकि, इन दोनों टोल प्लाजा पर बढ़ी हुई दरें सिर्फ व्यावसायिक वाहनों (जैसे ट्रक, बस और अन्य भारी वाहनों) पर लागू होंगी। टटियावास और सीतारामपुरा टोल प्लाजा पर निजी वाहनों के टोल शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बदलाव से व्यावसायिक वाहन संचालकों का परिवहन खर्च बढ़ने की संभावना है। वहीं, जयपुर-दिल्ली हाईवे का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों के लिए सड़क यात्रा थोड़ी महंगी हो सकती है।

ममता बनर्जी के टीएमसी गुट की रैली के मंच पर तोड़फोड़ का मामला हाईकोर्ट पहुंचा, पुलिस से मांगा जवाब

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के गुट ने मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल-जज बेंच का ध्यान पार्टी की 'शहीद दिवस रैली' के लिए बनाए गए मंच पर तोड़-फोड़ की घटना की ओर दिलाया। यह रैली आज ही होनी है।

इससे पहले ममता बनर्जी गुट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस तापब्रत चक्रवर्ती के ऑफिस को एक ईमेल भेजा। इसमें सोमवार रात भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई तोड़-फोड़ की शिकायत की गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उन्हें पुलिस प्रशासन की गुप्त मदद मिली थी।

बाद में जब सुबह कलकत्ता हाईकोर्ट खुला तो जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल जज बेंच के सामने इस मामले में एक याचिका दायर की गई। याचिका में आरोप लगाया गया कि तोड़-फोड़ एक तरह से अदालत की अवमानना थी, क्योंकि यह रैली पिछले हफ्ते इसी बेंच के आदेश के बाद सेंट्रल कोलकाता में बिड़ला तारामंडल के सामने आयोजित की जा रही थी। याचिका को स्वीकार करते हुए जस्टिस भट्टाचार्य ने कोलकाता पुलिस से आज दोपहर तक स्पष्टीकरण मांगा। जस्टिस भट्टाचार्य ने इन घटनाओं पर हैरानी भी जताई और सवाल किया कि ऐसी घटनाएं कैसे हो सकती हैं, जबकि कोर्ट ने राज्य के एडवोकेट जनरल की मौजूदगी में पिछले हफ्ते ही इस रैली की अनुमति दी थी। जस्टिस भट्टाचार्य ने यह भी याद दिलाया कि कोर्ट ने कोलकाता पुलिस के जॉइंट कमिश्नर से कहा था कि वे पक्का करें कि रैली की वजह से कानून-व्यवस्था न बिगड़े। उन्होंने यह भी कहा कि इतने साफ आदेशों के बावजूद यह मामला कोर्ट के लिए शर्मिंदगी की बात है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, 'पुलिस प्रशासन हमारी रैली में रुकावट डालकर कोर्ट की अवमानना कर रहा है।

झारखंड के चतरा में शिक्षक का शव मिलने से सनसनी, हत्या का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने एनएच-22 जाम किया

विश्व केसरी

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। घटना वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र की है। यहां घंघरी गांव के पास मंगलवार को चतरा-डोभी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-22) किनारे इसी गांव के रहने वाले मुकेश यादव का शव कुछ लोगों ने देखा।

इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग जुट आए। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शिक्षक की हत्या का आरोप लगाते हुए एनएच-22 जाम कर प्रदर्शन किया। कई घंटे तक जाम रहने से चतरा और बिहार के गया के बीच यातायात प्रभावित रहा।

पुलिस के अनुसार मुकेश यादव इसी जिले के प्रतापपुर स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनकी हत्या की गई है। प्रदर्शनकारियों ने हत्या के आरोपियों का पता लगाकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवा और मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा देने की मांग की। सड़क जाम के कारण दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई और चतरा-गया मार्ग पर यातायात कई घंटे तक बाधित रहा। सूचना मिलने पर वशिष्ठनगर जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। काफी समझाने-बुझाने के बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया और यातायात बहाल हो सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हाईकोर्ट ने रामगढ़ बांध को फिर से चालू करने में देरी को लेकर सरकार को फटकार लगाई

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रामगढ़ बांध को फिर से चालू करने में हो रही देरी पर कड़ा रुख अपनाते हुए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को 23 जुलाई को बहाली का ठोस प्लान पेश करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार चाहे तो इस ऐतिहासिक बांध को फिर से जीवित किया जा सकता है। साथ ही, कोर्ट ने लगातार हो रहे कब्जों और बांध में पानी के प्राकृतिक बहाव में रुकावट पर चिंता जताई। ये निर्देश सोमवार को एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस भुवन गोयल की बेंच ने बांध के जीर्णोद्धार से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए।

हाईकोर्ट ने जल संसाधन, सिंचाई और राजस्व विभागों के सचिवों और जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 23 जुलाई को रामगढ़ बांध को फिर से जीवित करने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना के साथ व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हों। सुनवाई के दौरान, एमिकस क्यूरी अभिनव शर्मा ने कोर्ट को बताया कि जमीनी स्तर पर बहुत कम प्रगति हुई है और बांध में पानी का प्राकृतिक बहाव बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने कोर्ट से आग्रह किया कि मूल जल निकासी प्रणाली को बहाल करने के लिए कैचमेंट एरिया (जलग्रहण क्षेत्र) की स्थलाकृति की जांच की जाए। इन बातों पर गंभीरता से विचार करते हुए बेंच ने पाया कि कब्जों, जमीन के अवैध आवंटन, खाइयों और पक्के निर्माणों ने बांध के कैचमेंट एरिया और पानी के प्राकृतिक रास्तों में रुकावट पैदा की है। स्थानीय निवासियों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील करण राठौड़ ने इस मामले में पक्षकार बनने के लिए एक अर्जी दाखिल की। उनकी ओर से पेश वकील अंशुमन सक्सेना ने कोर्ट को बताया कि रामगढ़ बांध को फिर से जीवित करने के लिए जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

जंतर-मंतर प्रदर्शन मामले में केजरीवाल का पुलिस को पत्र, एफआईआर और हिरासत में लिए लोगों की सूची सार्वजनिक करने की मांग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने डीसीपी सचिन शर्मा को पत्र लिखकर पुलिस से पारदर्शिता बरतने की मांग की है। उन्होंने प्रदर्शन के बाद दर्ज की गई एफआईआर और हिरासत में लिए गए लोगों की पूरी सूची सार्वजनिक करने का आग्रह किया है।

पत्र में अरविंद केजरीवाल ने लिखा कि उन्हें जानकारी मिली है कि जंतर-मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में विफलताओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाबदेही की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। कई लोगों को बिना किसी एफआईआर दर्ज किए हिरासत में रखा गया है। केजरीवाल ने डीसीपी से अनुरोध किया कि दर्ज सभी एफआईआर की सूची और हिरासत में लिए गए लोगों की सूची तुरंत सार्वजनिक की जाए, ताकि संबंधित लोगों को समय पर उचित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

एक दिन पहले सोमवार को जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान पथराव, हिंसा और अवैध जमावड़े के बाद दिल्ली पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था। दिल्ली पुलिस ने इस पूरे मामले में अब तक पांच एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के अनुसार, ये एफआईआर हिंसा, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाओं से जुड़ी हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा किसी सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी या नहीं।

राजस्थान में तूफान-बारिश का अलर्ट : 33 जिलों में ऑरेंज-येलो अलर्ट, आईएमडी ने जारी की सावधानी

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान में करीब दो हफ्ते से मानसून कमजोर था। अब यह फिर से सक्रिय हो गया है। इस वजह से मौसम विभाग (आईएमडी ने मंगलवार को पूरे राज्य के सभी 33 जिलों में आंधी-तूफान और बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में राज्य के कई हिस्सों में हल्की से भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जिससे हाल ही में पड़ी भीषण गर्मी से काफी राहत मिलेगी। सोमवार को जयपुर, उदयपुर, अलवर, भीलवाड़ा, कोटा, चित्तौड़गढ़, दौसा और सीकर समेत कई जिलों में बारिश हुई।

जयपुर में सोमवार देर शाम शुरू हुई बारिश मंगलवार सुबह तक रुक-रुक कर होती रही, जिससे तापमान में काफी गिरावट आई। पिछले 24 घंटों में करौली जिले के टोडाभीम में सबसे ज्यादा 32 मिमी बारिश दर्ज की गई। हालांकि, रात भर हुई बारिश सीकर में तेज़ हो गई, जिससे कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया।

बारिश के आंकड़ों के अनुसार, सीकर ग्रामीण में 119 मिमी और धोद में 116 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि पलसाना में 42 मिमी, रींगस में 45 मिमी और लक्ष्मणगढ़ में 38 मिमी बारिश हुई।

नवलगढ़ रोड के कुछ हिस्सों में चार फीट तक पानी जमा हो गया, जिससे सामान्य यातायात बाधित हुआ।

मंगलवार सुबह जिले में घने बादल छाए रहे और रुक-रुक कर बारिश की खबरें आती रही। आईएमडी ने कहा कि मॉनसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति में लौट आया है, जिससे बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राजस्थान में सक्रिय हो गई हैं।

फ्लू वायरस मानव कोशिकाओं को कैसे नियंत्रित करता है? नई स्टडी में हुआ खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली । दुनिया भर में हर साल 3-5 मिलियन लोग इन्फ्लुएंजा यानी फ्लू की चपेट में आते हैं। इनमें से करीब 6.5 लाख लोगों की मौत भी हो जाती है। खासकर इन्फ्लुएंजा ए वायरस कई बार बड़ी महामारियों का कारण बन चुका है। अब वैज्ञानिकों ने यह समझने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है कि यह वायरस मानव कोशिकाओं के भीतर कैसे फैलता है और उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार कैसे नियंत्रित करता है। यह अध्ययन जर्नल नेचर माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित हुआ है।

यूरोपियन मॉलेक्यूलर बायोलॉजी लेबोरेटरी (ईएमबीएल) हैम्बर्ग और लाइबनिज रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर मॉलेक्यूलर फार्माकोलॉजी (एफएमपी) के शोधकर्ताओं ने पहली बार यह पता लगाया है कि फ्लू वायरस संक्रमित इंसानी कोशिकाओं के अंदर मौजूद प्रोटीन के साथ किस तरह संपर्क बनाता है। वैज्ञानिकों ने एक खास तकनीक की मदद से यह देखा कि वायरस और इंसानी कोशिकाओं के प्रोटीन आपस में कैसे जुड़ते हैं और वायरस इस व्यवस्था का अपने पक्ष में कैसे इस्तेमाल करता है।

आमतौर पर जब वैज्ञानिक वायरस और कोशिकाओं के बीच होने वाली गतिविधियों का अध्ययन करते हैं तो उन्हें कोशिकाओं को तोड़ना पड़ता है। इसके बाद ही वे अंदर मौजूद प्रोटीन की जांच कर पाते हैं। लेकिन इस तरीके में एक समस्या होती है। कोशिका टूटने के बाद कई ऐसे संपर्क दिखाई दे सकते हैं जो असल में शरीर के अंदर कभी हुए ही नहीं थे। वहीं कुछ जरूरी और कमजोर संपर्क नष्ट हो जाते हैं।

इस समस्या को दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने क्रॉस-लिंकिंग मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एक्सएल-एमएस) नाम की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। इस तकनीक की खास बात यह है कि इससे संक्रमित कोशिका को तोड़े बिना ही यह देखा जा सकता है कि कौन सा प्रोटीन किसके संपर्क में है।

ईएमबीएल हैम्बर्ग के वैज्ञानिक ने बताया कि इस तरीके से पहली बार फ्लू वायरस और इंसानी कोशिकाओं के बीच होने वाले सीधे संपर्कों को उसी स्थिति में देखा गया, जैसी स्थिति संक्रमण के दौरान शरीर के अंदर होती है।

शोधकर्ताओं ने इसके बाद कंप्यूटर मॉडलिंग की मदद से यह भी समझने की कोशिश की कि वायरस और इंसानी प्रोटीन संरचनात्मक रूप से किस प्रकार एक-दूसरे के साथ जुड़ते हैं। इसके लिए उन्होंने अल्फाफोल्ड तकनीक के एक विशेष रूप का इस्तेमाल किया। यह वही तकनीक है जो प्रोटीन की संरचना समझने के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

अध्ययन में दो महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आए। पहला, वायरस का प्रमुख प्रोटीन हीमैग्लूटिनिन मानव कोशिकाओं के भीतर किस प्रकार अपना मार्ग बनाता है। यही प्रोटीन वायरस को कोशिका से जुड़ने और उसके भीतर प्रवेश करने में मदद करता है।

शोध में पाया गया कि मानव कोशिकाओं के कुछ प्रोटीन हीमैग्लूटिनिन को सही ढंग से तैयार होने और उसकी संरचना विकसित करने में सहायता करते हैं। इनमें से कुछ प्रोटीन की भूमिका के बारे में पहले बहुत कम जानकारी उपलब्ध थी।

शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज भविष्य में वायरस रोधी दवाओं के नए लक्ष्य विकसित करने में सहायक हो सकती है।

दूसरा महत्वपूर्ण निष्कर्ष कोशिका के केंद्र (न्यूक्लियस) में मौजूद पैरास्पेक्ल्स से जुड़ा है। अध्ययन में पाया गया कि इन्फ्लुएंजा ए वायरस संक्रमण के दौरान इन संरचनाओं को विघटित कर देता है।

केंद्र एक्वाकल्चर और तंबाकू किसानों को उचित दाम व निर्यात वृद्धि के लिए प्रतिबद्धः पीयूष गोयल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्वाकल्चर क्षेत्र को मजबूत करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि इससे भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, किसानों की आजीविका बेहतर होगी और निर्यात वृद्धि के नए अवसर पैदा होंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने बताया कि उन्होंने आंध्र प्रदेश के एक्वाकल्चर और तंबाकू उद्योग से जुड़े पक्षकारों के साथ सार्थक बातचीत की।

गोयल ने कहा, 'हमने भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए एक्वाकल्चर क्षेत्र को और सशक्त बनाने के अवसरों पर चर्चा की।'

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को उचित मूल्य, बेहतर बाजार पहुंच और निर्यात बढ़ाने के नए अवसर उपलब्ध कराकर उनकी आजीविका को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन प्रयासों से आंध्र प्रदेश की आर्थिक प्रगति को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि एक्वाकल्चर राज्य के प्रमुख निर्यात केंद्रित क्षेत्रों में से एक है और भारत के सीफूड निर्यात में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

बैठक में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजारापु, भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, भाजपा नेता डी. पुरंदेश्वरी, टीडीपी संसदीय दल के नेता लावू श्रीकृष्ण देवरायालु तथा आंध्र प्रदेश के मंत्री के. अच्चन्नायडू, गोट्टीपाटी रवि कुमार और डोला बाला वीरंजनय स्वामी भी शामिल हुए।

यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसी दिन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के एक्वाकल्चर और तंबाकू किसानों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र सरकार से कई कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती उत्पादन लागत और वैश्विक बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच किसानों को राहत देने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने गोयल समेत केंद्रीय मंत्रियों को अलग-अलग पत्र लिखकर झींगा चारा बनाने वाली इकाइयों के लिए जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सोयाबीन मील के आयात की अनुमति देने, घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए फिश मील के निर्यात को विनियमित करने, तंबाकू निर्यात पर प्रोत्साहन देने, एक्वाकल्चर से जुड़े प्रमुख इनपुट पर जीएसटी कम करने और अमरावती में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) का क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करने की मांग की।

पीयूष गोयल को लिखे अपने पत्र में चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि फिश मील के निर्यात को इस तरह नियंत्रित किया जाए कि पहले घरेलू मांग पूरी हो, उसके बाद ही विदेशों में निर्यात की अनुमति दी जाए। उन्होंने जीएम सोयाबीन मील के आयात की अनुमति देने की मांग भी दोहराई और कहा कि इससे कमी दूर होगी तथा झींगा पालकों के लिए चारे की लागत कम करने में मदद मिलेगी।

शरीर का संतुलन और रीढ़ की हड्डी मजबूत करने के लिए अपनाएं 'वशिष्ठासन', ऐसे करें अभ्यास

विश्व केसरी

नई दिल्ली । वशिष्ठासन योगासन एक ऐसा शक्तिशाली आसन है, जो शारीरिक शक्ति और मानसिक एकाग्रता बढ़ाता है। यह एक साइड-प्लैंक अभ्यास नहीं है बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देकर आंतरिक संतुलन पाने का मार्ग है।

वशिष्ठासन संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है। 'वशिष्ठ' का अर्थ है 'श्रेष्ठ' या 'सबसे उत्तम' और 'आसन' का अर्थ है 'बैठने या शरीर की मुद्रा'। अंग्रेज़ी में इसे साइड प्लैंक पोज कहा जाता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर का भार एक हाथ और पैर के बाहरी किनारे पर संतुलित रहता है। सिर से लेकर एड़ी तक शरीर एक सीधी तिरछी रेखा बनाता है, दूसरा हाथ सीधा ऊपर की ओर रहता है और नजर ऊपर उठे हुए हाथ की ओर होती है। यह आसन शरीर में संतुलन, स्थिरता और एकाग्रता विकसित करता है।

आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन के महत्व पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, वशिष्ठासन (साइड प्लैंक) संतुलन और शारीरिक शक्ति बढ़ाने वाला एक प्रमुख योगासन है। यह मुद्रा शरीर के संतुलन, एकाग्रता और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने में बेहद प्रभावी है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से चलने, खड़े रहने और लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने के दौरान भी शरीर की मुद्रा (पोश्चर) सुधरती है और संतुलन पहले से बेहतर हो जाता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जाएं और दोनों पैरों को सामने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को हथेलियों के सहारे कूल्हों के पास जमीन पर टिका लें। अपने शरीर के पूरे वजन को धीरे-धीरे दाहिनी हथेली और दाहिने पैर के बाहरी हिस्से पर स्थानांतरित करें। अब अपने बाएं पैर को दाहिने पैर के ऊपर बिल्कुल सीधा रख लें (ताकि दोनों पैर एक-दूसरे के ऊपर आ जाएं)। बाएं हाथ को अपनी कमर पर टिका लें और दाहिने हाथ के मजबूत सहारे से शरीर को ऊपर की तरफ उठाएं। गहरी सांस लेते हुए अपने बाएं हाथ को आसमान की तरफ बिल्कुल सीधा ऊपर उठाएं। गर्दन को ऊपर की ओर मोड़ें और अपनी बाएं हाथ की उंगलियों की तरफ देखें।

इस स्थिति में शरीर एक सीधी रेखा में होना चाहिए। इस अवस्था में कुछ सेकंड सामान्य रूप से सांस लेते हुए रुकें। इसके बाद धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए सामान्य अवस्था में वापस आ जाएं।

घुटनों के दर्द और जकड़न से हैं परेशान? आयुष मंत्रालय ने बताई आसान 'नी मूवमेंट'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अगर आपको सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में घुटनों में दर्द होता है, लंबे समय तक बैठने के बाद उठने में परेशानी होती है या घुटनों में जकड़न महसूस होती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आयुष मंत्रालय ने एक आसान 'नी मूवमेंट' साझा किया है, जिसे नियमित रूप से करने से घुटनों की सेहत बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि घुटनों से जुड़ी परेशानियों से राहत पाने के लिए 'नी मूवमेंट' एक बेहतरीन आसान है। इसे करते समय सही तरीके से सांस लेते हुए तथा शरीर का सही अलाइनमेंट बनाए रखकर करना चाहिए। इससे शरीर के निचले हिस्से को मजबूती मिलती है और रोजमर्रा के काम जैसे चलना, बैठना और उठना आसान हो सकता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और शरीर को सामान्य स्थिति में रखें। अब गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को सामने की ओर कंधों की ऊंचाई तक उठाएं। इस दौरान हथेलियां नीचे की ओर रहें। अब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए घुटनों को मोड़ें और शरीर को आधी कुर्सी जैसी यानी सेमी-स्क्वाट की स्थिति में ले जाएं। ध्यान रखें कि अंतिम स्थिति में आपकी जांघें और दोनों हाथ जमीन के समानांतर हों। कुछ क्षण इस स्थिति में रहें और फिर सांस लेते हुए धीरे-धीरे वापस सीधे खड़े हो जाएं। इसे एक राउंड माना जाएगा। इसी तरह कुल तीन राउंड पूरे करें। अभ्यास समाप्त होने के बाद कुछ देर सामान्य अवस्था में खड़े होकर शरीर को आराम दें।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक इस योगाभ्यास को नियमित करने से घुटनों के जोड़ों की मूवमेंट बेहतर होती है। घुटनों के आसपास की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे जोड़ों पर दबाव कम पड़ता है। इसके अलावा शरीर का संतुलन बेहतर होता है, लचीलापन बढ़ता है और पैरों में ताकत आती है। यह अभ्यास उन लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं और जिनके पैरों में अकड़न या कमजोरी महसूस होती है।

योग करते समय जल्दबाजी बिल्कुल न करें। अपनी क्षमता के अनुसार ही घुटनों को मोड़ें और सांस लेने-छोड़ने की प्रक्रिया पर ध्यान दें।

अगर घुटनों में तेज दर्द, हाल ही में चोट, सर्जरी या गंभीर गठिया जैसी समस्या है, तो यह अभ्यास शुरू करने से पहले डॉक्टर या प्रशिक्षित योग विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

चंडीगढ़ में ब्रिक्स हेल्थ समिट शुरू, 21 देशों के प्रतिनिधि शामिल

विश्व केसरी

चंडीगढ़ । केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मंगलवार से चार दिवसीय ब्रिक्स 'टीसीआईएम' बैठक का आगाज हो गया। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इन महत्वपूर्ण हेल्थ मीटिंग्स में 21 देशों के स्वास्थ्य मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। बैठक का मकसद पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने और वैश्विक सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, ब्रिक्स पारंपरिक, पूरक एवं एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) पर मंत्रीस्तरीय बैठक मंगलवार को चंडीगढ़ में शुरू हुई। यह बैठक चार दिवसीय ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक के उद्घाटन दिवस पर आयोजित की गई। इसमें 21 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

हेल्थ समिट का मुख्य उद्देश्य ट्रेडिशनल (पारंपरिक) स्वास्थ्य प्रणालियों के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना, सदस्य देशों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान करना और स्वास्थ्य सेवाओं में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका को मजबूत करना है।

इसके अलावा, इंटीग्रेटिव मेडिसिन को बढ़ावा देना भी एजेंडे में है। इसके तहत आधुनिक इलाज के साथ-साथ पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को एक साथ मिलाकर काम करने की रणनीति तैयार की जाएगी। इतना ही नहीं, ब्रिक्स देश मिलकर एक ऐसा टिकाऊ और इनोवेटिव हेल्थ सिस्टम बनाने पर विचार करेंगे, जो भविष्य में किसी भी स्वास्थ्य संकट या महामारी का मजबूती से सामना करने में सक्षम हो।

यह बैठक इसलिए भी अहम है क्योंकि इसके जरिए ब्रिक्स देश डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं, मेडिकल रिसर्च और महामारी से निपटने की तैयारियों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर मंत्रणा करेंगे।

पीजीआईएमआर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की मौजूदगी के कारण चंडीगढ़ को इस अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य चर्चा का अहम केंद्र माना जा रहा है।

बैठक में भाग लेने वाले देशों से टीसीआईएम पर ब्रिक्स एक्सपर्ट वर्किंग ग्रुप के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। इससे अनुसंधान, क्लिनिकल वैलिडेशन, डिजिटल ज्ञान-साझाकरण, नियामकीय समन्वय (रेगुलेटरी हार्मोनाइजेशन) और पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा।

हेयर स्टाइलिंग के शौक में बालों को न करें खराब, इन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल पड़ सकता है भारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली । आज के समय में हर कोई अपने बालों को खूबसूरत और स्टाइलिश दिखाना चाहता है। किसी खास मौके पर जाना हो या रोजाना का लुक बदलना हो, लोग अलग-अलग तरह के हेयरस्टाइल बनाते हैं। बालों को सीधा करने के लिए स्ट्रेटनर, घुंघराले बनाने के लिए कर्लिंग मशीन, बालों को जल्दी सुखाने के लिए हेयर ड्रायर और बालों को घना दिखाने के लिए एक्सटेंशन का इस्तेमाल आम हो गया है। ये चीजें कुछ मिनटों में बालों को आकर्षक बना देती हैं, लेकिन अगर इनका इस्तेमाल सही तरीके से न किया जाए तो धीरे-धीरे बालों की मजबूती कम हो सकती है।

डर्मेटोलॉजिस्ट के अनुसार, बालों की बाहरी परत जिसे क्यूटिकल कहा जाता है, वह बालों को सुरक्षित रखने का काम करती है। जब बार-बार तेज गर्मी, खिंचाव या भारी एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया जाता है तो यह सुरक्षा परत कमजोर होने लगती है, जिससे बाल रूखे, बेजान, कमजोर और टूटते हैं।

हेयर स्ट्रेटनर, कर्लिंग आयरन, और ब्लो ड्रायर सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले टूल्स हैं। इनसे बाल तुरंत सुंदर दिखने लगते हैं, लेकिन ज्यादा गर्मी बालों की अंदरूनी नमी को कम कर देती है। बालों में मौजूद प्राकृतिक प्रोटीन कमजोर होने लगते हैं, जिससे बालों की चमक कम हो सकती है और दोमुंहे बालों की समस्या बढ़ सकती है। ब्लो ड्रायर की गर्म हवा सीधे स्कैल्प पर पड़ने से सिर की त्वचा में सूखापन भी बढ़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हीट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करना जरूरी हो तो बालों पर पहले हीट प्रोटेक्शन प्रोडक्ट लगाना बेहतर होता है। साथ ही तापमान को जरूरत से ज्यादा बढ़ाने से बचना चाहिए। रोजाना इन टूल्स का इस्तेमाल करने के बजाय बीच-बीच में बालों को प्राकृतिक रूप से आराम देना जरूरी है।

कोलकाता : कोविड-19 से संक्रमित तीन लोगों को अस्पताल में कराया गया भर्ती, डॉक्टरों ने सावधानी बरतने की दी सलाह

विश्व केसरी

कोलकाता । कोविड-19 से संक्रमित तीन मरीजों को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले, कोविड से संक्रमित 10 साल के एक लड़के को भर्ती कराना पड़ा था। कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक चार लोगों का इलाज जारी है।

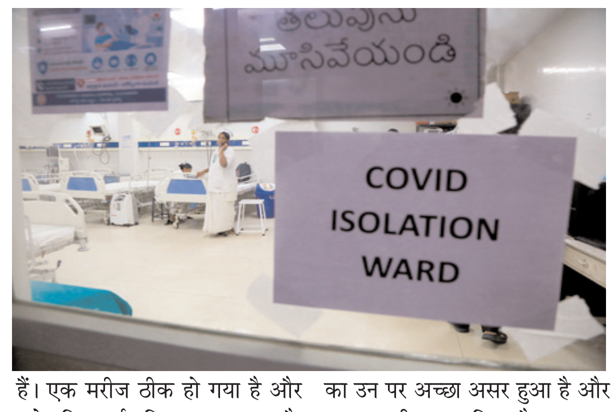

अस्पताल के डॉ. सुभजीत सेन ने कहा, 'अभी हम मौसमी वायरल इन्फेक्शन खासकर इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। फिलहाल, हम एसएआरएस-सीओवी-2 इन्फेक्शन वाले तीन मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एक मरीज ठीक हो गया है और उसे डिस्चार्ज किया जा रहा है, जबकि दो मरीजों को ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था, लेकिन इलाज का उन पर अच्छा असर हुआ है और अब उनकी हालत स्थिर है।

डॉक्टर के अनुसार, कोविड-19 का मौजूदा पैटर्न ओमिक्रॉन लहर जैसा ही है, जिसमें ज्यादातर मरीजों में ऊपरी श्वसन तंत्र से जुड़े हल्के लक्षण जैसे बुखार, गले में खराश, खांसी और शरीर में दर्द दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों को गंभीर बीमारी का ज्यादा खतरा रहता है।

डॉक्टर ने कहा, 'घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि समय पर मेडिकल देखभाल मिलने से ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं। हालांकि, लोगों को समझदारी से सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, हाथों की साफ-सफाई का ध्यान रखन।

एफआईएच हॉकी पुरुष वर्ल्ड कप में हरमनप्रीत भारत की कप्तानी करेंगे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को बेल्जियम और नीदरलैंड में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले एफआईएच वर्ल्ड कप के लिए 20 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की। इस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत सिंह करेंगे।

टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और शानदार युवा प्रतिभाओं का मेल है। गोलकीपिंग विभाग में मोहित एचएस और सूरज करकेरा शामिल हैं, जबकि डिफेंस यूनिट में जरमनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं।

मिडफील्ड की कमान मनप्रीत, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद की तिकड़ी संभालेगी, साथ ही नीलाकांता शर्मा और होनहार युवा खिलाड़ी राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे भी इसमें शामिल होंगे। अटैक की जिम्मेदारी मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह और शिलानंद लाकड़ा के कंधों पर होगी।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन को भरोसा है कि चुनी गई टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना अध्याय लिखने का शानदार मौका है।

टीम की बनावट पर अपने विचार रखते हुए फुल्टन ने कहा, 'यह एक संतुलित टीम है, जिसमें टूर्नामेंट के अनुभव और अच्छे फॉर्म में चल रहे युवाओं का सही मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी जगह अपने प्रदर्शन के दम पर बनाई है, न कि अपनी प्रतिष्ठा के कारण।'

फुल्टन ने आगे कहा, 'दबाव बनाना, जवाबी हमला करना और अच्छा प्रदर्शन करना सिर्फ हमारी रणनीतिक पहचान नहीं है। यह वह तरीका है जिससे यह ग्रुप हर दिन एक साथ ट्रेनिंग करता है और सोचता है। हम बहुत आगे की नहीं सोच रहे हैं। हम एक बार में एक ही मैच पर पूरा ध्यान देने की मानसिकता के साथ उतर रहे हैं।'

फुल्टन ने कहा, '1975 (वर्ल्ड कप जीत) के बाद से 50 साल हो गए हैं। इस टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना एक नया अध्याय लिखने का मौका है। हम इसे लेकर वाकई बहुत उत्साहित हैं।'

इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ पूल डी में शामिल भारत अपने सभी पूल-स्टेज मैच एमस्टेलवीन, नीदरलैंड में खेलेगा।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा, इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला यह मैच पूल स्टेज का सबसे चर्चित मुकाबला होगा। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के शुरुआती तीन संस्करणों में कांस्य (बार्सिलोना 1971), रजत (एम्स्टर्डम 1973) और स्वर्ण (कुआलालंपुर 1975) पदक जीतने के बाद भारतीय टीम को अगले पदक का इंतजार है।

कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों में पदक जीतना लक्ष्य : तैराक साजन प्रकाश

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के बाद थकान और तनाव की वजह से ब्रेक लेने वाले अनुभवी भारतीय तैराक साजन प्रकाश प्रतियोगी तैराकी में वापसी कर रहे हैं। प्रकाश का कहना है कि उनका लक्ष्य ग्लासगो में शुरू हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स और सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) द्वारा आयोजित एक वर्चुअल बातचीत में आईएएनएस के सवाल का जवाब देते हुए प्रकाश ने कहा, 'मैं यह कहना चाहूंगा कि जब एथलीट बहुत कड़ी ट्रेनिंग करते हैं और अच्छा प्रदर्शन करने, खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रखने और भारत का नाम रोशन करने के लिए अपना सब कुछ झोंक देते हैं, तो वे दर्द सहने के आदी हो जाते हैं और कई बातें समझ नहीं पाते। अगर उन्हें अकेला छोड़ दिया जाए, तो उन्हें समझ नहीं आता कि रिकवरी क्या है। रिकवरी और आराम भी ट्रेनिंग का ही हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा, 'रिकवरी का मतलब हमेशा जोर लगाना नहीं होता। जब मैंने ब्रेक लिया, तो मुझे समझ आया कि मेरा शरीर बहुत बड़े शॉक में था और मुझे रिकवर करने और आराम करने की जरूरत थी। कभी-कभी जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है और आप आगे बढ़ते हैं, आराम बहुत जरूरी हो जाता है, यह रिकवरी का एक अहम हिस्सा है। यह भी ट्रेनिंग का ही हिस्सा है। इसलिए इससे मुझे वापसी करने में मदद मिली क्योंकि मैं सिर्फ स्विमिंग के बारे में सोचता हूं और प्रतियोगी तैराकी में ही अपनी अंदरूनी ताकत पाता हूं। मुझे बस ऐसा लगा कि अभी कई काम अधूरे हैं। मैं हमेशा से कॉमनवेल्थ और एशियाई खेलों में पोडियम तक पहुंचना चाहता था, और मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहता हूं, चाहे नतीजा कुछ भी हो। मुझे लगता है कि ऐसा करके मैं अपने सपने पूरे कर लूंगा।

प्रकाश ने कहा कि दो दशक से ज्यादा समय तक पूल में बिताने और उम्र बढ़ने के साथ उन्हें अपने शारीरिक मेहनत के तरीके में बुनियादी बदलाव करने की जरूरत महसूस हुई है। उन्हें इस बात का भी एहसास है कि कॉमनवेल्थ गेम्स में मुकाबला कितना कड़ा होगा। मैं लगभग 26 साल से ज्यादा समय से तैराकी कर रहा हूं और अभी 32 साल का हूं। मुझे लगता है कि जिंदगी के हर पड़ाव पर हम अलग-अलग चीजें अनुभव करते हैं।

भारत बनाम जिम्बाब्वे: टीम इंडिया की जर्सी पहनना अशोक शर्मा का पहला लक्ष्य, इन्हें मानते हैं आदर्श

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज अशोक शर्मा जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा हैं। पहली बार टीम इंडिया में चुने जाने पर 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए बताया कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनना उनका लंबे समय से देखा गया सपना रहा है।

भारत-जिम्बाब्वे की टीमें 23-26 जुलाई के बीच तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलेंगी। दाएं हाथ का यह गेंदबाज सीनियर टीम में चुने जाने के बाद अब इंटरनेशनल डेब्यू करने की कोशिश कर रहा है।

सीरीज से पहले अपने लक्ष्यों के बारे में बात करते हुए अशोक ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना ही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

अशोक शर्मा ने 'जियो स्टार' से कहा, 'मेरा पहला लक्ष्य भारत की जर्सी पहनना होगा। मैं उस पल का इंतजार कर रहा हूं जब मैं वह जर्सी पहनूंगा और अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगा। मैंने इसके लिए लंबे समय से इंतजार किया है, तो यह पहला लक्ष्य होगा। दूसरी बात यह है कि मैं वही करता रहूंगा जो मैं सबसे बेहतर जानता हूं। मैंने अब तक जो कुछ भी किया है- घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत, तैयारी और रूटीन- मैं बस उसी का पालन करता रहूंगा। मैं अपनी ताकत पर ध्यान दूंगा और कुछ भी अतिरिक्त करने की कोशिश नहीं करूंगा।

अशोक शर्मा ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में भी बताते हुए कहा कि अगर उन्हें खेलने का मौका मिलता है तो वह इस अवसर का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अब जब मैं जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में हूं, तो मेरा अगला लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा विकेट लेना और अधिक से अधिक मैच खेलने की कोशिश करना होगा। मैं इस मौके का सही इस्तेमाल करना चाहता हूं। इसके बाद मेरा अगला लक्ष्य जल्द से जल्द भारत के लिए रेड-बॉल क्रिकेट खेलना होगा।

सीनियर टीम में पहली बार चुने जाने से पहले, अशोक को जून में श्रीलंका दौरे पर इंडिया-ए टीम में भी शामिल किया गया था।

कॉमनवेल्थ गेम्स: जसपाल राणा के नाम है देश के लिए सबसे ज्यादा पदक जीतने का रिकॉर्ड

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज 23 जुलाई से हो रहा है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हो रहे इस खेल का समापन 2 अगस्त को होगा। भारत का 125-सदस्यीय दल इन खेलों में हिस्सा ले रहा है।

एथलेटिक्स के क्षेत्र में भारत साल-दर-साल एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भी भारतीय दल से रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की उम्मीद है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए सबसे पहला पदक पहलवान राशिद अनवर ने जीता था। राशिद अनवर ने 1934 में 74 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद से कॉमनवेल्थ के इतिहास में भारतीय एथलीटों ने सफलता का स्वर्णिम इतिहास लिखा है। भारत इन खेलों में पदक जीतने के मामले में चौथा सबसे सफल राष्ट्र है।

भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 तक कुल 564 पदक अपने नाम किए हैं। इसमें 203 स्वर्ण, 190 रजत और 171 कांस्य पदक हैं। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में

सर्वाधिक 135 पदक निशानेबाजी में जीते हैं। इसमें 63 स्वर्ण, 44 रजत और 28 कांस्य पदक हैं।

देश के लिए सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड शूटर जसपाल राणा के नाम है। राणा ने 1994 से 2006 तक 4 कॉमनवेल्थ गेम्स में भाग लेते हुए सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड बनाया और कुल 15 पदक जीते। इसमें 9 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। जसपाल राणा का हाल ही में (12 जून 2026) निधन हो गया। राणा ने न सिर्फ कॉमनवेल्थ गेम्स में, बल्कि वैश्विक खेल के अन्य मंचों पर भारतीय निशानेबाजी को प्रतिष्ठा और सम्मान दिलाने में असाधारण योगदान दिया था। कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत 1930 में हुई थी। 2026 में आयोजित हो रहा संस्करण इन खेलों का 23वां संस्करण है। इन खेलों में भारत के सफर की शुरुआत 1934 में हुई थी। पिछले 22 संस्करणों में से सिर्फ 4 (1930, 1950, 1962 और 1986) संस्करणों का हिस्सा भारत नहीं रहा है।

फीफा विश्व कप : लियोनल मेसी के बिना स्वदेश पहुंची अर्जेंटीना की टीम का शानदार स्वागत

विश्व केसरी ■

एजेइजा । न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में स्पेन से 1-0 से दिल तोड़ने वाली हार के बाद जब अर्जेंटीना की टीम घर लौटी, तो एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट और मिलिट्री बैंड के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया।

टीम के खिताब का बचाव करने में असफल रहने के बावजूद फैन्स ने अपना समर्थन दिखाया। एजेइजा में मिनिस्ट्रो पिस्टारिनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ऑफिस के बाहर हजारों लोग जमा हुए।

लैंडिंग के बाद, डेलिगेशन के आने-जाने की सुविधा के लिए विमान को प्राइवेट फ्लाइट एरिया एफबीओ में ले जाया गया। कोच लियोनेल स्कालोनी और बाकी टीम का स्वागत टरमैक पर ग्रेनेडियर रेजिमेंट ने रेड कार्पेट बिछाकर और 'मुचाचोस' धुन बजाकर किया, और फिर मैदान के आस-पास मौजूद बहुत सारे फैंस ने भी उनका स्वागत किया। फैन्स ने सफेद और नीले रंग के छाते पकड़ रखे थे और अपनी टीम के कप्तान लियोनेल मेसी की नंबर 10 वाली जर्सी पहनी हुई थी। हालांकि, 39 वर्षीय मेसी, जिन्होंने शायद नेशनल टीम के लिए अपना आखिरी मैच खेला लिया है, टीम के साथ मौजूद नहीं थे। एएफए ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि टीम के कई सदस्य यात्रा नहीं करेंगे, और मेसी भी उनमें से एक थे।

देश लौटने वाले डेलिगेशन के सदस्यों में एमिलियानो मार्टिनेज, जुआन मुसो, निकोलस ओटामेंडी, लिसैंड्रो मार्टिनेज, निकोलस टैग्लियाफिको, गोंजालो मोंटिएल, मार्कोस सेनेसी, वैलेंटीना बार्को, लिएंड्रो परेडेस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एक्जेकिएल पैलासियोस, जियोवानी लो सेल्सो, थियागो अल्माडा, क्रिस्टियन मदीना, निकोलस गोंजालेज और जोस मैनुअल लोपेज जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। अर्जेंटीना की नेशनल टीम के डेलिगेशन को कड़ी सुरक्षा के बीच ले जाया गया और खिलाड़ी तथा कोचिंग स्टाफ के सदस्य एक खुली छत वाली बस में 'लियोनेल आंद्रेस मेसी ग्राउंड्स' तक गए और फैन्स का अभिवादन किया।

हर्डल को देश में जैवलिन जैसी लोकप्रियता दिलाना चाहता हूं: तेजस शिर्से

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 23 साल के तेजस शिर्से 110-मीटर हर्डल्स (बाधा दौड़) में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। उनका अगला लक्ष्य कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि वह देश में हर्डल को लोकप्रिय बनाना चाहते हैं।

ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले आईएएनएस से खास बातचीत में तेजस शिर्से ने कहा, 'जीतना ही एकमात्र लक्ष्य है। मैं वहां जाकर यह नहीं कहना चाहता कि यह प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रक्रिया मेरे लिए है। दुनिया के लिए जीत ही मायने रखती है। मुझे बस जीत की परवाह है। दुनिया भी जीत की ही परवाह करेगी। मैं दुनिया में सबसे अच्छा बनना चाहता हूं। मैं जिस भी इवेंट में हिस्सा लूं, उसमें सबसे अच्छा बनना

चाहता हूं। अगर मेरी सोच ऐसी नहीं होगी, तो मैं कभी ऐसा नहीं कर पाऊंगा। मैं बस कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों में जाकर जीतना चाहता हूं—यही एकमात्र लक्ष्य है।

कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में जगह बनाना तेजस शिर्से के लिए आसान नहीं रहा है। पिछले साल हर्डल के दौरान एक टक्कर के कारण उनके टखने में कई जगह चोट लग गई। उस वजह से उनका टखना तीन-चार जगहों से लगभग टूट गया था। उसके बाद, तेजस बहुत उदास हो गए थे।

उन्होंने कहा, 'सब कुछ सही करने के बावजूद, और बिना कुछ गलत किए भी, मेरे साथ ऐसा हो गया। मेरी रिकवरी रिलायंस फाउंडेशन की स्पोर्ट्स साइंस टीम की देखरेख में एक बेहतरीन सामूहिक प्रयास में हुई। इस टीम में कोच जेम्स हिलियर, फिजियोथेरेपिस्ट नीलेश मकवाना और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्षितिज भोइते शामिल थे। शुरुआत में उनका लक्ष्य मुझे बिना दर्द के दौड़ाना था। कॉमनवेल्थ गेम्स एक अव्यावहारिक लक्ष्य लग रहा था, लेकिन मैंने कोशिश करने का फैसला किया।

शिर्से ने कहा, 'मैंने अप्रैल के बीच में ट्रेनिंग शुरू की और क्वालीफिकेशन मई के आखिर और जून की शुरुआत में होना था। इतने कम समय में क्वालीफाई करना और समय कम करना व्यावहारिक नहीं था। मेरे मन में यह बात थी कि अगर ऐसा हो जाता है, तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। इसलिए, मैंने खुद को प्रेरित रखने के लिए इसे मिशन चमत्कार का नाम दिया और ऐसा हुआ भी।

बतौर गेंदबाज टेस्ट में केमार रोच का 'तिहरा शतक', केंसिंग्टन ओवल में किया जाएगा सम्मानित

विश्व केसरी ■

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमार रोच ने श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान टेस्ट में 300 विकेट के आंकड़े को छुआ। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए उन्हें औपचारिक रूप से सम्मानित करने का फैसला लिया है।

वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच मंगलवार को केंसिंग्टन ओवल में वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला खेला जाएगा, जिसके इनिंग्स ब्रेक के दौरान यह कार्यक्रम होगा, जिसमें रोच की उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए सीडब्ल्यूआई के साथ बारबाडोस सरकार और बारबाडोस क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

रोच हाल ही में वेस्टइंडीज के

पांचवें और बारबाडोस के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने टेस्ट में 300 विकेट का खास मुकाम हासिल किया है। यह उपलब्धि हासिल करते हुए केमार रोच उन कैरेबियाई महान गेंदबाजों के खास क्लब में शामिल हो गए, जिसमें कर्टनी वॉल्श (519), सर कर्टली एम्ब्रोस (405), मैल्कम मार्शल (376) और लांस गिब्स (305) शामिल हैं।

सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष किशोर शैलो ने कहा, 'दो दशकों से ज्यादा समय से, केमार ने शानदार ढंग से वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया है। जब भी उन्होंने मैरून कैप पहनी है, उन्होंने असाधारण कौशल, जज्बा और दृढ़ संकल्प दिखाया है। वह कैरेबियाई क्रिकेट के बेहतरीन एम्बेसडर रहे हैं और युवा तेज गेंदबाजों की कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहे हैं।

मुझे व्यक्तिगत रूप से इस पीढ़ी के एक ऐसे खिलाड़ी को देखकर खुशी हो रही है, जिनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण योगदान ने उन्हें हमारे खेल के दिग्गजों के बीच सही जगह दिलाई है। मैं क्रिकेट वेस्टइंडीज की तरफ से इस शानदार उपलब्धि के लिए केमार को एक बार फिर दिल से बधाई देता हूं। यह सम्मान उन्हें पूरी तरह से मिलना चाहिए था और यह वेस्टइंडीज क्रिकेट पर उनके गहरे प्रभाव को दिखाता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415